य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 20 | अंक : 168 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु दिल्ली पश्चिम बंगाल और से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

नई दिल्ली, मंगलवार, 07 जनवरी, 2025 | पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी, संवत् 2081

महिला वनडे सीरीज : स्मृति मंधाना को मिली कमान
@स्पोर्ट्स &गेमिंग

बलूचों का सबसे बड़ा हमला, 47 पाक जवानों की मौत
@इंडिया &वर्ल्ड

ग्राहक सिर्फ जरूरी एसएमएस रिसीव करने का विकल्प चुन सकेंगे
@बिजनेस &वेल्थ

चुनाव से पहले कनाडा में बड़ा बदलाव : देश में घटती नौकरियों और अर्थव्यवस्था के नाजुक हालात ने प्रधानमंत्री को पद छोड़ने के लिए किया मजबूर

खालिस्तान समर्थन पड़ा भारी, 'भारत विरोधी' जस्टिन ट्रूडो को देना पड़ा इस्तीफा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ओटावा. भारत विरोधी नीतियों के लिए अक्सर चर्चा में रहे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वह करीब नौ वर्षों तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे। कनाडा में नौकरियों और अर्थव्यवस्था के नाजुक हालात में पहुंच जाने, अमरीका ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के अतिरिक्त कर लगाने की घोषणा और कथित खालिस्तानियों का समर्थन लेने के मुद्दों पर जस्टिन ट्रूडो अपने लोगों के निशाने पर आ गए थे। पार्टी में बढ़ते आंतरिक असंतोष और लोकप्रियता में कमी आने के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। ट्रूडो ने कहा कि 'लिबरल पार्टी के नए नेता का चुनाव होने तक वह पद पर बने रहेंगे।' हालांकि इस बारे स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।
शेष@पेज10

नए नेता का चुनाव देखकर खुशी होगी

कनाडा की लिबरल पार्टी हमारे महान देश और लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण संस्था है। एक नया प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी का नेता देश के मूल्यों और आदर्शों को अगले चुनाव में आगे बढ़ाएगा। मुझे अगले कुछ महीनों में इस प्रक्रिया को होते देख कर खुशी होगी।

-जस्टिन ट्रूडो, इस्तीफा देने के बाद

पार्टी में नए नेता की तलाश शुरू... ट्रूडो 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री थे और उनके इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी में नए नेता की तलाश शुरू हो गई है। ट्रूडो के इस्तीफे से कनाडा में इसी साल चुनाव की संभावना भी बढ़ गई है।

क्या है वजह : सर्वे में पिछड़ने पर बढ़ गया था इस्तीफे का दबाव

- ट्रूडो के सबसे करीबी वित्त मंत्री और कनाडा की उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड बीते दिसंबर में उनके खिलाफ हो गई थीं। दोनों के बीच ट्रंप के संभावित टैक्स लगाने की घोषणा पर मतभेद सामने आने के बाद टकराव शुरू हो गया था।
- क्रिस्टिया से मतभेद के बाद ट्रूडो ने उनकी राजनीतिक ताकत कम करने की कोशिश की। इसके बाद क्रिस्टिया ने इस्तीफा दे दिया। इसे ट्रूडो के लिए एक झटका माना गया। कहा गया कि ट्रूडो अल्पमत की सरकार चला रहे हैं। शेष@पेज10

सुगम होगी शिक्षा

विदेश में पढ़ाई के लिए एसबीआइ देगा बिना गारंटी लोन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआइ) विदेशी संस्थानों में पढ़ाई के लिए बिना गारंटी 50 लाख रुपए तक का एजुकेशन लोन देगा। विद्यार्थी बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर या नजदीकी ब्रांच में लोन के लिए अप्लाई कर सकेंगे। डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई हो जाने के बाद बैंक लोन मंजूर करेगा। लोन 15 साल में ईएमआइ के जरिए चुकाया जा सकता है। लोन से पढ़ाई के खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी। लोन अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, जापान, हांगकांग, न्यूजीलैंड, रूस और यूरोपीय देशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों या संस्थान में पढ़ने वालों को मिलेगा।

न्यूज विंडो

गोल्डन ग्लोब में पायल खाली हाथ

लॉस एंजिलस@ पत्रिका. महानगर में महिलाओं की दशा पर आधारित पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' सोमवार को गोल्डन ग्लोब पुरस्कार समारोह में दोनों श्रेणियों में अवॉर्ड पाने से चूक गई। वह पहली भारतीय फिल्मकार हैं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की निर्देशक की श्रेणी में नामांकन हासिल हुआ।

एयरो इंडिया अगले महीने बेंगलूरु में

बेंगलूरु@ पत्रिका. एशिया के सबसे बड़े एयर शो एयरो इंडिया का आयोजन 10 से 14 फरवरी तक बेंगलूरुके येलहंका एयरबेस पर होगा। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि शो के दौरान मित्र देशों से नई साझेदारियां बनाने और एयरोस्पेस क्षेत्र में तेजी से स्वदेशीकरण के तरीकों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

विमान में आग, 76 यात्री बाल-बाल बचे

काठमांडू@ पत्रिका. नेपाल में बुद्धा एयरलाइंस के एक विमान में उड़ान के दौरान आग लग गई। समय रहते इसकी काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई।

छत्तीसगढ़ में बड़ा हमला : डीआरजी की बख्तरबंद गाड़ी को बनाया निशाना

बीजापुर में नक्सलियों के बारूदी सुरंग धमाके में नौ जवान शहीद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीजापुर. छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर के बेदरे क्षेत्र सोमवार को नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट किया। इससे नौ जवान शहीद हो गए, जबकि कुछ अन्य घायल बताए जा रहे हैं। शहीदों में डीआरजी के 8 जवान और गाड़ी का ड्राइवर शामिल हैं। बस्तर आइजी ने जवानों के शहीद होने की पुष्टि की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस कायराना करतूत का माकूल जवाब देंगे।

हमला उस समय हुआ, जब सुरक्षा बल बीजापुर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर के बार्डर एरिया में सर्च ऑपरेशन पूरा कर लौट रहे थे। जवानों से भरी बख्तरबंद गाड़ी को नक्सलियों ने पहले से तैयार किए गए आईईडी के जरिए उड़ाया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। जवान मौके पर ही शहीद हो गए। घायल जवानों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। बेदरे क्षेत्र नक्सली गतिविधियों के लिए कुख्यात है। यह इलाका घने जंगलों और दुर्गम रास्तों से भरा है, जो नक्सलियों को छिपने और हमला करने में मदद करता है। हमले के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया।

बीजापुर. कुटरू क्षेत्र में अंबेली गांव के पास इसी जगह नक्सलियों ने आइईडी विस्फोट कर घटना को अंजाम दिया। सुरक्षा बल एक मिशन से लौट रहे थे।

2025 की तीसरी घटना

छत्तीसगढ़ में 2025 की यह तीसरी नक्सल घटना है। गरियाबंद जिले में 3 जनवरी को मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए थे। इसके बाद 4 जनवरी को दंतेवाड़ा में मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए।

कायराना हरकत, और मजबूत होगी लड़ाई...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, बस्तर में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान से नक्सली हताश हैं और विचलित होकर ऐसी कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ अब हम निर्णायक दौर में लड़ाई लड़ रहे हैं। लड़ाई जीत तक जारी रहेगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी घटना पर शोक जताया।

फोर्स हाई अलर्ट पर

बस्तर रेंज आइजी सुंदरराज पी. ने बताया कि हमले के बाद इलाके में फोर्स को हाई अलर्ट पर रखा गया है। आला अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई है। शहीद जवानों के नाम कोरसा बुधराम, सोमडू वेट्टि, दुम्मा मकाम, बमन सोढ़ी, हरीश कोर्राम, पण्डरू पोयम, सुदर्शन वेटी और सुभरनाथ यादव बताए गए। शहीद ड्राइवर का नाम तुलेश्वर राना है। वह जगदलपुर के ग्राम आरापुर का रहने वाला था।

200 मीटर दूर पेड़ पर चढ़कर वायर जोड़ा

नक्सली जानते थे कि जवान किस रास्ते से ऑपरेशन निपटाकर लौटने वाले हैं। उन्होंने मेन रोड पर ब्लास्ट किया। जिस जगह ब्लास्ट हुआ, वहां से 200 मीटर दूर पेड़ पर चढ़कर नक्सलियों ने आइईडी के वायर को जोड़ा। बस्तर में नक्सली रोड पर आइईडी ब्लास्ट के लिए इसी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। पेड़ पर चढ़े होने से गाड़ी का मूवमेंट स्पष्ट दिखता है। जैसे ही गाड़ी आइईडी की जद में आती है, वायर जोड़ दिया जाता है।

नया खतरा : सरकार ने कहा- हालात पर नजर, घबराएं नहीं

भारत में एचएमपीवी के 6 केस मिले, एक को अस्पताल से छुट्टी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली/ बेंगलूरु. भारत में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के अब तक छह मामले सामने आए हैं। इनमें दो-दो कर्नाटक और तमिलनाडु में, जबकि एक-एक मामला गुजरात और पश्चिम बंगाल का है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर जारी बयान में बताया कि बेंगलूरु में तीन महीने की संक्रमित बच्ची को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि आठ महीने के बच्चे का इलाज किया जा रहा है। उसकी हालत स्थिर है। दोनों बच्चों की इंटरनेशनल ट्रैवेल हिस्ट्री नहीं है, लेकिन ब्रोन्को न्यूमोनिया की मेडिकल हिस्ट्री है। मंत्रालय ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। भारत सांस संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अहमदाबाद में दो महीने के एक बच्चे को संक्रमित पाया गया। राजस्थान के डूंगरपुर का परिवार बच्चे को लेकर अहमदाबाद के निजी अस्पताल पहुंचा था। लैब में उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। चीन में एचएमपीवी का संक्रमण फैलने की खबरों को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक के बाद कहा था कि चीन के हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। उधर, तमिलनाडु के चेन्नई में भी दो और पश्चिम बंगाल में पांच माह का बच्चा संक्रमित मिला है।

स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि वायरस को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। भारत में यह गंभीर बीमारी नहीं है।

पहली बार 2001 में सामने आया : नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, यह कोई नया वायरस नहीं है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। नड्डा ने कहा, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। इसकी पहली बार 2001 में पहचान हुई थी। इसके बाद कई वर्षों से यह पूरी दुनिया में फैल रहा है।

क्या करें, क्या नहीं

- खांसी या छींक के दौरान मुंह और नाक ढंककर रखें।
- हाथों को सैनिटाइजर से साफ करें या साबुन से धोएं।
- बीमार हैं तो लोगों के संपर्क में आने से बचें।
- हाथ से बार-बार आंख, नाक या मुंह को न छुएं।

सांस संबंधी वायरस

एचएमपीवी सांस की बीमारी से संबंधित वायरस है। इससे संक्रमित मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। चीन के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक इसके लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना और गले में घरघराहट शामिल है।

शेयर बाजार लुढ़का

निवेशकों के डूबे 11 लाख करोड़ रुपए

भारत में एचएमपीवी के दो मामले सामने आने के बाद सोमवार को शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गई। इससे निवेशकों के करीब 11 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1440 अंक तक गिर गया। अंत में यह 1258 अंक (1.59%) की गिरावट लेकर 77,964.99 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 388.70 अंक (1.62%) की गिरावट के साथ 23,616.05 पर बंद हुआ।
@बिजनेस &वेल्थ

सीआइएसएफ : मांसपेशियों की अकड़न होगी दूर

उड़ान से पूर्व एयरपोर्ट पर यात्रियों से कुछ पल स्ट्रेचिंग कराना शुरू

गजेंद्र सिंह दहिया
patrika.com

जोधपुर. कोहरे के कारण लेट हो रही फ्लाइट्स और यात्रियों की लगातार लम्बी सिटिंग, सर्दी के कारण मांसपेशियों की अकड़न को देखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने फ्लाइट में बैठने से पहले यात्रियों को स्ट्रेचिंग कराने का निर्णय किया है। यह हल्की-फुल्की एक्सरसाइज स्वैच्छिक है। इसमें दो से तीन मिनट का समय लगता है। शेष@पेज10

लम्बी सिटिंग से खून के प्रवाह पर असर

फ्लाइट्स के लेट होने की वजह से यात्रियों को लम्बा इंतजार करना पड़ता है। यह पहल उनके लिए विशेष उपयोगी है, जो काफी देर तक बैठे रहते हैं या जिनकी फ्लाइट में देरी होती है। स्ट्रेचिंग मांसपेशियों की जकड़न रोकने में मदद करती है और रक्त संचार को बेहतर बनाती है। डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) के खतरे को भी कम करती है।

कश्मीर : डल झील जमी, किनारों से बांध दिए शिकारे

श्रीनगर. जम्मू कश्मीर सहित पर्वतीय राज्यों में भारी हिमपात का दौर जारी है। डल झील भी जम गई। ऐसे में शिकारा मालिकों ने अपने शिकारों को झील के किनारे बांध दिया।

मुकेश चंद्राकर हत्याकांड : मास्टरमाइंड ठेकेदार गिरफ्तार

लिवर के चार टुकड़े, सिर में पंद्रह फ्रैक्चर और गर्दन भी टूटी हुई थी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड के मास्टरमाइंड ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को एसआइटी ने रविवार देर रात हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को मुकेश चंद्राकर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दिल दहलाने वाली बातें सामने आई हैं। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि हत्यारों ने सारी हदें पार कर दीं। शेष@पेज10

लगातार लोकेशन बदलता रहा सुरेश

गिरफ्तारी से पहले सुरेश चंद्राकर हैदराबाद में लगातार लोकेशन बदल रहा था। उसकी पत्नी को लोकेशन पता थी, जिसे रविवार शाम एसआइटी ने हिरासत में लिया था। पत्रिका ने सोमवार को सुरेश से जुड़ी खबर प्रकाशित कर बताया था कि वह हैदराबाद में मौजूद है। पत्रिका के बताए इनपुट्स सुरेश की गिरफ्तारी के साथ सामने आए। सुरेश को पूछताछ के लिए बीजापुर लाया गया।

झरोखा

ट्रेंडिंग न्यूज

इसरो

स्पेडेक्स मिशन का डॉकिंग परीक्षण टला

बेंगलूरु@ पत्रिका. भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने स्पेडेक्स मिशन के तहत होने वाले डॉकिंग परीक्षण को टाल दिया है। पहले परीक्षण सात जनवरी को होना था। अब यह नौ जनवरी को किया जाएगा। इसरो ने परीक्षण टालने की वजह का खुलासा नहीं किया।

बिहार

प्रशांत किशोर गिरफ्तार, जमानत मिली

पटना@ पत्रिका. पटना के गांधी मैदान में बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने सशर्त जमानत दी, लेकिन उन्होंने शर्तें मानने से इनकार कर दिया।
-विस्तृत समाचार @ उत्तरप्रदेश

मणिपुर

26 म्यांमार नागरिकों को किया डिपोर्ट

इंफाल@ पत्रिका. मणिपुर की सीमा से भारत में प्रवेश करने वाले म्यांमार के 26 नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया गया। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अवैध आव्रजन के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

सूरज कहूं या चंदा

तकनीकी तरक्की में तेजी के कारण 11 साल बाद ही बदली पीढ़ी

मिजोरम में जन्मा 'जेन बीटा' का पहला भारतीय बच्चा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत में 'जेनरेशन बीटा' के पहले बच्चे का जन्म मिजोरम की राजधानी आइजोल में हुआ है। उसका नाम फ्रेंकी रखा है। फ्रेंकी का जन्म एक जनवरी शुरू होने के तीन मिनट बाद यानी 12:03 बजे हुआ। आमतौर पर पीढ़ियों में बदलाव करीब 20 साल में होता है, लेकिन इस बार 11 साल के अंतराल पर ही जेन बीटा आ गई। इस पीढ़ी की शुरुआत एक जनवरी, 2025 से हो गई है। अब 2039 तक पैदा होने वाले बच्चे इसी पीढ़ी में गिने जाएंगे।

जिनके लिए दुनिया में आते ही तमाम सुविधाएं एक क्लिक की दूरी पर

जेनरेशन बीटा उस पीढ़ी को कहा गया है, जो इंटरनेट से जुड़ी तमाम सुविधाओं के बीच पैदा हुई। होम डिलीवरी, टीवी, इंटरनेट समेत तमाम सुविधाएं बच्चे एक क्लिक पर हासिल कर सकते हैं। इससे पहले 2013 से 2024 तक पैदा हुए बच्चों को 'जेनरेशन अल्फा' कहा गया। इस पीढ़ी को जन्म के साथ हाइस्पीड इंटरनेट की सुविधा मिली।

ऑस्ट्रेलिया के मार्क मैक्रिंडल ने गढ़ा नाम

जेनरेशन बीटा नाम ऑस्ट्रेलिया के समाज विज्ञानी मार्क मैक्रिंडल ने गढ़ा है। उनके मुताबिक 2025 से 2039 तक का दौर तकनीक के लिहाज से अहम होगा। वर्ष 1965 से 1979 तक पैदा बच्चों को जेनरेशन एक्स कहा गया था। इस पीढ़ी के दौर में ही इंटरनेट की शुरुआत हुई। फिर 1981 से 1996 तक जेनरेशन वाई थी। इस पीढ़ी के लोगों ने तकनीक के साथ खुद को बदला और हर चीज से अपडेट होते रहे।

सांस्कृतिक-आर्थिक-तकनीकी आधार

आमतौर पर एक पीढ़ी 15 से 20 साल की अवधि की होती है। पीढ़ी का नामकरण उस दौर की सांस्कृतिक, आर्थिक और तकनीकी घटनाओं के आधार पर होता है। मसलन 1901 से 1924 के दौरान पैदा हुई पीढ़ी को ग्रेटेस्ट जेनरेशन कहा गया, क्योंकि उसने महामंदी और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जीवनयापन किया।

वेटिकन में पहली बार महिला को सौंपी जिम्मेदारी

रोम @ पत्रिका. पोप फ्रांसिस ने वेटिकन के एक प्रमुख कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए पहली बार किसी महिला को नामित किया है। पोप ने सोमवार को इतालवी नन, सिस्टर सिमोना ब्रैम्बिला (59) को कैथोलिक चर्च के सभी धार्मिक आदेशों के लिए जिम्मेदार विभाग का 'प्रीफेक्ट' नामित किया है। ब्रैम्बिला वेटिकन के संस्थानों और अपोस्टोलिक जीवन के समाजों के लिए डिकास्टरी का नेतृत्व करेंगी। वे कार्डिनल जोआओ ब्राज डी अवीज की जगह लेंगी, जो एक ब्राजीलियाई प्रीलेट हैं और जिन्होंने 2011 से इस पद का नेतृत्व किया था।

युवा सितारा : ऐसा करने वाले सबसे युवा तैराक बने

छह वर्षीय रेयांश ने समुद्र में 15 किमी तैरकर बनाया रेकॉर्ड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ठाणे. भारत के छह वर्षीय तैराक रेयांश खामकर ने सभी को चौंकाते हुए समुद्र में 15 किमी की दूरी पूरी की। वह सबसे कम उम्र में 15 किलोमीटर की दूरी पूरी करने वाले तैराक बन गए हैं। रेयांश ने विजयदुर्ग में मालपे जेट्टी से वाघोटन जेट्टी तक की 15 किमी की दूरी तीन घंटे में पूरी की। उनकी इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह मिली है। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के साथ छह वर्षीय तैराक रेयांश खामकर।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ■ अलवर ■ अहमदाबाद ■ इंदौर ■ उज्जैन ■ उदयपुर ■ कोटा ■ कोलकाता ■ खंडवा ■ ग्वालियर ■ चेन्नई ■ छिंदवाड़ा ■ जगदलपुर ■ जबलपुर ■ जयपुर ■ जोधपुर ■ झुंझुनूं ■ दिल्ली ■ नागौर ■ नर्मदापुरम ■ पाली ■ बाड़मेर ■ बांसवाड़ा ■ बिलासपुर ■ बीकानेर ■ बेंगलूरु ■ भरतपुर ■ भिलाई ■ भीलवाड़ा ■ भोपाल ■ रतलाम ■ रायपुर ■ सतना ■ सागर ■ सीकर ■ सूरत ■ शहडोल ■ श्रीगंगानगर

पत्रिका रक्षा कवच अपराधों के विरुद्ध पत्रिका अभियान

राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित देशभर में फैला जाल

पत्रिका एक्सपोज

5012 फाइलें मिलीं साइबर ठग सरमेश के मोबाइल से जिसमें बैंक स्टेटमेंट, ट्रांजेक्शन की जानकारी

658 मोबाइल नंबरों की सूची, जिनकी सीडीआर निकलवा कर डिटेक्टिव एजेंसियों को सौंपी गई

229 मेल जंक, स्पेम में 194 मेल, डिलीट बाक्स में 144 और इनबॉक्स में पांच मेल मिले प्रारंभिक जांच में...

प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियां सौदेबाजी कर खास लोगों को बेच रही जानकारी

क्राइम ब्रांच की ई-मेल हैक कर उड़ा रहे निजी सूचनाएं

देवेंद्र शास्त्री
patrika.com

जयपुर. कौन कहां है, किसका कहां आना-जाना है और कितनी देर मोबाइल पर किससे बात करता है, बैंक बैलेंस और कितनी जीएसटी देता है? मतलब... आपकी निजी जिंदगी पर गैर-कानूनी तरीके से प्राइवेट डिटेक्टिव (जासूसी) एजेंसियों की पैनी नजर है। पूरे देश में इन खुफिया एजेंसियों का जाल फैला है। आम और खास लोगों की निजी सूचनाएं जुटाने के लिए ये एजेंसियां साइबर शातिर या साइबर ठगों का इस्तेमाल कर पुलिस क्राइम ब्रांच, पुलिस की इमेल और वेबसाइट्स तक हैक करवा रही हैं। किसी व्यक्ति के बैंक, मोबाइल फोन, दस्तावेज आदि जानकारी के लिए साइबर शातिर पुलिस की अधिकृत ई-मेल को हैक कर जरूरी जानकारी संबंधित विभागों से मांगते हैं। शेष@पेज10

जंक, स्पैम व डिलीट बॉक्स में रिकार्ड

जांच में पाया गया कि क्राइम ब्रांच की इमेल का अनाधिकृत उपयोग कर कई खातों की ट्रांजेक्शन डिटेल मांगी गई। कई खातों को फ्रीज-अनफ्रीज करवाने, सीडीआर मांगने और उसके सॉफ्टवेयर से विश्लेषण करवाने (कौन, कब, कितनी देर तक किससे बात करता है आदि) के नाम पर मेल किए गए। क्राइम ब्रांच की इमेल के जंक, स्पैम एवं डिलीट आइकॉन में इस तरह के सैकड़ों मेल मिले हैं। इसे लेकर एएसपी (सीआइडी) ने आयुक्तालय के विशेष अपराध एवं साइबर क्राइम थाने में 6 मार्च, 2024 को मामला दर्ज करवाया।

मप्र में ठगी : चोरी में फंसाने की धमकी

'डिजिटल अरेस्ट' शिक्षिका ने घबराकर खाया जहर

रीवा. मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले में डिजिटल अरेस्ट की शिकार शिक्षिका ने घबराकर जहर खा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। 'डिजिटल अरेस्ट' करने के बाद साइबर ठग उन्हें ब्लैकमेल कर रहे थे। घुरेहटा गांव के पन्नी हाई स्कूल की अतिथि शिक्षिका रेशमा पाण्डेय रविवार को कॉल रिसीव करने के बाद साइबर ठगों के जाल में फंस गई थी। पुलिस अफसर बनकर बदमाशों ने उन्हें पार्सल रिसीव न करने पर चोरी का केस करने की धमकी दी। शेष@पेज10

वीरेन्द्र पटेल
साइबर सेल प्रभारी

एक्सपर्ट व्यू

सतर्क रहें, पुलिस को बताएं...

इस तरह की धमकी मिलने पर पुलिस से संपर्क करें। साइबर अपराधों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए फोन कॉल से पहले जागरूकता संदेश भी सुनाया जाता है। आमजन को सतर्क होना होगा।

न्यूज विंडो

सर सय्यद को भारत रत्न देने की मांग

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. उर्दू डेवलपमेंट आर्गनाइज़ेशन (यूडीओ) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर समाज सुधारक, शिक्षाविद और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खान को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान करने की मांग की है। यूडीओ अध्यक्ष डॉ.सैयद अहमद खान ने कहा कि महान शिक्षाविद और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदम मोहन मालवीय को दिसम्बर 2015 में भारत रत्न से सम्मानित किया जा चुका है। पंडित मालवीय और सर सैयद ने हमारे देश के निर्माण और समाज के सुधार के लिए जो कार्य किया है वह इसके हकदार हैं। उन्होंने कहा कि पंडित मालवीय के बाद अब सर सैयद को यह सम्मान मिलना चाहिए।

पंजाब के सीएम से पूरा पानी देने की मांग

जयपुर @ पत्रिका. राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल में सोमवार को चंडीगढ़ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनके आवास पर मुलाकात के दौरान राजस्थान को उसके हिस्से का पूरा पानी देने की मांग की। इसके साथ ही बेनीवाल ने सीमावर्ती जिलों के माध्यम से बढ़ती मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने सहित कई मुद्दों पर भगवंत मान से चर्चा की।

गांव बंद आंदोलन की तैयारी में जुटे किसान

जयपुर @ पत्रिका. न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी कानून बनाने की मांग लेकर किसान महापंचायत 29 जनवरी से प्रस्तावित गांव बंद आंदोलन की तैयारियों में जुट गई है। भीलवाड़ा के हुरडा में ग्राम सभा हुई। महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने बताया कि राज्य के 45 हजार से ज्यादा गांवों में आन्दोलन के दौरान गांव का उत्पाद गांव में रहेगा।

संविधान सदन में पंचायत से पार्लियामेंट 2 कार्यक्रम का आयोजन

परिवर्तन को जनजातीय महिलाओं का सशक्त होना जरूरी: बिरला

22 राज्यों की 500 से अधिक महिला पंचायत प्रतिनिधि रहीं मौजूद

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि ग्रामीण और जनजातीय समुदायों से जुड़ी महिलाओं की भागीदारी और उनका सशक्तीकरण सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है। महिला नेतृत्व के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के प्रगतिशील दृष्टिकोण का प्रमाण है। बिरला ने यह बातें संविधान सदन के ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में आयोजित 'पंचायत से पार्लियामेंट 2.0' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय महिला आयोग और जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) की ओर से आयोजित किया गया था। बिरला ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और समानता के प्रतीक आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों के बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष जंगलों और भूमि के संरक्षण के साथ आदिवासी समुदायों की गरिमा और स्वाभिमान की रक्षा की लड़ाई भी लड़ी।

इस कार्यक्रम में 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की 500 से अधिक जनजातीय महिला प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लोकसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गौरव गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एआइ को अपनाए

बिरला ने महिला जन प्रतिनिधियों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों को अधिक जनोन्मुखी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग और नवाचार को अपनाने का भी आग्रह किया। बिरला ने एआई उपकरण-संसद भाषिणी के माध्यम से प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस उपकरण के माध्यम से गुजराती, मराठी, ओडिया, तमिल, तेलुगु और मलयालम में संवाद किया जा सकता है।

स्थानीय निकायों में 14 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधि

बिरला ने कहा कि लोकतंत्र भारत की गौरवशाली धरोहर है। संसद एवं विधानमंडलों से लेकर ग्राम स्तर तक लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण हमारी विधायी शासन प्रणाली की अनूठी विशेषता है। दुनिया में सर्वाधिक 14 लाख से अधिक महिलाएं आज भारत में स्थानीय निकायों में प्रतिनिधित्व कर रहीं हैं। जमीनी स्तर पर पंचायतों से राष्ट्रीय स्तर पर संसद में महिलाओं का नेतृत्व परिवर्तन लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और समावेशी विकास मॉडल बनाने में सहायक रहा है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों ने महिलाओं के लिए अनिवार्य 33 फीसदी आरक्षण को पार कर लिया है और कुछ मामलों में यह भागीदारी 50 फीसदी से भी अधिक हो गई है। बिरला ने महिला प्रतिनिधियों से महिलाओं के नेतृत्व में विकास और ग्रामीण आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करने का आग्रह किया।

नडेला ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली. माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि हमारे बीच तकनीक, नवाचार और एआई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करना अद्भुत था। नडेला ने भी एक्स पर लिखा कि मैं भारत को एआइ प्रथम बनाने की दिशा में साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं।

दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

बिधूड़ी के घर के दरवाजे पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लिखा महिला विरोधी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रदेश युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के घर के दरवाजे पर महिला विरोधी लिखकर विरोध जताया। कालकाजी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के कांग्रेस सांसद व राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी पर टिप्पणी से नाराज होकर दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया।

दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बिधूड़ी के घर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए मुख्य दरवाजे पर महिला विरोधी लिख दिया। इस दौरान दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकरा ने कहा कि भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के आपत्तिजनक बयान की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। भाजपा और संघ हमेशा से महिला विरोधी रहे हैं। बदतमीजी और बदजुबानी करना रमेश बिधूड़ी की आदत है। दिल्ली और कालकाजी विधानसभा की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी और जनता की अदालत में उनका फैसला अवश्य होगा। इस दौरान प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के कई प्रदेश पदाधिकारी और अनेकों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा ने सीएजी रिपोर्ट को लेकर अरविंद केजरीवाल को घेरा

शीशमहल बनाने के लिए 8 करोड़ का टेंडर लेकिन खर्च हुए 33 करोड़: भाजपा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. भाजपा ने आम आदमी पार्टी संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आवास के सुंदरीकरण के नाम पर घोटाले का आरोप लगाया है। पार्टी ने इसके लिए सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कई सवाल उठाए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ.संबित पात्रा ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि 2012-13 में अरविंद केजरीवाल सीएजी रिपोर्ट लेकर प्रेस कांफ्रेंस किया करते थे। उसी के आधार पर उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ दिल्ली में सरकार बनाई। इसलिए अरविंद केजरीवाल सीएजी रिपोर्ट की अहमियत जानते होंगे।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल के घर की रीमॉडलिंग पर 7.61 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान था, लेकिन टेंडर 8.62 करोड़ रुपए जारी किया गया, यानी टेंडर की लागत 13.21 प्रतिशत ज्यादा थी, जो टेंडर प्रक्रिया में घोटाले का संकेत है। इतना ही नहीं केजरीवाल का शीशमहल 2022 में 33 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ। लागत अनुमानित राशि से 342.31 प्रतिशत ज्यादा थी।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक तरफ तो साधारण शर्ट, पेन और चप्पल पहनकर घूमते हैं, लेकिन दूसरी तरफ व रेशमी कालीन पर चलते हैं और उसी पोशाक में मिनी बार रखते हैं। सीएजी रिपोर्ट से पता चलता है कि मानदंडों के अनुसार सलाहकारों के लिए कोई विज्ञापन नहीं किया गया था। अरविंद केजरीवाल को विज्ञापन बाबा कहा जाना चाहिए, क्योंकि सीएजी ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि विभिन्न कार्यक्रमों के लिए विज्ञापन अभियानों पर निर्धारित से कई गुना ज्यादा खर्च हुए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जने पीएम को लिखा पत्र

इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार हो

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. भाजपा के अंदरखाने से अब इंडिया गेट का भी नाम बदलने की मांग उठी है। यह मांग पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने उठाई है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस संबंध में पत्र लिखकर सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। जमाल सिद्दीकी का कहना है कि जिस तरह राजपथ का नाम कर्तव्य पथ किया गया, उसी प्रकार इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की जरूरत है।

पीएम मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि आपके कार्यकाल में मुगल आक्रांता और लुटेरे अंग्रेजों की ओर से दिए गए घाव को भरा गया है। आपने गुलामी के दाग को धोया है। इससे पूरे भारत में खुशी का माहौल है। आपके कार्यकाल में मुगल बादशाह औरंगजेब के नाम पर बनी रोड का नाम बदलकर ए.पी.जे. कलाम रोड किया गया, उसी तर्ज पर इंडिया गेट पर लगे किंग जॉर्ज पंचम की मूर्ति हटाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाई जाए। जिस तरह आपने राजपथ का नाम कर्तव्य पथ किया उसी प्रकार इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की आवश्यकता है। इंडिया गेट को भारत माता द्वार करना उस स्तंभ पर दर्ज हजारों शहीद देशभक्तों के नाम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर, गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुद्वारा रकाबगंज में टेका मत्था।

लाइफ साइंसेज पर इसरो के प्रयोग में मिली अहम सफलता : अंतरिक्ष अन्वेषण की दिशा में मील का एक और पत्थर पार

अंतरिक्ष में छाई हरियाली, लोबिया के बीज से निकली पत्तियां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. अंतरिक्ष में भेजे गए लोबिया के बीज प्रस्फुटित हो गए हैं। अंकुरित हुए बीजों से अब पत्तियां निकल आई हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने लोबिया के इन बीजों के जरिए अंतरिक्ष में लाइफ साइंसेज से जुड़े महत्वपूर्ण प्रयोग में सफलता हासिल कर ली है। इसरो ने सोमवार को कहा कि लोबिया के बीजों से अब पत्तियां निकल आई हैं। हमने अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में एक और मील का पत्थर पार कर लिया है। पीएसएलवी सी-60 के चौथे चरण पीओईएम-4 के पे-लोड कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर आर्बिटर प्लांट स्टडीज (क्रॉप्स) में लोबिया के बीजों पर पत्तियां दिखने लगी हैं। इससे पहले इसरो ने लोबिया के बीजों के अंकुरित होने की बात कही थी। इस प्रयोग में मिली सफलता भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के निर्माण और उसके बाद कई महत्वपूर्ण प्रयोगों के दृष्टिकोण से काफी उत्साहवर्धक है। इसरो का लक्ष्य लोबिया के बीजों से कम से कम दो पत्तियां उगाने का था जिसमें सफलता मिल चुकी हैं। लोबिया के 8 बीजों को एक नियंत्रित वातावरण में रखा गया है, जहां पहले बीज अंकुरित हुए और अब पत्तियां निकल आई हैं। इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में पौधों की वृद्धि का अध्ययन करना है। पौधे के विकास का अध्ययन कर वैज्ञानिक अंतरिक्ष में लाइफ साइंसेज की जटिलता को समझना चाहते हैं ताकि, भविष्य के दीर्घकालिक मिशनों की रणनीति तैयार कर सकें। हालांकि, अंतरिक्ष स्टेशन पर यह कारनामा पहले हुआ है लेकिन, भारत ने यह प्रयोग पहली बार किया है। पौधे की वृद्धि और निगरानी के लिए पे-लोड में इमेजिंग कैमरे लगे हुए हैं। इसरो गगनयान मिशन और उसके बाद भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रहा है। इस वर्ष गगनयान-1 मानव रहित मिशन लॉन्च होगा जबकि, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण का कार्य 2028 से शुरू होगा। वर्ष 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

डॉकिंग तकनीक का परीक्षण अब कल

इस बीच, स्पेडेक्स मिशन के तहत अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक का परीक्षण दो दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। डॉकिंग तकनीक का परीक्षण 7 जनवरी को होना तय था और उसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में थीं। लेकिन, इसरो ने बयान जारी कर कहा कि डॉकिंग परीक्षण से पहले कुछ और जमीनी सिमुलेशन की आवश्यकता है। कुछ परिस्थितियां ऐसी आई हैं जिससे यह मिशन दो दिन के लिए स्थगित किया जा रहा है। इसरो ने स्पेडेक्स के दूसरे अंतरिक्षयान स्पेडेक्स-02 का एक वीडियो भी साझा किया जिसमें डॉकिंग रिंग सफलतापूर्वक बाहर निकलता नजर रहा है। इसरो का कहना है कि दोनों उपग्रह डॉकिंग के लिए तैयार हैं लेकिन, अनुकूल परिस्थितियों का इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक दोनों अंतरिक्षयान एक-दूसरे के काफी करीब पहुंच चुके हैं। दोनों के बीच की दूरियां अब घटकर लगभग 3 किमी रह गई है। इससे पहले मिशन लांच होने के बाद ये एक-दूसरे से लगभग 20 किमी की दूरी पर चक्कर काट रहे थे।

पोलमपोल भायो
घेरो-फकड़ो माफिया, मुरधर को दस्तूर।
नकलबाज चूके नहीं, आदत सूं मजबूर!!

चिंताजनक: 21 जिलों के वन क्षेत्र में कमी, 12 में हुई बढ़ोतरी...उदयपुर, जोधपुर और कोटा में वन क्षेत्र में बढ़ा जबकि जयपुर और अजमेर में कमी

वन सर्वेक्षण रिपोर्ट: सीकर में सर्वाधिक बढ़ा जंगल, बारां में सबसे ज्यादा नुकसान

स्न्द्रेश शर्मा
patrika.com

उदयपुर. प्रदेश में कुल वन एवं वृक्षावरण बढ़ा है, जबकि राज्य का वन क्षेत्र बढ़ने के बजाय घट रहा है। कहने का मतलब है कि जंगल तो कम हुआ है, लेकिन पेड़ों की संख्या बढ़ रही है, वो भी जंगल के बाहरी क्षेत्रों में 394 वर्ग किलोमीटर का वृक्षावरण क्षेत्र बढ़ा है।

विभिन्न पौधरोपण अभियान और लोगों की जागरूकता के चलते ऐसा हुआ है। वहीं, प्रदेश के वन क्षेत्र में 83.80 वर्ग किमी की कमी आई है।

भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति की रिपोर्ट में यह आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में वर्ष 2021 की तुलना में 2023 में सर्वाधिक 19.14 वर्ग किमी वन क्षेत्र का इजाफा सीकर जिले में हुआ है। वहीं, बारां जिले में सबसे अधिक 33.29 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का नुकसान हुआ है। बड़े जिलों की बात करें तो उदयपुर, जोधपुर और कोटा में वन क्षेत्र में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जबकि जयपुर और अजमेर जिलों के वन क्षेत्र में कमी आई है।

सीकर जिले में नीमकाथाना इलाके के गणेश्वर का वनक्षेत्र। फाइल फोटो

किस जिले में कहां कितना जंगल...
(क्षेत्र वर्ग किमी. में)

घटा वन क्षेत्र

बारां	33.29
प्रतापगढ़	30.79
अजमेर	18.34
बीकानेर	14.85
चूरू	11.74
जालोर	11.54
पाली	9.65
धौलपुर	8.14
भरतपुर	6.40
राजसमंद	5.97
डूंगरपुर	5.57
नागौर	4.31
झालावाड़	4.14
करौली	3.69
सवाईमाधोपुर	2.91
हनुमानगढ़	2.25
जयपुर	2.02
झुंझुनूं	1.57
दौसा	0.23
भीलवाड़ा	0.04

बढ़ा वन क्षेत्र

सीकर	19.14
बाड़मेर	19.00
अलवर	16.39
उदयपुर	12.46
जैसलमेर	11.46
टोंक	4.86
श्रीगंगानगर	2.85
जोधपुर	2.66
कोटा	2.25
चित्तौड़गढ़	1.93
सिरोही	0.70
बांसवाड़ा	0.39
बूंदी	0.32

गैर वन क्षेत्र में बढ़े पेड़

रिपोर्ट के मुताबिक पूरे देश में कुल वन एवं वृक्षावरण में बढ़ोतरी हुई है। यानी जंगल के बाहर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले कुछ वर्षों में आमजन में पौधरोपण के प्रति जागरूकता आई है। शहरों एवं गांवों में खुली जगह पर वृक्षों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। कुछ जगह निजी स्तर पर सूक्ष्म वन तैयार किए गए हैं। यही वजह है कि राजस्थान में कुल वन एवं वृक्ष आवरण 394 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है।

आमजन में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता आई है। इससे कुल वन एवं वृक्षावरण में बढ़ोतरी हुई है। जहां वन घटे हैं, वहां अलग-अलग कारण प्रभावित करते हैं। सरकार की योजना अनुसार वन क्षेत्र में रहवासियों को पट्टे भी दिए जा रहे हैं। वे वन भूमि का उपयोग खेती के लिए करते हैं। संभव है सर्वेक्षण में यह क्षेत्र वन क्षेत्र में कम हुआ हो।
मुकेश सैनी, उपवन संरक्षक, उदयपुर

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका

1. मनमोहन सिंह को कमजोर कहने वालों को अख्तर का जवाब

2. चीन में तबाही मचाने वाले एचएमपीवी की भारत में एंट्री

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV
राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

कोटा: झूला झूलते समय गले में फंदा लगा, बालिका की मौत

लाखेरी (कोटा) @ पत्रिका. महावीरपुरा में घर के आंगन में झूला झूल रही बालिका के गले में रस्सी का फंदा लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार महावीरपुरा निवासी नव्या महावर (13) पुत्री लक्ष्मीकांत महावर सोमवार को घर के आंगन में लगे पेड़ पर झूला झूल रही थी। अचानक गले में रस्सी फंसने से फंदा लग गया और वह बेहोश हो गई। हादसे के बालिका अकेली थी। उसकी मां नरेगा में काम करने गई थी और पिताजी मोहल्ले में चाय की दुकान पर गए हुए थे। पिता के घर पहुंचने पर हादसे का पता चला। परिजन तत्काल बालिका को लेकर सामुदायिक चिकित्सालय पहुंचे, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

देवली के हनुमाननगर में 4.89 करोड़ के गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

टोंक @ पत्रिका. देवली के हनुमाननगर थाना पुलिस ने कंटेनर में 978 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा मादक पदार्थ भरकर ले जाते पकड़ा है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 4 करोड़ 89 लाख बताई जा रही है। थानाधिकारी शंकर सिंह ने बताया कि कोटा की तरफ से आ रहे कंटेनर में अवैध मादक पदार्थ की सूचना मिली थी। पुलिस ने बालाजी तिराहा एनएच 52 पर नाकाबंदी कर दी। कंटेनर की तलाशी ली तो 978 किलोग्राम गांजा मिला। मौके से आरोपी दूदू निवासी शाहरूख मोहम्मद एवं नरेना निवासी सचिन गुर्जर को गिरफ्तार किया। अवैध गांजा की कार्रवाई बाद अब पुलिस गांजा बेचने और खरीद करने वालों को दबिश देकर शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

गरीबी और अशिक्षा बाल-विवाह का बड़ा कारण

बदलाव: विवाह का कच्चा बंधन तोड़ शिक्षा की राह पर हमारी बेटियां

पत्रिका एक्सक्लूसिव

दीनबंधु वशिष्ठ
patrika.com

सवाईमाधोपुर. ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कम उम्र में विवाह हो रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 के अनुसार देश में एक चौथाई से अधिक पुरुष और महिलाओं की शादी कम उम्र में ही हो जाती है। विवाह का यह कच्चा बंधन बच्चियों को मां बनने पर जीवन संकट में डाल रहा है। गरीबी और अशिक्षा बाल विवाह के पीछे बड़ा कारण है। ऐसे भी उदाहरण हैं जिसमें बेटियां विवाह के कच्चे बंधन को तोड़कर शिक्षा की राह पकड़ ली है।

बाल विवाह को लेकर इस साल मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने प्रशासन के निचले स्तर की मशीनरी को बाल विवाह रोकने के लिए पाबंद किया। अकेले सवाईमाधोपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में हर साल सैकड़ों बाल विवाह होते हैं। वहां ग्राम राज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान ने पिछले साल 6-7 शादियां रुकवाई।

एनएफएचएस- 5 के अनुसार

- 20 से 24 साल की महिलाएं, जिनकी 18 साल से कम उम्र में शादी हुई : *25.4 प्रतिशत*
- 25 से 29 साल के पुरुष, जिनकी 21 साल से कम उम्र में शादी हुई : *28.2 प्रतिशत*

आर्थिक तंगी के चलते पिता ने तय की दो बेटियों की एक साथ शादी

खंडार क्षेत्र के गांव लेसोडा निवासी सपना और काजल का विवाह पिछले साल जनवरी में हो रहा था। आर्थिक तंगी से चलते पिता ने दोनों बेटियों की एक साथ शादी तय कर दी। सपना बालिग थी और काजल नाबालिग। सूचना पर ग्राम राज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं प्रशासन की टीम ने बाल विवाह रोक दिया और परिवार को मदद का भरोसा दिया। आज दोनों बेटियां उच्च शिक्षा ले रही हैं।

खंडार में सबसे ज्यादा मामले

सवाईमाधोपुर जिले में बाल विवाह के सबसे ज्यादा मामले खंडार क्षेत्र में सामने आ रहे हैं। यहां हर साल 40 से 45 बाल विवाह होते हैं। इन शादियों में कार्ड पर बच्चा-बच्ची की उम्र नहीं लिखी जाती।

तीन वर्षों में 1633 बाल विवाह रोके

सरकार की ओर से हाईकोर्ट में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में 40, वर्ष 2022-23 में 75 तथा वर्ष 2023-24 में 84 बाल विवाह रोके गए। इस साल जुलाई में 54 मामलों में जांच कराई गई, जिनमें से 12 में वर-वधू बालिग पाए गए और 17 में सूचना झूठी मिली। इन 3 वर्षों में 1633 बाल विवाह परिजनों की समझाइश या अन्य प्रयासों के माध्यम से रोके गए।

कलक्टर अंकल ने पढ़ाया...खेल में नाम कमाया

सवाईमाधोपुर जिले के रावंल गांव की निवासी सीमा मीणा हैंडबॉल में राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाकर जिले का नाम रोशन कर रही है। सीमा जब वे कक्षा 6 में थीं तो पिता ने शादी तय कर दी। सीमा शादी से साफ मना कर दिया। परिजन नहीं माने तो चाइल्ड हेल्पलाइन की मदद ली तब शादी रुकी। बाल विवाह रुकने के बाद भी मुश्किलें कम नहीं हुई। आर्थिक तंगी के कारण सीमा के खेल पर ब्रेक लगा तो उसने जिला कलक्टर से गुहार लगाई। 2018 में तत्कालीन जिला कलक्टर के.सी. वर्मा ने सीमा को गोद लेकर पढ़ाई और खेल में मदद की। आज सीमा हैंडबॉल में राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना चुकी हैं।

गांव-गांव जाकर लोगों को कर रहे जागरूक

अधिकतर बाल विवाह अशिक्षा और गरीबी के कारण हो रहे हैं। फिर भी हम गांव-गांव व स्कूलों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। पिछले साल भी 6 से 7 बाल विवाह रुकवाए। जागरूकता के चलते इस बार केस कम आए हैं।
मनीष शर्मा, बालश्रम निरोधक, ग्राम राज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, युवक जिंदा जला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बांसवाड़ा. सरेड़ी बड़ी. बांसवाड़ा-उदयपुर मुख्य मार्ग स्थित सुंदनी गांव में रविवार रात 10:30 बजे शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग में युवक जिंदा जल गया। लोहारिया थानाधिकारी ने बताया कि सुंदनी निवासी वजेंग कलासुआ का बस स्टैंड क्षेत्र के पास ही कच्चा मकान है। इसमें वह उनकी पत्नी और बेटा विनोद कलासुआ सोए थे। रात करीब 10.30 बजे अचानक से घर से आग की लपटें उठने लगीं। बिस्तर एवं कपड़े आग की चपेट में आ गए। वजेंग उठे और पत्नी को लेकर बाहर निकल गए और चिल्लाने लगे। लोग एकत्र हुए और आग बुझाने में जुट गए। इस दौरान 18 वर्षीय बेटा विनोद कलासुआ ऊपर के कमरे में ही सोता रह गया।

आग पर काबू करते इससे पहले ही विनोद पूरी तरह जल गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने विनोद को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि वजेंग के बड़े बेटे कमलेश की भी पिछले साल अहमदाबाद में हुए हादसे में मौत हो गई थी। थानाधिकारी शिशुपाल सिंह ने बताया कि आग में जलकर 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इसको लेकर प्रकरण दर्ज कर लिया है। जांच के बाद ही पता चलेगा कि आखिर यह हादसा कैसे हुआ।

सेना के जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

सैन्य सम्मान से शहीद हरिराम-नीतीश को दी अंतिम विदाई

नागौर. पैतृक गांव राजोद लाया गया शहीद हरिराम का पार्थिव शरीर।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जायल (नागौर). जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा में सड़क दुर्घटना में शहीद हुए नागौर जिले की जायल तहसील के गांव राजोद निवासी हरिराम रेवाड़ का पार्थिव शरीर सोमवार शाम को पैतृक गांव पहुंचा। यहां सैन्य सम्मान से अंत्येष्टि की गई। सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शहीद के 11 वर्षीय पुत्र नवीन ने चिता को मुखाग्नि दी। हरिराम 13 राष्ट्रीय राइफल्स में हवलदार थे। वे 4 जनवरी को जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा में सड़क दुर्घटना में शहीद हो गए थे। दोपहर बाद बीकानेर से पार्थिव शरीर जायल पहुंचा। कस्बे में प्रवेश से पहले तरनाऊ रोड से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने तिरंगा रैली निकालकर शहीद का सम्मान किया। पांच किमी दूर राजोद गांव तक जगह-जगह लोगों ने सड़क के दोनों तरफ खड़े रहकर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की। लोगों ने शहीद हरिराम अमर रहे के जयकारे लगाए, दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। देर शाम राजोद गांव में अंतिम संस्कार किया गया। शहीद हरिराम के परिवार में पत्नी प्रीति, पुत्र नवीन व सात वर्षीय पुत्री वन्दना है। हरिराम आठ भाई बहनों में सबसे छोटे थे। उनका वर्ष 2010 में भारतीय सेना में चयन हुआ था।

हरिराम

शहीद पिता को श्रद्धांजली देता दो साल का बेटा।

इधर बहरोड़ क्षेत्र के गांव रिवाली निवासी शहीद लांस नायक नीतीश कुमार यादव का सोमवार शाम को सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। शहीद के दो साल के बेटे धैर्य ने मुखाग्नि दी तो मौजूद लोग आंखों के आंसू नहीं रोक पाए। इससे पहले शहीद की हाईवे पर दूधेड़ा स्टैंड से घर तक करई किमी लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। शहीद नीतीश की पार्थिव देह घर पहुंची तो मां फूट-फूटकर रोने लगी और बेहोश हो गई। साथ ही पत्नी अंशु पार्थिव देह से लिपटकर बिलख पड़ीं। तिरंगा यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने देशभक्ति और शहीद नीतीश कुमार अमर रहे के नारे लगाए। जवानों ने शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शहीद की शहादत को नमन किया। शहीद की अंत्येष्टि पर वैदिक मंत्रों का पाठ व ईश्वर स्तुति प्रार्थना की।

नीतीश

गांजा की खेती पर कार्रवाई, 1 करोड़ की फसल नष्ट

जोधपुर @ पत्रिका. अवैध मादक पदार्थों की खेती को समाप्त करने के उद्देश्य से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर ने राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर डूंगरपुर जिले में अभियान चलाया। अभियान के तहत अवैध रूप से उगाई गई गांजा की फसल को नष्ट किया गया, जिससे मादक पदार्थों की सप्लाई चैन को रोका जा सके। सूचना के आधार पर एनसीबी की विशेष टीम और डूंगरपुर पुलिस ने ग्राम जंबुरी, तहसील बिछीवाड़ा में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान अवैध गांजा की एक बड़ी फसल की पहचान की गई जो 0.587 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई थी। अवैध फसल को मौके पर ही पूरी तरह नष्ट कर दिया गया, जिसकी कुल मात्रा 202.16 किलोग्राम थी। इस नष्ट किए गए गांजे की अनुमानित बाजार कीमत लगभग एक करोड़ आंकी गई है।

फोटो स्टोरी: ख्वाजा के दर अकीदतमंदों का सैलाब

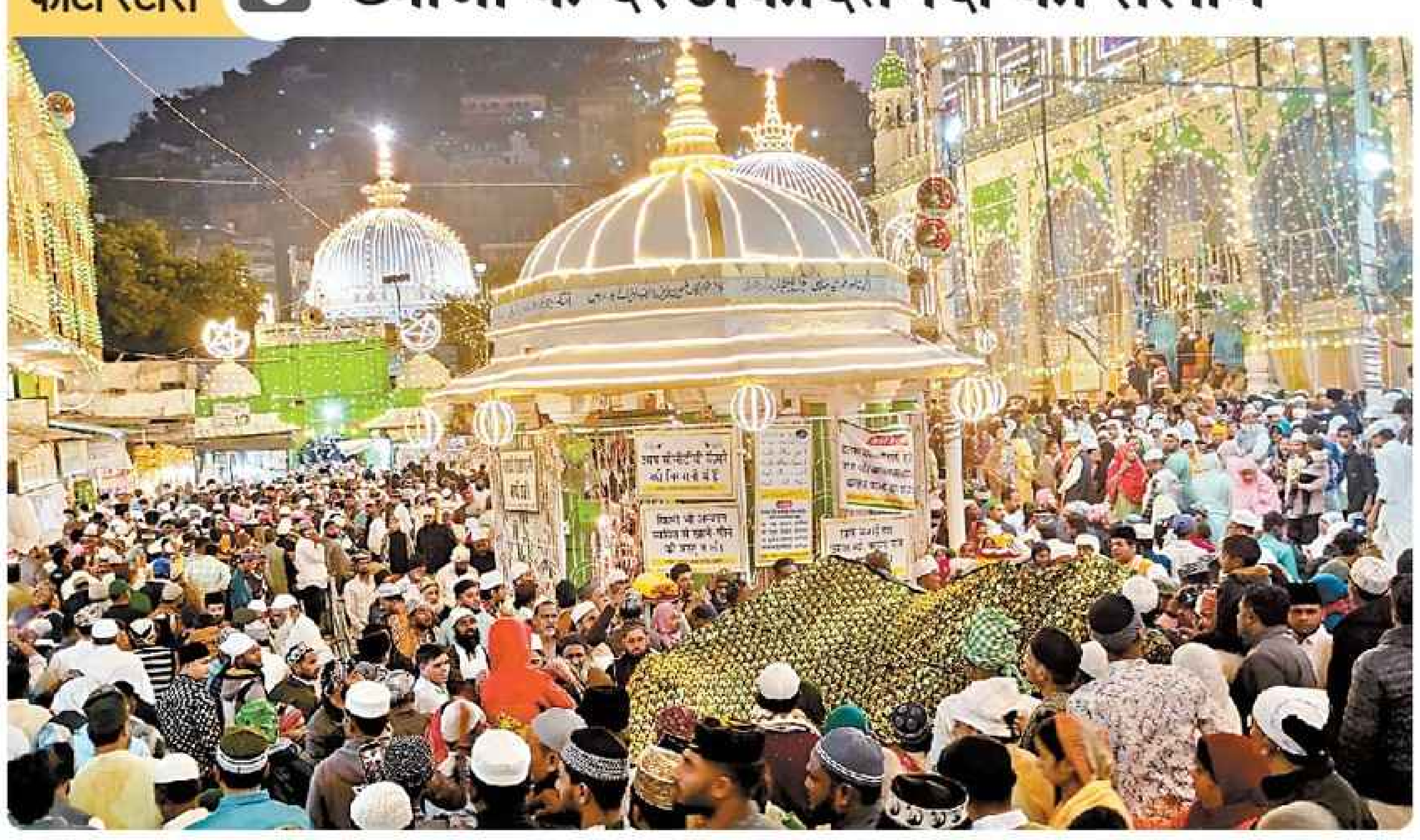

अजमेर. ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के 813वें उर्स के मौके पर अकीदतमंद की भीड़ उमड़ रही है। ख्वाजा साहब की बारगाह में हजारों की संख्या में जायरीन मखमली चादर और फूल पेश करने पहुंच रहे हैं। सोमवार को दरगाह परिसर सहित समूचा क्षेत्र जायरीन से अटा नजर आया। फोटो: वाहिद पठान

कोटा का व्यापारी घाटोल में करता था कारोबार

व्यापारी ने फोन कर दी सूचना फिर नहर में कूदकर दी जान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बांसवाड़ा. कोटा जिले के रहने वाले एक कपड़ा व्यापारी ने नहर में कूद कर जान दे दी। उसका शव तीसरे दिन मिला। व्यापारी ने नहर में कूदने से पहले घर वालों को फोन किया कि वह नहर में कूदने जा रहा है। घटना शनिवार दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। शव सोमवार सुबह करीब 10 बजे मिला था। घाटोल थानाधिकारी प्रवीण सिंह ने बताया कि शनिवार दोपहर में करीब एक बजे घाटोल के एक व्यक्ति ने फोन किया कि उनका किरायदार नहर में कूद गया। नहर में कूदने वाले का नाम पवन कुमार गोयल पुत्र नंद कुमार गोयल है, जो कि कोटा का रहने वाला था। अभी खमेरा में कमरा किराए पर लेकर रहता था। पुलिस ने बताया कि जहां पर पवन कूदा था उससे 40 किलोमीटर दूर भीमपुर में शव सोमवार को मिला। परिजन के आने पर पोस्टमार्टम करवाया गया।

साक्षात्कार | कोटा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए बालमुनि विजयचन्द्र ने कहा- डरें नहीं, हिम्मत नहीं हारें, डटे रहें

मोबाइल से कॅरियर हो रहा प्रभावित, समझदारी से करें उपयोग

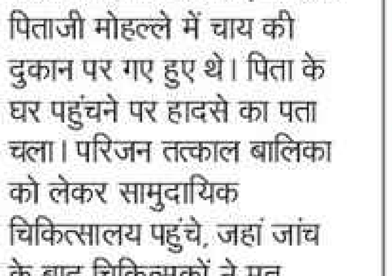

पत्रिका फोन से दूरी बचपन जरूरी

हेमन्त शर्मा
patrika.com

कोटा. जिस आयु में बच्चे छोटी-छोटी बातों पर मचल जाते हैं, माता-पिता को अपनी जिद के आगे झुका देते हैं, उस आयु में बालक कल्प पर आचार्य नयचंद्रसागर सूरी के व्यक्तित्व का ऐसा प्रभाव पड़ा कि मन में अध्यात्म की ज्योत जल उठी। इस ज्योत को आचार्य ने भी महसूस किया। महज 9 साल की आयु में कल्प की आध्यात्मिक यात्रा शुरू हो गई और 3 वर्ष के तप-अध्ययन के बाद 12 वर्ष की आयु में वर्ष 2022 में दीक्षा लेकर सांसारिक जीवन को त्याग दिया और बालक कल्प से बालमुनि विजयचन्द्र बन गए। अब तक पांच हजार किलोमीटर पदयात्रा कर चुके हैं। उन्हें आगम की 750 गाथा कंठस्थ है। वह लोगों को धर्म से जोड़ रहे हैं। छावनी तिलक नगर निवासी उनके सांसारिक माता-पिता विजय बोरडिया व मां शिल्पा बोरडिया हैं। मुनि दीक्षा के 2 साल बाद बाल मुनि कोटा प्रवास पर आए हैं। दानबाड़ी दादाबाड़ी में डॉ. अजीतचंद्र सागर सूरी के माध्यम से पत्रिका ने बालमुनि के विचार जानें।

बालमुनि विजयचन्द्र।

पत्रिका की बालमुनि विजयचन्द्र से खास बातचीत...

Q. दो साल बाद कोटा आए हैं, कैसा लगा, खासतौर से परिवार से मिलकर?
संतों के जीवन में राग-द्वेष का कोई स्थान नहीं है। जहां भी जाते हैं, सभी श्रावक-श्राविकाओं से माता-पिता के समान ही मिलते हैं।

Q. इतनी सी आयु में दीक्षा, भविष्य के बारे में नहीं सोचा?
उम्र बड़ी नहीं होती, समझ बड़ी होती है। छोटी सी आयु में जीवन का अर्थ समझ लिया। ईश्वर की कृपा रही।

Q. आपको परिवारजनों ने रोका नहीं?
रोका नहीं, लेकिन समझाया, दृढ़ निश्चय कर लिया था।

Q. शिक्षा नगरी कोटा में पढ़ने आ रहे बच्चों के लिए कोई संदेश?
कोई भी असफल होता है तो सोचता है कि वह अब कुछ नहीं कर सकता। यही नकारात्मकता उसे पीछे की ओर धकेल देती है। ऐसे विचारों को जगह नहीं दें। यह सोचें, जो मैं कर रहा हूं, उसका परिणाम मुझे मिलना ही चाहिए और परिश्रम करते रहें। पुरुषार्थ करना हमारा धर्म है, परिणाम प्रारब्ध पर आधारित है। कोचिंग स्टूडेंट डरें नहीं...डिगे नहीं...हिम्मत नहीं हारें....डटे रहें।

Q. कोचिंग के अलावा अन्य बच्चों से क्या कहेंगे?
आज के दौर में मोबाइल बुरी चीज नहीं है, लेकिन अनावश्यक उपयोग बच्चों के लिए शारीरिक, मानसिक, संस्कार व सामाजिक दृष्टि से मुसीबत बन रहा है। बच्चे मोबाइल, टीवी जैसी चीजों से दूर रहें। इससे कॅरियर और करेक्टर प्रभावित हो रहे हैं। इनका उपयोग समझदारी से करना होगा। इसकी जगह हेल्दी एक्टिविटिज पर ध्यान दें। अच्छे से समझाओ तो बच्चे समझ जाएंगे, परिजन मार्गदर्शन करें, खुद भी इस बात का ध्यान रखें।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

गुजरात के कच्छ में प्रतापगढ़ की युवती बोरवेल में गिरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रतापगढ़. प्रतापगढ़ जिले की पाल ग्राम पंचायत के तलाई पाल गांव निवासी इंदिरा मीणा (22) गुजरात के कच्छ जिले के कंधेराई गांव में 540 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई। इंदिरा हर साल अपने भाई के साथ मजदूरी के लिए गुजरात जाती थीं और खेती के काम में सहयोग करती थीं।

जानकारी मिलते ही गुजरात प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। प्रतापगढ़ प्रशासन को जैसे ही इस घटना की सूचना मिली, कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने तुरंत युवती के परिजन से संपर्क कर उन्हें कच्छ रवाना किया। साथ ही कलक्टर ने गुजरात प्रशासन से बातचीत कर इंदिरा को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हरसंभव प्रयास करने का अनुरोध किया। गुजरात का स्थानीय प्रशासन और बचाव दल बोरवेल से युवती को सकुशल बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। इस घटना के बाद लोग इंदिरा की सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इंदिरा अविवाहित हैं और अपने परिवार के साथ मिलकर मजदूरी और खेती का कार्य करती हैं। गुजरात प्रशासन का कहना है कि बचाव कार्य को जल्द से जल्द सफल बनाने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं।

भावनाओं को शब्द व रंगों से देती हैं आकार

30 वर्षों से घर से बाहर नहीं निकलीं

पत्रिका फीचर नेटवर्क
patrika.com

अपनी कल्पनाओं से रंगों के अथाह समंदर में गोते लगातीं यास्मीन साहनी की कलम उनकी भावनाओं को आकार देती हैं। मुम्बई निवासी यास्मीन का कूची और कलम से ऐसा रिश्ता बन चुका है कि आंखों की बहुत कम रोशनी होने के बावजूद भी वह जमीन पर बैठ कर पेंटिंग करती हैं। उनकी हर पेंटिंग की गहराई को उनकी लिखी कविताएं शब्द देती हैं। यास्मीन की पेंटिंग और कविताओं में स्त्री और प्रकृति के खिलाफ अन्याय को स्पष्ट बयां करती कहानियां होती हैं, जो हमें भविष्य के प्रति आगाह और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

आंखों की परेशानी के कारण 30 वर्षों से घर से बाहर नहीं निकलने वाली यास्मीन कहती हैं कि मेरी आंखों का विजन केवल 2 प्रतिशत है, लेकिन मैंने इन रुकावटों से अपनी हिम्मत नहीं हारी और आगे बढ़ती रही। अपने आत्म विश्वास से अंधकार के सन्नाटों को जीतने वाली यास्मीन ने कई किताबें भी लिखी हैं। वह ड्रेस डिजाइनिंग का शौक भी रखती हैं। यास्मीन को जापानी इकेबाना कला में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

बेटे और पति के दुख को भुलाने के लिए

*24 **वर्षीय** बेटे को खोने के गम को भुलाने के लिए अपने मन की भावनाओं को रंगों में ढालने वाली यास्मीन ने 60 वर्ष की उम्र में पेंटिंग करना शुरू किया। वह बताती हैं कि 1988 में मैक्यूला डीजेनेरेशन से ग्रसित होने के कारण मेरी आंखों की रोशनी बहुत कम हो गई थी। इसके बाद बेटे के गम ने मुझे तोड़ दिया। लेकिन मैंने अंधेरे से लड़ते हुए अपने गम को छुपाने के लिए पेंटिंग का सहारा लिया।' वह कहती हैं, 'इसके बाद पति की मृत्यु के बाद मैंने हताश होने के बजाए अपने अकेलेपन को अपनी कविताओं से पूरा करना शुरू किया। मैं अपने लेखन कार्य में पूरी तरह रम गई।'*

'वर्क @ होम' आइडिया

ऑर्डर के अनुसार करें कमाई

आजकल हर उस चीज की वैल्यू है, जो अट्रेक्टिव दिखती है। शादी हो या अन्य कोई शुभ अवसर। गिफ्ट देने का एक रिवाज सा है। वहीं, गिफ्ट पैकिंग का भी खास महत्त्व होता है। साड़ी, ज्वैलरी या गिफ्ट पैकिंग का काम महिलाएं घर पर बहुत ही आसानी से कर सकती हैं। इसके लिए किसी तरह का अलग से कोर्स करने की आवश्यकता नहीं होती है, बस आपको कुछ क्रिएटिविटी दिखाने की जरूरत है। भीलवाड़ा की विद्या जैन का कहना है कि उन्होंने यह काम आठ साल पहले शुरू किया था। आज वह घर बैठे इस काम से अच्छी कमाई कर रही हैं। यहां विद्या घर बैठे साड़ी, गिफ्ट, ड्राईफ्रूट्स और ज्वैलरी पैकिंग से जुड़े काम को लेकर दे रही है जानकारी...

विद्या जैन
patrika.com

ऐसे शुरू करें

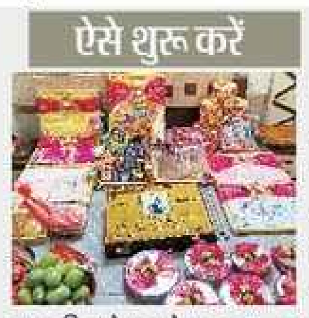

__पैकिंग और__ रैपिंग का काम आप घर से शुरू कर सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ सामान के साथ शुरुआत करनी होगी। इसके लिए आप पैकिंग के अनुसार सामान खरीद कर लाएं और फिर उन्हें अपने मार्जिन के अनुसार बना सकती हैं। इस बिजनेस को 5-7 हजार रुपए में शुरू किया जा सकता है। ऑर्डर के अनुसार आप अच्छी कमाई कर सकती हैं।

- **इस बिजनेस** के लिए आपको कलात्मक होने के साथ व्यावहारिक भी होना जरूरी है।
- **काम की शुरुआत** आप लोकल मार्केट से कर सकती हैं। इसके लिए आप अपने आस-पास के लोगों और लोकल दुकानदारों से सम्पर्क करें।
- **आप गिफ्ट** कॉर्नर पैकिंग करवाने वाली कम्पनियों से बातचीत कर अपने काम को आगे बढ़ा सकती हैं।
- **पैकिंग** करवाने वाली कम्पनियों में अप्लाई कर सकती हैं, लेकिन किसी तरह के फ्रॉड से बचने के लिए पहले पूरी तरह से जांच पड़ताल अवश्य कर लें।

*होम मेकर महिलाओं के लिए हमने एक कॉलम शुरू किया है, जिसका शीर्षक है, **'वर्क @ होम'**। इसके अंतर्गत घर बैठे काम कर पैसा कमाने का एक आइडिया हर मंगलवार को यहां शेयर किया जा रहा है। अगर आपके पास भी है कोई अच्छा आइडिया तो हमें वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें।*

ट्रेंडिंग टॉपिक

फूड डिलिवरी गर्ल ने बताया काम का टफ पार्ट

सोशल मीडिया पर आए दिन वायरल होने वाले कई वीडियो के बीच एक फूड डिलिवरी गर्ल का वीडियो इन दिनों लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। वीडियो में फूड डिलिवरी गर्ल अमृता ने अपने काम के टफ पार्ट के बारे में बताया। उसने बताया कि किस तरह से बड़े-बड़े मॉल्स में ऑर्डर रिसीव करने में डिलिवरी एजेंट्स को परेशानी होती है। काम का अतिरिक्त समय खर्च होने के साथ-साथ उन्हें इसके एक्सट्रा पैसे भी नहीं मिलते। इस वीडियो को लाखों लोगों ने देखा और अपनी प्रतिक्रियाएं दी। डिलिवरी एजेंट ने वर्क प्रेशर कम करने के लिए सुझाव देते हुए कहा कि मॉल अधिकारियों को निचली मंजिलों पर फूड ऑर्डर पिकअप की व्यवस्था करनी चाहिए। डिलिवरी राइडर्स को एक्सट्रा मुआवजा देने की मांग भी की।

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सोल्युशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़
हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

एक ही जगह 1500 से ज्यादा पौधे लगाए, पक्षियों का कलरव करता है आकर्षित

शिमला ग्राम पंचायत भवन को सघन बगीचे में बदला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खेतड़ी. ग्राम पंचायत भवन शिमला परिसर में कोई व्यक्ति प्रवेश करता है तो उसे महसूस होता है कि वह किसी सघन बगीचे में आ गया है। परिसर में 1500 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के फलदार, फूलदार व छायादार पौधे लगे हुए हैं। इनमें अधिकांश पौधों की ऊंचाई तो 20 से 25 फीट हो गई है।

ग्राम विकास अधिकारी राधेश्याम सैनी ने बताया कि वर्ष 2012 से लगातार परिसर में उन्होंने पौधारोपण किया और इसके साथ ही इन सभी पौधों की परवरिश के लिए प्रतिदिन ऑफिस समय से पहले आकर इन पौधों की में पानी डालना व निराई गुड़ाई उन्होंने अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया है। इसमें उनका सहयोग ग्राम रोजगार सहायक शीशराम निंनानिया भी करते हैं। आईटी केंद्र परिसर में लगभग 1500 से अधिक पौधे हैं। इनमें नीम, शीशम, पापड़ी, अमलतास, बरगद, पीपल, आम, अमरूद, अनार, केला, नींबू, संतरा, गुलाब, गुड़हल, कनेर सहित दर्जनों प्रजातियों के फलदार, फूलदार व छायादार पौधे लगे हुए हैं। शाम के समय पौधों में दर्जनों प्रकार के पक्षी आते हैं।

ग्राम पंचायत शिमला के आईटी केंद्र परिसर में लगे पौधे।

रास्ते को लेकर विवाद में युवती से मारपीट

उदयपुरवाटी @ पत्रिका. कस्बे के वार्ड 11 में युवती से मारपीट करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, बनवारी लाल सैनी निवासी निराणवाला का लंबे समय से रास्ता विवाद चल रहा है। ताजा विवाद में हुई मारपीट में मनीषा (25) पुत्री बनवारी लाल घायल हो गई। सूचना के एक घंटे बाद भी पुलिस के नहीं पहुंचने पर घायल मनीषा सरकारी अस्पताल से पैदल ही पुलिस थाना पहुंची। मनीषा व बनवारी लाल ने बताया कि पड़ोसी रामधन व उनके चार-पांच अन्य साथी लंबे समय से रास्ते को लेकर विवाद कर रहे हैं।

धड़ल्ले से दौड़ रहे बजरी के अवैध खनन से जुड़े वाहनों पर कार्रवाई की मांग

अवैध बजरी से भरे डंपर ने दंपती और दो बच्चों को कुचला, चारों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जालोर/ सायला. सायला थानाक्षेत्र के उनडी-पोषाणा के बीच मामाजी मंदिर के पास स्टेट हाइवे पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक, पत्नी और दो बच्चों की मौत हो गई। डंपर में अवैध रूप से बजरी का परिवहन किया जा रहा था। डंपर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस जानकारी के अनुसार, बावतरा निवासी उत्तमपुरी (32) पुत्र मांगपुरी गोस्वामी अपनी पत्नी टेपादेवी (30), बेटे हेमराज (5) व बेटी चिन्टू (8) के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर कोरा जा रहा था। उनडी-पोषाणा के बीच मामाजी मंदिर के पास स्टेट हाइवे पर डंपर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दंपती और उसके दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में शव भी क्षत-विक्षत हो गए। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। सायला पुलिस ने शवों को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सायला की मोर्चरी में रखवाया गया और अवैध बजरी से भरे डंपर को जब्त किया।

एक बच्चा ननिहाल में रह रहा

हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। दंपती का 10 वर्षीय बालक ही बचा है, जो ननिहाल में रह रहा है। मृतक के परिवार में बुजुर्ग माता-पिता है। तीन भाइयों में से दो भाइयों की मौत हो चुकी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बिना किसी को सूचना किए डंपर और बाइक को जब्त करने पर विरोध जताया। साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

अवैध खनन का बड़ा नेटवर्क : जवाई नदी के प्रवाह क्षेत्र और दूसरी तरफ दासपां क्षेत्र में नदी प्रवाह क्षेत्र में बजरी का अवैध खनन का बड़ा कारोबार है। पुलिस की शह से दिन रात बजरी के अवैध डंपर सड़कों पर दौड़ते हैं। अवैध खनन में लिप्त इन वाहनों की रफ्तार भी बहुत अधिक रहती है और कई मौकों पर इन वाहनों ने लोगों को शिकार बनाया है। इससे पूर्व भीनमाल में भी एक सड़क हादसा इसी तरह से घटित हो चुका है। अवैध खनन का यह नेटवर्क बाड़मेर जिले तक फैला है।

विरोध में लोगों ने रास्ता जाम किया

सड़क दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने रास्ता अवरुद्ध किया। लोगों ने सड़क पर झाड़ियां और लट्ठ रखकर घटनाक्रम पर विरोध जताया। विरोध के बाद रास्ते पर वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा भी मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश का प्रयास किया। लोगों ने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर मौजूद समाज के लोगों ने पुलिस की प्रारंभिक कार्रवाई पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने इस मामले में क्षेत्र में अवैध खनन के बाद दौड़ रहे वाहनों पर और अवैध खनन के मामले में कार्रवाई की मांग की।

सीएचसी नाचना की मोर्चरी में शव को सुरक्षित रखने को नहीं है डीप फ्रीजर

नाचना @ पत्रिका. कस्बे में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाचना की मोर्चरी में डीप फ्रीजर की सुविधा नहीं है। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि सांखला का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाचना की मोर्चरी में डीप फ्रीजर के लिए विधायक पोकरण और पंचायत समिति नाचना विकास अधिकारी को अवगत करवा दिया गया व ग्राम पंचायतों के सरपंच व भामाशाह से भी चर्चा की गई है। सीएमएचओ डॉ. राजेन्द्र पालीवाल के अनुसार जल्द ही सभी मोर्चरी में राजस्थान सरकार की ओर से डीप फ्रीजर की व्यवस्था करवा दी जाएगी।

आज का राशिफल मंगलवार, 07 जनवरी 2025

राशि	
मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* स्वास्थ्य में कमी आएगी, आर्थिक मामलों में लापरवाही करने से बचें पारिवारिक विवादों के कारण तनाव बढ़ेगा।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के योग बनेंगे। नौकरी में तबादला संभव है।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* समय पर कार्य पूरे होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। यात्रा के योग बन रहे हैं, घरेलू फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।
कर्क	*हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* कारोबार विस्तार के लिए आर्थिक सहायता मिलेगी कर्मचारियों का सहयोग मिलने से समय पर कार्य होंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* पारिवारिक संपत्ति के विवादों में आपसी समझ से विवाद सुलझेंगे कार्यस्थल पर चल रहे मनमुटाव समाप्त होंगे।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* व्यावसायिक यात्रा के योग बन रहे हैं, उधार दिया पैसा वापस मिलने से रुके कार्य पूरे होंगे। संतान का भाग्य उदय होगा।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* चीजों को समझें, जीवनसाथी से व्यवहार ठीक करें। वाहन मशीनरी व अग्नि का प्रयोग सावधानी से करें।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, घर की साज सज्जा पर खर्च होगा। धार्मिक आस्था बढ़ेगी, शत्रु सक्रिय रहेंगे।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* कार्यस्थल पर कार्यभार होने से तनाव बढ़ेगा, अधिकारियों से कहा-सुनी हो सकती है। माता की स्वास्थ्य चिंता बनी रहेगी।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* व्यापार में अपने अनुभव का लाभ लेंगे। संतान को शारीरिक कष्ट हो सकता है, विरोधी छवि धूमिल करने का प्रयास करेंगे।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* अपने व्यवहार से लोगों का दिल जीत लेंगे, स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। पारिवारिक विवाद को बढ़ावा ना दें। खर्च बढ़ेगा।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* नौकरी में परिवर्तन के योग बने है, तीर्थ दर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा आत्मविश्वास बढ़ेगा।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र
ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	शिशिर
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	रज्जब-06	मास:	पौष
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन
मंगलवार, 07 जनवरी, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया : आज प्रात: 09-57 से दोपहर बाद 01-51 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत तथा अपराह्न 03-09 से सायं 04-21 तक शुभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-12 से दोपहर 12-54 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: अष्टमी जया संज्ञक तिथि सायं 04-27 तक, तदन्तर नवमी रिक्ता संज्ञक तिथि होगी। अष्टमी तिथि में रत्न, अलंकार नाचना, गाना, विवाह, युद्ध व वास्तु सम्बन्धी कार्य और नवमी में विग्रह, कलह, जुआ, विष व अग्नि सम्बन्धी कार्य सिद्ध होते हैं। अभी मलमास में शुभ व मांगलिक कार्य वर्जित हैं।

नक्षत्र: रेवती ''मृदु व तिर्झ्यंमुख'' संज्ञक नक्षत्र सायं 05-50 तक तदन्तर अश्विनी ''क्षिप्र व तिर्झ्यंमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। रेवती व अश्विनी दोनों ही गण्डान्त मूल संज्ञक नक्षत्र हैं। रेवती नक्षत्र में घर, देव मन्दिर, अलंकार, विवाह, जनेऊ आदि विषयक कार्य शुभ होते हैं, पर अभी मलमास में मांगलिक कार्य शुभ नहीं होते।

योग: शिव नामक नैसर्गिक शुभ योग रात्रि 11-15 तक, तदन्तर सिद्ध नामक नैसर्गिक शुभ योग रहेगा।

विशिष्ट योग: सर्वार्थसिद्धि नामक शुभ योग व अमृत सिद्धि नामक शुभ योग सायं 05-50 से सूर्योदय तक तथा रवियोग भी सायं 05-50 से अगले दिन सूर्योदय तक है।

करण: बव नामकरण सायं 04-27 तक, तदन्तर बालव व कौलव आदि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव : आज दुर्गाष्टमी, शाकम्भरी देवी नवरात्र प्रारम्भ, भौमाष्टमी, पंचक सायं 05-50 तक तथा गण्डमूल दिवारात्रि है।

चंद्रमा : चंद्रमा मीन राशि में सायं 05-50 तक, तदन्तर मेष राशि में होगा।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज किसी शुभ व मांगलिक कार्यादि के शुभ व शुद्ध मुहूर्त नहीं हैं।

दिशाशूल: मंगलवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज पूर्व व दक्षिण दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यमान से): अपराह्न 3-00 बजे से सायं 4-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासंभव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (चा, ची, चू, चे, चो) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। सायं 05-50 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि मीन व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि मेष है। मीन राशि के स्वामी देव गुरु बृहस्पति व मेष राशि के स्वामी मंगल हैं। इनका जन्म स्वर्णपाद से है। सामान्यत: ये जातक सर्वप्रिय, बुद्धिमान, सुन्दर, चतुर, मेधावी, कुशाग्र बुद्धि, लेखक, प्रकाशक या परामर्शदाता होते हैं। इनका भाग्योदय 24-25 वर्ष की आयु से होना शुरू हो जाता है। मीन राशि वाले जातकों को मानसिक विचलन से गुजरना पड़ेगा। पूर्व में लिए गए निर्णय को बदलना पड़ेगा। परिवार में कुछ अशान्ति का वातावरण हो सकता है।

पत्रिका व वैश्य-अग्रवाल समाज के संगठनों की पहल

अग्रवाल-वैश्य समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन 12 को

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के क्रम में पत्रिका समूह की ओर से समाज आधारित वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका की इस पहल से विवाह योग्य युवाओं का बायोडाटा देश के लाखों परिवारों तक पहुंचने के साथ ही पाठकों को भी नवीन डाटा बेस उपलब्ध हो रहा है।

इसी कड़ी में अग्रवाल, खंडेलवाल, गुप्ता तथा माहेश्वरी इत्यादि वैश्य समाज के सभी घटकों व उनके संगठनों के आग्रह पर 12 जनवरी को राजस्थान के सभी संस्करणों सहित भोपाल, इंदौर व रायपुर के संस्करण में अग्रवाल-वैश्य समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जाएगा।

इस अंक में नाममात्र की दरों पर बुकिंग के लिए देश के किसी भी हिस्से में रह रहे अग्रवाल-वैश्य समाज के परिवार विवाह योग्य युवाओं का विवरण (पूरा नाम, शहर का नाम और कॉन्टेक्ट नंबर) वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज सकते हैं। पत्रिका टीम अति शीघ्र आपसे संपर्क करेगी। रियायती दरों पर विज्ञापन की बुकिंग 10 जनवरी की शाम पांच बजे तक ही की जाएगी। इस कार्य में अग्रसेन महासभा व अग्रवाल्स जयपुर डॉट कॉम तथा अग्रवाल विकास परिषद समिति कुन्हाड़ी, कोटा के साथ ही देश के विभिन्न शहरों से अग्रवाल-वैश्य समाज के कई संगठन भी जुड़ चुके हैं।

आप देश के किसी भी हिस्से में अग्रवाल-वैश्य समाज के संगठन से जुड़े हैं एवं इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए गए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में 15 जनवरी, 12 फरवरी, 5 मार्च, 23 जुलाई, 6 अगस्त और 20 अगस्त तथा गत वर्ष 14 और 28 जनवरी एवं 5 और 19 मई , 25 अगस्त 8 एवं 22 सितम्बर को उपरोक्त सभी संस्करणों में अग्रवाल- वैश्य समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा चुका है।

गंगाशहर के सुजानदेसर का मामला

दीवार बना रहे मजदूरों और परिवार पर हमला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर . गंगाशहर थाना इलाके के सुजानदेसर में दीवार बना रहे मजदूरों व परिवार पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने डराने व जान से मारने की नीयत से फायर भी किया। घर पर पत्थर फेंके, जिससे एक व्यक्ति घायल हुआ है।

इस संबंध में सुजानदेसर निवासी शिवप्रकाश पुत्र आसुराम कच्छावा की ओर से घेवरचंद सांखला, अर्जुन, विशाल जैनाराम, साजन, मुकेश सांखला, राकेश, रमेश, मनीष, तेजू व महेश के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

परिवादी ने बताया कि सुजानदेसर में उसकी खातेदारी जमीन है, जिस पर नमक फैक्ट्री है। रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपनी पत्नी भगवती और कारीगर-मजदूरों के साथ चारदीवारी कराने पहुंचा। तभी आरोपी हाथों में लकड़ी, पिस्तौल, पत्थर लेकर आए और गाली-गलौज करने लगे। आरोपियों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे कारीगर व मजदूर डर कर भागने लगे। आरोपियों को रोका, तो उन्होंने उसके व उसकी पत्नी के साथ मारपीट की। पत्नी के साथ अभद्रता की। मुकेश ने कनपटी पर पिस्तौल लगा दी। मारपीट में परिवादी व उसकी पत्नी को चोटें आई हैं।

घटना सीसीटीवी में कैद

पीड़ित शिवप्रकाश

मारपीट, पत्थरबाजी का पूरा घटनाक्रम यहां पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। सीसीटीवी में एक युवक पिस्तौल लहराता हुआ नजर आ रहा है। आरोपियों ने करीब आधे घंटे तक उत्पात मचाया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के आने के बाद आरोपी वहां से भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केन्द्र ने जून में रींगस-खाटूश्यामजी तक रेल चलाने की घोषणा की थी

खाटूश्यामजी के लिए कब शुरू होगी ट्रेन, बढ़ा इंतजार

खाटूश्यामजी. धार्मिक नगरी खाटूधाम में देश विदेश से आने वाले श्याम प्रेमियों के लिए रींगस-खाटूश्यामजी के लिए रेल चलाने का केन्द्र सरकार की ओर से दिखाया सपना सियासत और जमीन आवप्ति में हुए भारी विरोध के चलते अभी दूर नजर आ रहा है। यहां केन्द्र सरकार की ओर से पिछले साल मार्च माह में 254.06 करोड़ रूपए का बजट पास कर रींगस से खाटूश्यामजी के बीच 17.9 किमी की नई रेल लाइन बिछाने की मंजूरी दी थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी मई-जून 2026 तक इस प्रोजेक्ट को पूरा कर मार्ग पर रेल चलाने का दावा किया था। लेकिन, भूमि अवाप्ति का विवाद ऐसा गहराया कि खाटूश्यामजी तक की रेल के सपने पर बीच में ही ब्रेक लग गया।

नोटिस के बाद गहराया विवाद : रींगस- खाटूश्यामजी रेलवे लाइन के लिए बजट जारी होने के बाद से एकबारगी तो काम ने गति पकड़ी। सर्वे के साथ उत्तर पश्चिमी रेलवे विभाग की 8 अगस्त 2023 की अधिसूचना के बाद प्रशासन ने भूमि आवप्ति को लेकर रास्ते में आने वाली नगरपालिका व ग्राम पंचायतों की बैठक कर भूमी मालिकों को सार्वजनिक नोटिस जारी कराए थे। प्रस्तावित मार्ग पर रेलवे विभाग ने लाल झंडी लगा दी थी। साथ ही काश्तगारों ने रेल विभाग पर राजनीतिक व भूमाफियाओं के दबाव में रेलवे लाइन की जगह बदलने का आरोप लगाते हुए भारी विरोध शुरू कर दिया। जिसके बाद से मामला ठंडे बस्ते में पड़ा है। खाटूश्यामजी तक रेल से सीधे व सुविधाजनक सफर का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं में मायूसी गहरा रही है।

चारण मैदान के पास बनना था हाइटेक स्टेशन

गौरतलब है की रेलवे ने खाटूश्यामजी में लामिया रोड पर चारण मैदान के पास रेलवे स्टेशन बनाना तय किया था। रेलवे अधिकारियों ने यहां श्याम मंदिर की तर्ज पर हाइटेक व मॉडल स्टेशन बनाने का दावा भी किया था। लेकिन, अब तक रेल का मार्ग ही तय नहीं होने पर जून 2026 तक रींगस- खाटूश्यामजी मार्ग पर रेल चलाने का रेल मंत्री का वादा भी बेपटरी होता नजर आ रहा है।

दुनिया के कोने-कोने से आए लोगों को समरसता का मिलेगा संदेश : आध्यात्मिकता के साथ ही वैज्ञानिक आयोजन भी

राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है महाकुंभ : महेशानंद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. श्री पंचायती तपोनिधि निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर महेशानंद गिरी ने कहा कि महाकुंभ मेला आध्यात्मिकता का वैश्विक केंद्र के साथ भारतीय संस्कृति की गहराई और समृद्धि को ही नहीं दर्शाता बल्कि यह सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का भी प्रतीक है।

झूंसी स्थित शिविर में महामंडलेश्वर ने कहा कि यह आध्यात्मिकता के वैश्विक केंद्र के साथ आत्मबोध की यात्रा है, भारतीय संस्कृति की महानता और आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा मंच हैं। इसमें आध्यात्मिकता और सामयिकता के साथ ही वैज्ञानिकता हैं। यह हमारी आध्यात्मिक परंपरा का वैज्ञानिक सूत्र तो है ही दुनिया में टकराव और अशांति दूर करने का भी संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में दुनिया के कोने-कोने से लोगों का पदार्पण होता है। यह हिंदू समाज की आस्था के प्रकटीकरण का पर्व है। यह न केवल भारतीय संस्कृति की गहराई और समृद्धि को दर्शाता है बल्कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस पर्व पर हिंदू समाज सब कुछ भूलाकर सभी संप्रदाय के लोग एक साथ त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाते हैं और पूरी दुनिया को समरसता का संदेश देते हैं।

भारतीय अस्मिता के संघर्ष को राह दिखाएगा महाकुंभ

निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर ने कहा कि देश की सामूहिकता, सामुदायिकता, धार्मिक और आध्यात्मिक ढांचा, आस्था, परंपराएं, मूल्य और संस्कार अपनी भारतीय अस्मिता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यही नहीं, पुरानी और नई पीढ़ी के बीच बढ़ती दूरी भी चिंता का कारण बनी हुई है। ऐसे समय में महाकुंभ निश्चित तौर पर रास्ता दिखाएगा।

संगम का अर्थ देश दुनिया का समागम : महामंडलेश्वर महेशानंद गिरी ने कहा कि महाकुंभ आत्मा और ब्रह्मांड का दर्पण है जिसमें पूरी दुनिया प्रतिबिंबित है। संपूर्ण भारत के रीति-रिवाज, खान-पान, रहन-सहन और वेशभूषा महाकुंभ में घुलकर भारतीय संस्कृति का दर्शन पेश करती है। संगम का अर्थ केवल नदियों का समागम नहीं यह विविध संस्कृतियों, संस्कारों, विभिन्न आश्रमों का समागम, धर्म, अर्थ और मोक्ष का समागम है, देश और दुनिया का समागम है।

महामंडलेश्वर ने कहा भारतीय संस्कृति की संपूर्णता उसकी संप्रभुता और सार्वभैमिकता के लिए महाकुंभ आज भी अमृत रूपी वरदान सदृश है। यह प्राचीन काल से मध्य आधुनिक सहित आगत काल में भी सनातन और आर्य संस्कृति के एक सूत्रता का अमृत रूपी प्रवाह है जो सदियों तक बहता रहा है और शताब्दियों तक प्रवाहमान रहेगा।

संस्कृति, परंपरा और भाषाओं का जीवंत मिश्रण

उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध और विविध है। भारतीय संस्कृति रीति-रिवाजों, परंपराओं, धर्मों और भाषाओं का एक जीवंत मिश्रण है। यही विविधता भारतीय संस्कृति को इतना अनोखा और खास बनाती है। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला एक आध्यात्मिक से बढ़कर संस्कृतियों, परंपराओं और भाषाओं का एक जीवंत मिश्रण है, जो एक ''लघु भारत'' को प्रदर्शित करता है, जहां लाखों-करोड़ों लोग बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के एक साथ आते हैं।

न्यूज विंडो

बस-ट्रैक्टर ट्राली में टक्कर, दस घायल: शाहजहांपुर @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर के खुटार क्षेत्र में घने कोहरे के बीच नेपाल से चंडीगढ़ जा रही एक प्राइवेट बस ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। इस हादसे में 10 लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक राजेश एस ने बताया कि प्राइवेट बस नेपाल से सवारियां भरकर चंडीगढ़ के लिए कर रही थी। खुटार क्षेत्र के तिकुनिया चौराहे पर घने कोहरे के कारण सामने से आ रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 10 लोग घायल हो गए। जिसमे तीन लोगों की हालत गंभीर है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को खुटार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया।

काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन 26 फरवरी तक बंद: प्रयागराज@ पत्रिका. महाकुंभ मेले को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन पर 26 फरवरी तक रोक लगा दी गई है। यह निर्णय महाकुंभ से आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखकर लिया गया है। अब महाकुंभ के दौरान बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन ही मिल सकेंगे। मंदिर में महाशिवरात्रि और सावन का प्रोटोकॉल लागू रहेगा। काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दिसंबर के अंतिम स्पताह से ही स्पर्श दर्शन पर रोक लगाई गई थी, जिसे अब आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

द्वारिकाधीश मंदिर में अब नहीं चढ़ा पाएंगे प्रसाद!: मथुरा @ पत्रिका. मथुरा के मशहूर द्वारिकाधीश मंदिर में नया नियम लागू कर दिया है। नए नियम के मुताबिक, अब श्रद्धालु किसी भी तरह का प्रसाद और फूल-माला मंदिर में लेकर नहीं जा सकेंगे। मंदिर प्रबंधन ने बाहरी वस्तुओं पर रोक लगा दी है।
पुष्टि संप्रदाय के मंदिर में ठाकुरजी का किसी भी बाहरी वस्तु का भोग न लगाने तथा बाजार से लाए गए फूल-माला न चढ़ाने की परंपरा है। पुष्टिमार्ग संप्रदाय में ठाकुर जी को जो भोग लगाया जाता है उसे बगैर सिले हुए वस्त्र पहन के अपरस में तैयार कराया जाता है। मंदिर के अंदर यह प्रसाद तैयार होता हैं और उसे ठाकुर जी को धराया जाता है।

खेत गए दलित दंपती लापता : जौनपुर @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में खुटहन क्षेत्र के विशुनपुर ग्राम पंचायत स्थित मलूकपुर गांव में रविवार की भोर खेत की सिंचाई करने गए दलित दंपती खेत से ही संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। देर शाम तक उनको घर न लौटने पर परिवार के लोग परेशान हो गए। आस पास तलाश के बाद देर रात दर्जनों ग्रामीण थाने पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार परिजनों ने हत्या का अंदेशा जाहिर करते हुए अज्ञात के नाम तहरीर दिया हैं। रात में ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जांच पड़ताल शुरू कर दिया। मामले में पुलिस गांव में दंपति से पुरानी रंजिश से लेकर विभिन्न दृष्टिकोणों से घटना की छानबीन कर रही है।

देश-धर्म पर संकट के समय सिख गुरुओं ने दिया था बलिदान

सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास प्रदान कर रहा प्रेरणा : योगी

गुरु गोबिंद सिंह प्रकाश उत्सव मनाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ . मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास प्रेरणादायी रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी। गुरु गोबिंद सिंह महाराज उस समय गुरु तेग बहादुर महाराज को प्रेरित कर रहे थे कि देश व धर्म पर संकट है, यदि किसी महान आत्मा का बलिदान होगा तो जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करते हुए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे और देश इसके खिलाफ खड़ा होगा। महान बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कौन हो सकता है।

डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व में शामिल होते हुए योगी ने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और टॉफी-चॉकलेट वितरित किया। उन्होंने कहा कि 26-27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

गुरु ने शीश देकर भारत का शीश बचाया: उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा दिया। कश्मीर को बचाया, जो आज भी भारत का हिस्सा है। वजीर खान गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों (जोरावर सिंह-फतेह सिंह) से कहता है कि इस्लाम स्वीकार कर लो, लेकिन इन लोगों ने कहा कि यह नहीं हो सकता। इस पर उन्हें जीवित ही दीवारों में चुनवा दिया गया। चमकौर युद्ध में बड़े साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह व जुझार सिंह) ने शहादत को प्राप्त किया। इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ।

लखनऊ में आयोजित समारोह में सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

सिख गुरुओं के बलिदान को उपयोगी बनाएं

योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर महाराज के 350वें शहीदी वर्ष होने के कारण यह वर्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है। जैसे गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को बड़े उत्साह से आयोजित किया गया था, इन आयोजनों को भी इसी तरह बड़े पैमाने पर करने की आवश्यकता है। यदि इन्हें उसी रूप में बढ़ाएंगे तो भावी पीढ़ी पर उपकार होगा और लोगों को इतिहास के बारे में जानकारी मिलेगी। खालसा पंथ, सिख गुरुओं के त्याग- बलिदान के बारे में प्रेरणा प्राप्त होगी। उन्होंने आह्वान किया कि सिख गुरुओं का बलिदान, उनकी प्रेरणा देश व समाज के लिए उपयोगी बनाने में हम सब अपना योगदान दे पाएंगे।

सवा लाख से एक लड़ाऊं...

योगी ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह ने एक ही बात कही कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं...' गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जातिभेद, छूआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने और देश-धर्म को बचाने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने 'सकल जगत में, खालसा पंथ गाजे' का उद्घोष कर देश व धर्म के मार्ग में बाधक उस समय की विधर्मी ताकतों को रास्ते से हटने के लिए कहा।

पति की हत्या में प्रेमी और पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

पुत्रवधू मधू पर हत्या करवाने और शव छिपाने का आरोप

इटावा @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में इटावा जिले की बढ़पुरा पुलिस ने पति की हत्या के मामले में पत्नी और उसके प्रेमी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चार जनवरी को बढ़पुरा इलाके में सुनवारा बाईपास रोड पर आगरा के बाह में एक डॉक्टर के यहां काम करने वाले 35 साल के मनोज राजपूत का शव बरामद हुआ। 5 जनवरी को इस बाबत मनोज के पिता ने थाने पर मामला दर्ज कराते हुए कहा था कि उसके बेटे मनोज को राहुल और रोहित ने अपने साथ ले जाकर उसकी हत्या कर दी है।

ममेरे भाई से पत्नी का था प्रेम प्रसंग

पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो आरोपी रोहित ने बताया कि वह रिश्ते में मनोज का ममेरा भाई लगता है। इस कारण उसका घर आना-जाना लगा रहता था। इसी के चलते उसका मनोज की पत्नी से पिछले एक वर्ष से प्रेम प्रसंग हो गया था। मनोज पत्नी को मारता-पीटता एवं परेशान करता था। इसी कारण से उसकी पत्नी ने मनोज की हत्या करने के लिए उसे साढ़े तीन लाख रुपए देने की बात कही।

छात्रा पर हमला करने वाला सनकी गिरफ्तार

मफलर से गला घोंटने का प्रयास किया तो राहगीरों ने बचाया

अमरोहा @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में अमरोहा जिले के गजरौला में छात्रा पर सरेराह जानलेवा हमले के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि गजरौला में बीते शनिवार को कालेज से घर लौट रही स्कूटी सवार एक छात्रा पर जानलेवा हमला करने के मामले में नामजद सलेमपुर गोसाई निवासी राहुल नामक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि नजदीक के गांव निवासी एक छात्रा चार जनवरी शाम को स्कूटी पर सवार होकर कालेज से घर वापस लौट रही थी।

मरी हुई समझकर छोड़ भागा

युवक मरणासन्न अवस्था में छात्रा को छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गया था। स्थानीय लोगों द्वारा गंभीर हालत में छात्रा को नजदीक के अस्पताल में छात्रा को ले जाया गया। सूचना मिलने पर पहुंचे पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर आरोपी राहुल के ख़िलाफ़ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। सोमवार को घटना में नामजद सलेमपुर गोसाईं निवासी आरोपी राहुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

शहादत | आर्मी, पैरामिलिट्री, पुलिस बल के सम्मान का आह्वान

'शहीद का बलिदान कौम की जिंदगी'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शहीद का बलिदान कौम की जिंदगी होती है। देश, धर्म के लिए बलिदान होने वाली लंबी श्रृंखला सदैव से समाज को नया जीवन देती रही है।

मुख्यमंत्री ने सम्मान समारोह में कहा कि जवान सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। इस समय भी जब माइनस 20,25,10 तापमान हैं, तब देश की सीमाओं पर भारत मां के जवान दिन रात खड़े होकर, पुलिस बल के जवान निरंतर पेट्रोलिंग में रहकर आमजन के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करते हैं। यदि समाज आर्मी, पैरामिलिट्री, पुलिस के जवानों का सम्मान नहीं करेगा या नहीं सोचेगा तो इसका मतलब हम राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1965-1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध में भागीदार, शहीदों के परिजनों, भारतीय सेना के जवानों, देश के अंदर हुए विभिन्न ऑपरेशन में भाग लेने वाले स्मृतिशेष जवानों के परिजनों का यहां सम्मान हुआ।

तंत्र वही है, सरकार का चेहरा बदला

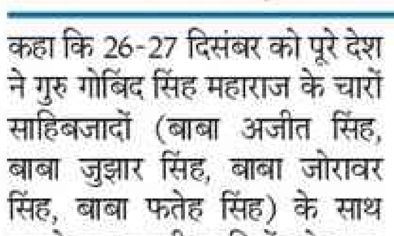

मुख्यमंत्री ने 2017 के पहले और अब के उत्तर प्रदेश का अंतर बताते हुये कहा कि 2017 के पहले कोई सुरक्षित नहीं था। नौजवान के भविष्य से खिलवाड़ होता था। उनके पास नौकरी व रोजगार नहीं था। यूपी की पहचान दंगाग्रस्त व अराजक प्रदेश के रूप में थी। आज उत्तर प्रदेश सुरक्षित है। स्वतस्फूर्त भाव के साथ प्रदेश में सभी कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। तंत्र वही है, बस सरकार का चेहरा बदल गया। यह वही प्रदेश है, जहां पहले कोई निवेश नहीं करता था। 2017 के पहले हर परीक्षा की शुचिता व पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होते थे। प्रत्येक सप्ताह दो से तीन बड़े दंगे होते थे।

40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में 40 हजार करोड़ का निवेश नहीं आता था, उस प्रदेश में आज 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे सवा करोड़ नौकरी की गारंटी मिली। बदली परिस्थितियों की नींव में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति है। इसके लिए हमने अपने जवान भी खोए हैं। 2017 में प्रदेश सरकार ने पॉलिसी बनाई कि कोई जवान (सेना, अर्धसेना, पुलिस बल) शहीद होता है तो उसके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की होगी। हमने 1.50 लाख से अधिक पुलिसकार्मिकों के खाली पदों को भरा।

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

बिहार के वैशाली में प्रगति यात्रा के क्रम में सीएम नीतीश कुमार ने सुधारात्मक प्रशासनिक संस्थान में समीक्षा बैठक ली।

बेसुध है सरकार, बिहार में खून की बहार : तेजस्वी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को दुर्गति यात्रा बताया और कहा कि प्रदेश में अपराध चरम पर हैं और सरकार बेसुध है। याादव ने एक बार फिर से बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने सोमवार को बिहार में कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि बिहार की अलग-अलग अपराध की घटनाओं का जिक्र किया है। यादव ने नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को दुर्गति यात्रा करार दिया है। उन्होंने एक्स प्लेटफार्म पर एक के बाद एक तीन ट्वीट करते हुए 156 अपराध की सूची जारी कर बिहार की सरकार पर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा बेसुध है सरकार। बिहार में खून की बहार! दुर्गति यात्रा पर निकले मुख्यमंत्री चंद दिनों की प्रमुख आपराधिक घटनाओं पर मुंह खोले। वहीं यादव पर पलटवार करते हुए जनता दल यूनाईटेड (जदयू) प्रवक्ता नीरज कुमार ने एक्स पर कहा कि पिता की राजनीतिक विरासत में मदहोश राजकुमार! जिसने बिहार को डर और आतंक के दलदल में धकेल दिया था, वही आज ज्ञान देने का ढोंग कर रहे! राजनीति के दोहरे चरित्र को पहचानिए, अपने अतीत की गलतियों से भागने वाले (माता -पिता का फोटो पोस्टर से गायब करने वाले) दूसरों को सिखाने की कोशिश करते हैं।

प्रशांत के नेतृत्व में धरना अवैध, इसीलिए गिरफ्तार किए गए : राजीव

पटना@ पत्रिका. (जदयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा हैं कि जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के नेतृत्व में धरना अवैध है, इसलिए वह गिरफ्तार किए गए। प्रसाद ने किशोर की गिरफ्तारी को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि पटना गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर प्रशांत किशोर का धरना पूरी तरह से निर्धारित नियमों के प्रतिकुल था। बार बार पटना जिला प्रशासन की चेतावनी के बावजूद अराजक तरीके से उन्होंने धरना जारी रखा।राजीव प्रसाद ने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के माध्यम से आयोजित परीक्षाएं पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई हैं। उन्होंने एक बार फिर युवाओं से विपक्ष के बहकावे में आकर अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने की अपील की है।

झारखंड सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी व झामुमो विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने सोमवार को रांची के नामकुम में 'मायियन सम्मान योजना' के कार्यक्रम में लोगों को सम्मानित किया।

ट्रक की चपेट में आने से किशोर की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छपरा. बिहार में सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार किशोर की मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि खरिका गांव निवासी मिथुन कुमार राय का पुत्र मिलन कुमार (15) बाइक से जा रहा था।

इसी दौरान लालू यादव चौक पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को चपेट में ले लिया। इस घटना में मिलन की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है।

तेजस्वी का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम 15 जनवरी से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का सातवें चरण में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम छह जिलों में 15 से 22 जनवरी तक आयोजित होगा।

बिहार राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने सोमवार को बताया कि यादव का सातवां चरण का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम 15 जनवरी से 22 जनवरी तक छह जिलों में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15 जनवरी को संवाद कार्यक्रम जहानाबाद में होना है, जिसमें अरवल जिला के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इसके बाद 16 जनवरी को गया, महानगर, संगठन जिला टेकारी, 20 जनवरी को औरंगाबाद, 21 जनवरी को रोहतास और 22 जनवरी को भोजपुर जिला में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अहमद ने बताया कि राजद के प्रधान महासचिव रणविजय साहू के हस्ताक्षर से जारी किए गए यादव के सातवें चरण के कार्यक्रम की सूचना संबंधित जिला अध्यक्ष को भेज दी गई है और उसी अनुसार संबंधित जिला में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

झारखंड के रांची स्थित विवेकानन्द सरोवर में सोमवार को स्वामी विवेकानन्द की 162वीं जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने से पहले उनकी प्रतिमा को सजाया-संवारा गया।

शव के बदले 94 हजार की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री का एक्शन

रांची @ पत्रिका. झारखंड के रांची में मृतक 65 वर्षीय हाजी समीउल्लाह अंसारी का शव मेंदाता अस्पताल प्रबंधक ने उसके परिजनों को बिना बिल चुकाए नहीं दे रही थी। अस्पताल ने शव देने के बदले 94 हजार रुपए का बिल चुकाने को कहा था। यह खबर झारखंड के स्वास्थ मंत्री तक पहुंची तो उन्होंने बिना देरी किए अस्पताल से कॉन्टेक्ट किया और शव को छुड़वाया।

कांग्रेस ने जन समस्याओं के समाधान की पहल शुरू की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड में जन समस्याओं के समाधान की सीधी पहल कांग्रेस ने शुरू की। इस क्रम में कांग्रेस भवन में जनता दरबार का आयोजन किया गया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि मंत्री दीपिका पांडे सिंह के समक्ष 20 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा और समस्याओं का निराकरण के लिए कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दरबार में आए कुल 20 मामलों में अबुआ आवास के किस्त भुगतान के लिए तीन आवास आवंटन के दो जमीन संबंधित 6 मामले नामांकन के लिए दो सड़क नाली के पांच आपदा के तहत मुआवजा भुगतान के संबंध में एक तथा गुमशुदगी का एक मामला आया।

गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद निचली अदालत से प्रशांत किशोर को मिली बेल

प्रशांत सुबह गिरफ्तार, दोपहर में मिली जमानत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना . बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के कुछ ही घंटो बाद निचली अदालत से प्रशांत किशोर को बेल मिल गई। गांधी मैदान कांड संख्या 5/25 में प्रशांत किशोर को पेश किया गया था। एसडीजेएम पटना के कोर्ट में प्रशांत किशोर की पेशी हुई और फिर एसडीजेएम आरती उपाध्याय ने जमानत दे दी।

रविवार रात से ही गांधी मैदान को पुलिस ने खाली कराना शुरू कर दिया था और सोमवार को पटना पुलिस ने प्रशांत किशोर को गिरफ्तार कर लिया और फिर एम्स ले जाया गया, इसके बाद उन्हें नौबतपुर ले जाया गया। इस दौरान उनके समर्थक साथ-साथ चलते रहे। सोमवार सुबह से ही पटना में बवाल जारी है।

...तो सख्ती से निपटा जाएगा

पटना डीएम चंद्रशेखर सिंह ने प्रशांत किशोर के प्रदर्शन स्थल का निरीक्षण करते हुए कहा कि पटना हाईकोर्ट के आदेश अनुसार यहां पर धरना प्रदर्शन करना माना था। इसकी जानकारी प्रशांत किशोर को कई बार दी गई थी। बात नहीं मानने पर प्रशांत किशोर सहित 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 43 लोगों में से 30 लोगों की पहचान हुई है पांच लोग पटना से हैं। विभिन्न जिलों से है चार लोग राज्य से बाहर के भी हैं। उन्होंने कहा कि तीन गाड़ी गांधी मैदान से सीज कई गई है। 12 गाड़ी जो प्रशासन का पीछा कर रही थी उनको सूचित किया गया है। लोगों से पटना जिलाधिकारी ने अपील की धरना स्थल पर ही धारण करें यहां पर नहीं। दोबारा अगर यहां पर धरना प्रदर्शन करने की कोशिश की गई तो सख्ती से निपटा जाएगा।

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

पलायन रोक देश में ही तराशनी होंगी प्रतिभाएं

भारत में संख्यात्मक दृष्टि से उच्च शिक्षण संस्थाएं और इनमें पढ़ने वालों की तादाद भले ही उल्लेखनीय हो लेकिन गुणात्मक दृष्टि से इनकी तस्वीर उजली नहीं है। शायद यही वजह है कि कुछ पड़ोसी देशों के विद्यार्थियों को छोड़ दें तो दुनिया के दूसरे देशों के विद्यार्थियों के लिए हमारे उच्च शिक्षा केंद्रों का आकर्षण नहीं बन पाया है। भारत को दुनिया में उच्च शिक्षा का हब बनाने के लिए भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश चाहने वाले विदेशी विद्यार्थियों व उनके परिजनों के लिए दी जाने वाली वीजा की विशेष व्यवस्था को इसी आकर्षण को बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक पहल कहा जा सकता है।

भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक विदेशी विद्यार्थी अब स्टडी इन इंडिया (एसआइआइ) पोर्टल पर वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। ई-स्टूडेंट वीजा विद्यार्थियों के लिए होगा जबकि ई-स्टूडेंट-एक्स वीजा उनके साथ आने वाले माता-पिता या जीवन साथी को मिल सकेगा। यह सच है कि पिछले वर्षों में देश में बेहतर उच्च शिक्षा और बेहतर शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास हुए हैं। इसी का नतीजा है कि देश के कुछ शहरों की पहचान शिक्षा हब के रूप में बनी है। फिर भी भारत को उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में अभी ठोस काम करने की जरूरत है। न केवल गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा केंद्र बनाने होंगे बल्कि ये प्रयास भी करने होंगे कि विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने के साथ-साथ उन भारतीय विद्यार्थियों को भी देश में ही रोका जाए जो उच्च शिक्षा की राह दुनिया के दूसरे देशों में देखते हैं। विदेश में 13 लाख से ज्यादा भारतीय विद्यार्थियों का पढ़ाई के लिए जाना बताता है कि ये विद्यार्थी भी भारत में बेहतर शिक्षण संस्थान के उपलब्ध न होने पर ही वहां जा रहे हैं। चिंता इस बात की भी है कि इनमें से अधिकांश बाद में अपनी रोजी-रोटी भी वहीं या दुनिया के किसी दूसरे देश में तलाश लेते हैं। यहीं से प्रतिभा पलायन की समस्या भी हमारे देश के सामने दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में बड़ी जरूरत इस बात की भी है कि हम इस प्रतिभा पलायन को रोकने के सख्ती से प्रयास करें। कहा तो यह भी जा रहा है कि वर्ष 2030 तक दुनिया को सबसे ज्यादा स्किल्ड मैनपावर उपलब्ध कराने वाला देश भारत ही होगा। यह भी तब ही संभव होगा जब हम अपने देश में ही प्रतिभाओं को तराशने का काम करें।

संतोषजनक तथ्य यह जरूर है कि विदेशी पेशेवरों में इस बात के लिए आकर्षण बढ़ा है कि वे भारत में काम करें। विदेशी विद्यार्थी भारतीय उच्च शिक्षण केंद्रों में दाखिला लेंगे तो यह आकर्षण और बढ़ेगा, इतना तय है।

धर्म-अध्यात्म: महाकुंभ में 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच करीब 40 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान

मृत्युलोक के लिए अमृत पर्व है महाकुंभ

आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण
प्रमुख महंत सिद्धपीठ
श्रीहनुमन्निवास, अयोध्या
@patrika.com

13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ का सभी के जीवन में विशेष महत्त्व है।भारत के लिए तो यह अमृत-पर्व है। तीर्थराज प्रयाग, अमृत प्राप्ति का लौकिक स्थल है। ऐसा अमृत-पर्व जो हमारी जातीय चेतना, सांस्कृतिक बोध तथा विश्व कल्याण की भावना को मजबूत करता, शक्ति देता है।

भारत की धर्म-सत्ता का बारह वर्षीय समागम, लोक-वेद का अद्भुत सामंजस्य, कल्पवास, संगम-स्नान, व्रत-दान और पुरातन भारतीय मूल्यों का अधुनातन स्वरूप समेटे यह प्रसंग महाकुंभ कहलाता है। 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ का हम सभी के जीवन में विशेष महत्त्व है। भारत के लिए यह अमृत-पर्व है। ऐसा अमृत-पर्व जो हमारी जातीय चेतना, सांस्कृतिक बोध तथा विश्व कल्याण की भावना का असाधारण प्रतिफलन है। भारत तीर्थों की भूमि है। इसके प्रत्येक अंचल में पुण्यकथाएं हैं, जो मनुष्यता को पापबोध से उबारती हैं। गंगा-यमुना की दिव्य धाराओं के मध्य बसा नगर प्रयागराज, तीर्थों के राजा के रूप में प्रतिष्ठित है। संगम को सिंहासन और अक्षयवट को छत्र के रूप में धारण किए हुए तीर्थराज प्रयाग की महिमा माघ महीने में अपूर्व हो जाती है।

धर्मशास्त्र कहते हैं कि माघ महीने में जब सूर्य मकर राशि में और गुरु मेष राशि में होते हैं तब जो अमावस्या आती और वह अमृत-योग को प्रकट करती है। अमृत, जीवन की सबसे बड़ी लालसा है, महाकुंभ उसी अमृताभिलाषा के लिए भारतीय ऋषि-परम्परा की आश्वस्ति है। असंख्य पीढ़ियों से देश की श्रद्धा-भक्ति माघ में संगम-स्नान, कल्पवास और विविध धार्मिक अनुष्ठान की योजना करती आई है। कथा-कहानियों तथा रीतियों और विश्वासों में निहित भारतीयता अपनी सांस्कृतिक चेतना को धर्म से परिष्कृत करती है। हमारे आधुनिकता-बोध के वर्तमान संस्करण से युगों पहले इस देश ने अमृत पदार्थ का विचार और अमृत पाने का यत्न किया था। उसी यत्न रूप में महासागर का मंथन हुआ। चौदह रत्न प्राप्त हुए। लक्ष्मी, कौस्तुभ मणि, पारिजात वृक्ष, ऐरावत हाथी, उच्चैःश्रवा घोड़ा तथा कामधेनु आदि का अविर्भाव प्रसिद्ध है। उसी से विष और अमृत का जन्म हुआ। विष की ज्वाला से जगत को बचाने के लिए भगवान शिव ने अनुग्रह किया और सारा विष अकेले पीकर जगत की रक्षा की, उनकी इस कृपा से कृतज्ञ विश्व उन्हें मृत्युयंज कहकर पूजता है। परन्तु, अमृत पीने को लेकर सहमति नहीं बन सकी भगवान धंवन्तरि ने अमृत का कलश समुद्र-मंथन के प्रमुख देवराज इंद्र को सौंपा, जिसे असुर छीनकर ले भागे। अमृत के लिए संघर्ष हुआ, जिसका समाधान भगवान ने मोहिनी रूप धारण करके किया। पर उस संघर्ष से अमृत कलश की बूंदें छलक कर धरती पर आई और भूलोक के जीवों को भी अमृत का प्रभाव सुलभ हुआ। कथा यह भी है कि अमृत घट की रक्षा के लिए उसे इंद्रपुत्र जयंत ने कुल बारह स्थानों पर रखा। इन स्थानों में आठ स्वर्ग के अंतर्गत हैं, जबकि चार स्थान धरती के हैं, जहां अमृत का संसर्ग होने से महाकुंभ पर्व प्रकट हो गया। महाकुंभ अर्थात मृत्युलोक का अमृत-पर्व।

ध्यान से देखने पर इतिहास-पुराण का यह संदर्भ मानव-चेतना के अमृत-शोध का भी रहस्य खोलता है। हमारी पूर्वज परंपरा में जीवन-समुद्र को मथा गया है। जीवन के अनेक आयामों में अमृत की पहचान हुई है और उस पहचाने हुए अमृत को सुरक्षित करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उपाय किए गए हैं। ब्रह्मचारी के लिए गुरु का उपदेश अमृत है, गृहस्थ के लिए देवताओं-पितरों-अतिथि को खिलाने से बचा हुआ भोजन अमृत है। साधक के लिए अयाचित भिक्षा अमृत है और आयुर्वेद के लिए गाय का दूध अमृत है। यही अमृत-विचार हमें अनादिकाल से एकत्र होने, परस्पर संवाद और अपनी समेकित जीवन-पद्धति से अपने प्रश्नों के समाधान ढूंढने के लिए प्रेरित करता है। महाकुंभ पर्व भारत के पुरुषार्थ-विमर्श का वैश्विक आयोजन है। इसमें लोक पितामह ब्रह्मा, धर्मराज युधिष्ठिर, आदि शंकराचार्य, सम्राट हर्षवर्धन समेत जीवन के विविध आयामों की विभूतियों का इतिहास गुम्फित है। भारत की संत-परम्परा, विद्वत्परम्परा, समस्त वर्ग-वर्ण का बृहत्तर समाज आबाल-वृद्ध नर-नारी के रूप में सब इस महाकुंभ में सम्मिलित होते हैं। भूल-चूक से हुए पापों के प्रायश्चित्त एवं आगे पाप न करने की प्रतिज्ञा का अनुष्ठान है महाकुंभ। त्रिवेणी के संगम पर कल्पवास, संगम में स्नान, यथाशक्ति दान, भगवान वेणी माधव, अक्षय वट और नाग वासुकि का दर्शन, संतों के प्रवचन-उपदेश आदि से विश्वभर से प्रयाग आया हुआ समाज स्वयं को अपने सांस्कृतिक जीवन-मूल्यों में प्रतिष्ठित करता है। यह देखना रोचक है कि धर्मप्राण भारत देश ने धार्मिक आस्था भाव के बल पर विश्व का सबसे बड़ा आयोजन तीर्थराज प्रयाग की भूमि पर करते हुए स्वानुशासन, संगठन और सेवा का अद्वितीय प्रकल्प रचा है। पुरातन भारत से अधुनातन भारत तक प्रवाहित आस्था की धारा में सनातनता कैसे अक्षुण्ण रहती है, महाकुंभ का आयोजन इसका प्रमाण है। मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में परिभाषित करते हुए यूनेस्को ने महाकुंभ के वैश्विक महत्त्व को स्थापित किया है। यह हर्ष और गौरव का विषय है कि धर्म निरपेक्षता का दंभ करती दुनिया के सम्मुख धरती का सबसे बड़ा आयोजन करने का श्रेय सनातन के नाम है। विश्वास-विचार, सभ्यता-संस्कार, हाट-बाजार और सद्भाव-सहकार का अद्वितीय उपक्रम महाकुंभ हमारी धार्मिकता, सहकारिता और पारम्परिक निष्ठा का उदाहरण तो है ही, यह हमारी सनातन उत्सव धर्मिता का भी प्रमाण है। माघ के तेज ठंड में करोड़ों लोग उत्साह के साथ पवित्र नदी में स्नान करने को एकत्र होते हैं, यह हमारी धार्मिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

एक सीमित भूभाग में एक महीने की महाकुंभ के माध्यम से अरबों रुपए की अर्थव्यवस्था, हजारों-हजार लोगों की आजीविका, असंख्य युवकों के लिए कार्य-कौशल के अवसर तथा विभिन्न उत्पाद-शिल्प और कलाओं के लिए संभावना ने नए द्वार खुलेंगे। महाकुंभ भारत की समावेशी जीवन-पद्धति की वैश्विक प्रयोगशाला है, जहां धर्म, अध्यात्म, संस्कार, बाजार और लोकमंगल के अनेक आयाम परस्परता और संवादशीलता को बढ़ावा देते हैं। केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार और देशभर के नागरिक इस अमृत पर्व में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। 2025 का प्रयागराज महाकुंभ आधुनिक विश्व में भारत की रचनात्मकता, सर्वमंगलकारिता और सार्वभौमिकता का अद्भुत प्रतीक बनेगा।

फैक्ट फ्रंट

ब्लू-फुटेड बूबी

ब्लू-फुटेड बूबी को लोग मूर्ख पक्षी भी कहते हैं। यह पक्षी अपने नीले पैरों और अनोखे व्यवहार के लिए जाना जाता है। यह प्रशांत महासागर के गर्म तटीय क्षेत्रों में पाया जाता है, जिनमें गैलापागोस द्वीप समूह, पश्चिमी मैक्सिको और मध्य अमरीका के तट प्रमुख हैं।

इसके पैरों का नीला रंग उसके आहार में पाए जाने वाले केरोटेनॉयड्स नामक पोषक तत्त्वों से आता है। नर पक्षी की टांगों का गहरा नीला रंग मादा को प्रभावित करने में मदद करता है। प्रजनन के दौरान नर पक्षी अपनी टांगों को उठाकर एक अलग तरह से डांस करता है। इसे देखने के लिए लोग इंतजार करते हैं। यह पक्षी शानदार शिकारी भी है जो समूह में गोताखोरी कर मछलियों को पकड़ता है। ये पक्षी बड़े समूहों में रहते हैं और घोंसले बनाने के लिए तटीय इलाकों में रहते हैं।

धरती की नसें:

प्राकृतिक सुंदरता और तकनीकी कला का संगम

प्रकृति की सुंदरता को दिखाने वाले वर्ल्ड नेचर फोटोग्राफी अवॉर्ड्स 2024 में 'नेचर आर्ट' श्रेणी का प्रथम पुरस्कार इजराइली फोटोग्राफर मिकी स्पिट्जर को मिला है। स्पिट्जर ने यह पुरस्कार आइसलैंड की जादुई टोपोग्राफी को दर्शाते हुए खींची गई इस फोटो के लिए जीता है। तस्वीर में सल्फेट से भरपूर पीले पानी को काले ज्वालामुखीय परिदृश्य पर बहते हुए दिखाया गया है। प्रतियोगिता के निर्णायकों ने स्पिट्जर की तस्वीर की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें बर्फीली नीली धाराएं, चमकती हुई ग्लेशियल रेखाएं और सुनहरी तलछट मानवीय आंखों के लिए एक अद्भुत भ्रम पैदा करती हैं। यह कल्पना पर निर्भर करता है कि इसमें एक सुंदर हाथी और शेर का सिर भी दिख रहा है। आइसलैंड के जादुई भूभाग का यह तोहफा है। स्पिट्जर ने बताया कि यह तस्वीर उन्होंने तब ली जब बर्फ के पिघलने से विशाल नदियां समुद्र की ओर बह रही थीं। मैंने तेज हवा के बीच ड्रोन से इस अद्भुत फोटो को कैद किया, जिसमें लोग हाथी, शेर, ड्रैगन या फूल की छवि देख सकते हैं।

प्रसंगवश

किसान को मिले मेहनत का पूरा दाम, उपज का हो मान

आसमान छू रहे भाव जब उपज आती है तब जमीन पर होते हैं। समर्थन मूल्य पर खरीद भूल-भुलैया बन रही है।

अन्नदाता कहलाने वाले किसान की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। खेतों में कठिन परिश्रम कर उपज उगाने के बाद जब उसके दाम लेने की बारी आती है तो किसी ना किसी कारण उसे अपनी मेहनत के समुचित दाम नहीं मिल पाते हैं। पहले तो सरकारें समर्थन मूल्य की घोषणा में देरी करती हैं। जब मूल्य घोषित हो जाता है तब खरीद केंद्रों की संख्या पर्याप्त नहीं होती। किसान जब इन गिने-चुने केंद्रों पर अपनी उपज लेकर पहुंचता है तो खरीद केंद्र के पैमानों की पहेली इस कदर उलझी होती है कि उपज को बेचने में ही पसीने आ जाते हैं। ताजा मामला मूंग की उपज को लेकर सामने आ रहा है। प्रदेश के मूंग उत्पादक किसान उपज के पूरे दाम नहीं मिलने को लेकर परेशान हैं। कई जगह खरीद ही शुरू नहीं हुई है। कहीं गुणवत्ता की आड़ में खरीद नहीं की जा रही है। नतीजा न्यूनतम समर्थन मूल्य 8682 रुपए प्रति क्विंटल होने के बावजूद किसान मूंग को बाहर पांच से छह हजार में बेचने पर मजबूर हैं। ऐसा लगता है जैसे सारा सरकारी अमला बिचौलियों को लाभ पहुंचाने में लगा है। इसका सीधा नुकसान किसानों को होता है। यह केवल मूंग की ही बात नहीं है। बल्कि गेहूं, चना, सरसों, मूंगफली, सोयाबीन सहित सभी उपजों के यही हाल हैं। जब उपज आती है तब दाम जमीन पर होते हैं। समर्थन मूल्य पर खरीद भूल भुलैया साबित होती है। कई बार कर्ज लेकर की गई खेती के कारण किसानों को जल्द उपज के दाम की जरूरत होती है। किसानों के पास भंडारण की व्यवस्था भी नहीं होती। नतीजा खेत में फसल को खराब करने की बजाय किसान औने पौने दाम पर बिचौलियों को उपज बेचने पर मजबूर हो जाता है। सरकारें किसान कल्याण के दावे बहुत करती हैं, भंडारण के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने की बात होती है, खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने के दावे होते हैं। पर हकीकत में सारे दावों पर जैसे पाला मार जाता है और किसान के पास हाथ मलने और मन मसोसने के सिवाय कोई चारा नहीं होता। सही अर्थों में किसान के हित में काम करने के लिए सरकारों को खरीद के नियमों को आसान बनाना होगा। सहकारिता के आधार पर भंडारण के लिए अच्छी संख्या में उचित दरों पर कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें किसान पर बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव नहीं पड़े और उसे अपनी मेहनत का सही पारिश्रमिक मिल सके। **- अभिषेक सिंघल**

abhishek.singhal@epatrika.com

बदलाव: राजनीति में युवा पीढ़ी के लिए रास्ता खोलने की जरूरत

नेताओं के लिए सेवानिवृत्ति आयु तय क्यों नहीं होनी चाहिए?

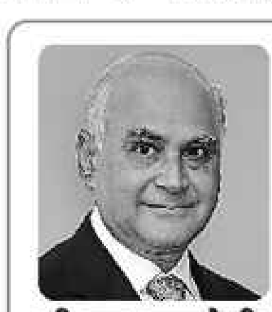

जी.एन. बाजपेयी
सेबी तथा एलआईसी के पूर्व चेयरमैन
(द बिलियन प्रेस)
@patrika.com

आमतौर पर राजनेता, चाहे उनकी उम्र और स्वास्थ्य की स्थितियां कैसी भी हों, रिटायर होने का विकल्प नहीं चुनते। कुछ तो राजनीति के परिदृश्य से गायब हो जाते हैं जबकि अन्य आखिरी सांस तक अपनी कुर्सी से मजबूती से चिपके रहते हैं। हालांकि इसी राजनीतिक परिदृश्य में जयप्रकाश नारायण (जेपी) और नानाजी देशमुख जैसे कुछ गौरवमय अपवाद भी हैं। कुछ अरसा पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशील कुमार शिंदे की आत्मकथा 'द फाइव डिकेड्स इन पॉलिटिक्स' के विमोचन अवसर पर कहा था- 'मुझे लगता है कि राजनीति में किसी को रिटायर नहीं होना चाहिए। मैं कह रहा हूं जिसको अपनी विचारधारा पर विश्वास है, जिसे राष्ट्र की सेवा करनी है, समुदाय की सेवा करनी है, उसे आजीवन देश को जगाना होगा।'

जेपी को राजी किया गया था कि वे भारत में संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली के लिए आंदोलन की मशाल थामें और राजनीति से दूर रहने की अपनी घोषणा से बाहर निकलें। राजनीतिक करियर के दौरान हुआ अनुभव और विशेषज्ञता मददगार होती है और शायद इसीलिए उन्हें इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए राजी किया गया था। हालांकि, एक सक्रिय समाज में, जहां सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक व्यवस्था रोशनी की गति की तरह बदल रही होती है, वहां अनुभव पर्याप्त नहीं है। मौजूदा वक्त में, विभिन्न पीढ़ियों के लोग अपने जीवन के उतार-चढ़ाव से जूझ रहे हैं। उनकी आशाएं, आकांक्षाएं, प्राथमिकताएं और यहां तक कि पसंद, वरीयता भी हमेशा सामान्य नहीं होती हैं। राजनेता जो रास्ता सुझाते हैं, उनके विकल्प विभिन्न पीढ़ियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं। इसलिए सुझाव आता है कि नेताओं के लिए सेवानिवृत्ति की आयु होनी चाहिए ताकि युवा पीढ़ी के लिए रास्ता खुले। राजकाज में प्रभुत्व रखने वालों के लिए मतदाताओं की आकांक्षाओं को समझना, जिसमें उनकी अपनी पीढ़ी के अलावा अन्य पीढ़ी के लोग भी शामिल हैं, सभी के साथ उनका सीधा जुड़ाव जरूरी है। कई वरिष्ठ राजनेता तो ऐसे हैं जो यात्रा करने और नियमित रूप से अपने मतदाताओं के साथ संपर्क करने में भी शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। जब वह चुनाव में पराजित हो जाते हैं या उनके हार जाने की आशंका होती है तो वह उच्च सदन-राज्यसभा या राज्य विधान परिषद में चुपचाप प्रवेश कर लेते हैं। पद से प्रेम, सुर्खियों की चाह और राजनीतिक पदों के साथ मिलने वाली सुविधाएं, ऐसे कारक हैं जो राजनेताओं को समझौता करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनकी विचारधारा कोई भी रही हो, वह विपरीत विचारधारा वाले दल के साथ राजनीतिक गठन की साझेदारी में विलीन हो जाती है। वास्तव में, बिना किसी मेहनत के ऊंचे बिंदु पर पहुंचने के विचार ने राजनीतिक वंशवाद कायम रखने को बढ़ावा दिया है। वारिसों को राजनीति की बारीकियों को समझने के लिए जमीनी स्तर पर प्रशिक्षित नहीं किया जाता है और वे अक्सर सत्ता की कुर्सी पर बैठने के लिए सक्षम नहीं होते हैं।

अमरीका के राजनीतिक एक्टिविस्ट राल्फ नडार कहते हैं- 'नेतृत्व का कार्य ज्यादा लीडर्स को सामने लाना है, अनुयायी नहीं।' सत्तर वर्ष की उम्र वाले ऐसे भी कई राजनीतिक नेता हैं जिनके इरादे अच्छे हैं और वे वास्तव में समाज की सेवा करना चाहते हैं। वह मानते हैं कि बड़े नेताओं को राजनीति में बदलाव लाने के लिए काम करना चाहिए। संकीर्ण राजनीतिक हितों की जगह व्यापक राष्ट्रीय हितों के लिए। स्वतंत्रता सेनानियों और आजादी के बाद की पहली पीढ़ी के राजनीतिक ढांचे में ज्यादातर ऐसे व्यक्ति शामिल थे, जिनका नए लोगों को लाने में विश्वास था। पद के प्रति उनका प्रेम, यदि था तो, वंचितों की सेवा करना था। अफसोस! वह विचार तेजी से लुप्त हो रहा है। जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित लाखों भारतीय राजनीति में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

मुद्दा: पाठ्यक्रम में विभिन्न दृष्टिकोणों को शामिल किया जाना चाहिए

शिक्षा और राजनीति के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी

प्रो. अशोक कुमार
पूर्व कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय
@patrika.com

शिक्षा और राजनीति का गहरा संबंध होता है! शिक्षा और राजनीति, दोनों ही समाज के महत्त्वपूर्ण पहलू हैं। शिक्षा, व्यक्ति को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जबकि राजनीति समाज का नेतृत्व करती है। दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। शिक्षा के संबंध में राजनीति और राजनीतिकरण के बीच अंतर है। कोई भी राजनीति से अछूता नहीं रह सकता और कोई भी संस्था चाहे वह शैक्षणिक हो या सामाजिक या सांस्कृतिक, राजनीति से अलग नहीं हो सकती। विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय कहां स्थापित होगा एवं किस संस्था को आर्थिक सहायता मिलेगी आदि शिक्षा राजनीति है!

भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है। इसे राजनीतिक लाभ के लिए शिक्षा में हेरफेर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह कई रूप ले सकता है, जिसमें किसी विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने, असहमति को शांत करने या शैक्षणिक संस्थानों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए शिक्षा का उपयोग शामिल है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण भाषा के मुद्दे के माध्यम से किया गया है। देश विभिन्न प्रकार की भाषाओं का घर है और इस बात पर लंबे समय से बहस चल रही है कि स्कूलों में शिक्षा का माध्यम कौन सी भाषा होनी चाहिए। कुछ समूहों ने तर्क दिया है कि राष्ट्रीय भाषा हिंदी शिक्षा का एकमात्र माध्यम होनी चाहिए, जबकि अन्य ने तर्क दिया है कि क्षेत्रीय भाषाओं को समान दर्जा दिया जाना चाहिए। यह बहस भी गरमा गई है, इसका राजनीतिकरण भी हुआ है और इसका शिक्षा प्रणाली पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इन प्रमुख मुद्दों के अलावा, भारत में कई अन्य कारकों जैसे जाति व्यवस्था, समाज में महिलाओं की भूमिका और देश के आर्थिक विकास के माध्यम से भी शिक्षा का राजनीतिकरण किया गया है। राजनीतिकरण का तात्पर्य संस्थानों के मामलों में राजनीतिक विचारधाराओं के हस्तक्षेप से है, विशेषकर सत्तारूढ़ और प्रमुख राजनीतिक शक्ति द्वारा। सरकारें अक्सर पाठ्यक्रम में बदलाव करके अपने राजनीतिक विचारों को प्रचारित करती हैं। शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण करके कुलपतियों, शिक्षकों की नियुक्ति और शोध के विषयों को प्रभावित करती हैं तथा शिक्षण संस्थानों को फंडिंग देकर उनके कामकाज को प्रभावित करती हैं। शिक्षा का राजनीतिकरण तब होता है जब शिक्षा को राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह शिक्षा की गुणवत्ता को कम करता है और छात्रों को राजनीतिक मतभेदों में फंसा देता है। शिक्षा के राजनीतिकरण के परिणाम के कारण शैक्षणिक स्वतंत्रता में कमी देखी जाती है! शिक्षक और छात्र अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में हिचकिचाते हैं। शिक्षा का ध्यान गुणवत्ता से हटकर राजनीतिक एजेंडे पर केंद्रित हो जाता है। छात्र राजनीतिक दलों के साथ जुड़ जाते हैं और एक-दूसरे के खिलाफ हो जाते हैं।

शिक्षा और राजनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। शिक्षा को राजनीति से स्वतंत्र रखते हुए, शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सकता है। शिक्षण संस्थानों को स्वायत्तता देनी चाहिए ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। पाठ्यक्रम में विविधता होनी चाहिए। पाठ्यक्रम में विभिन्न दृष्टिकोणों को शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की अनुमति होनी चाहिए। शिक्षा और राजनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखना, समाज के विकास के लिए आवश्यक है। आने वाले वर्षों में भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण एक प्रमुख मुद्दा बने रहने की संभावना है। देश की विविध आबादी और इसका जटिल राजनीतिक परिदृश्य वास्तव में धर्मनिरपेक्ष और समावेशी शिक्षा प्रणाली विकसित करना कठिन बना देगा। हालांकि, शैक्षिक सुधार को बढ़ावा देने के लिए कई समूह भी काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि भविष्य में शिक्षा के राजनीतिकरण पर काबू पाया जा सकता है।

आपकी बात

सख्त कानून से डेटा की हो सुरक्षा

निजी व्यवसाय से संबंधित खाते, अकाउंट्स या बिजनेस की प्रक्रिया से जुड़े फॉर्मूले पूरी तरह सुरक्षित रहें। डिजिटल युग में डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को प्राथमिकता दी जाए। ऐसा सख्त कानून बने जो साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करे। **- मुकेश सोनी**

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, 'डेटा संरक्षण कानून में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें। https://shorturl.at/6vnj9

आज का सवाल

ब्रिटेन के मामले में एलन मस्क की प्रतिक्रिया को आप कैसे देखते हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

बालोद : प्राकृतिक सुंदरता को निहारने का अच्छा ठिकाना है दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर

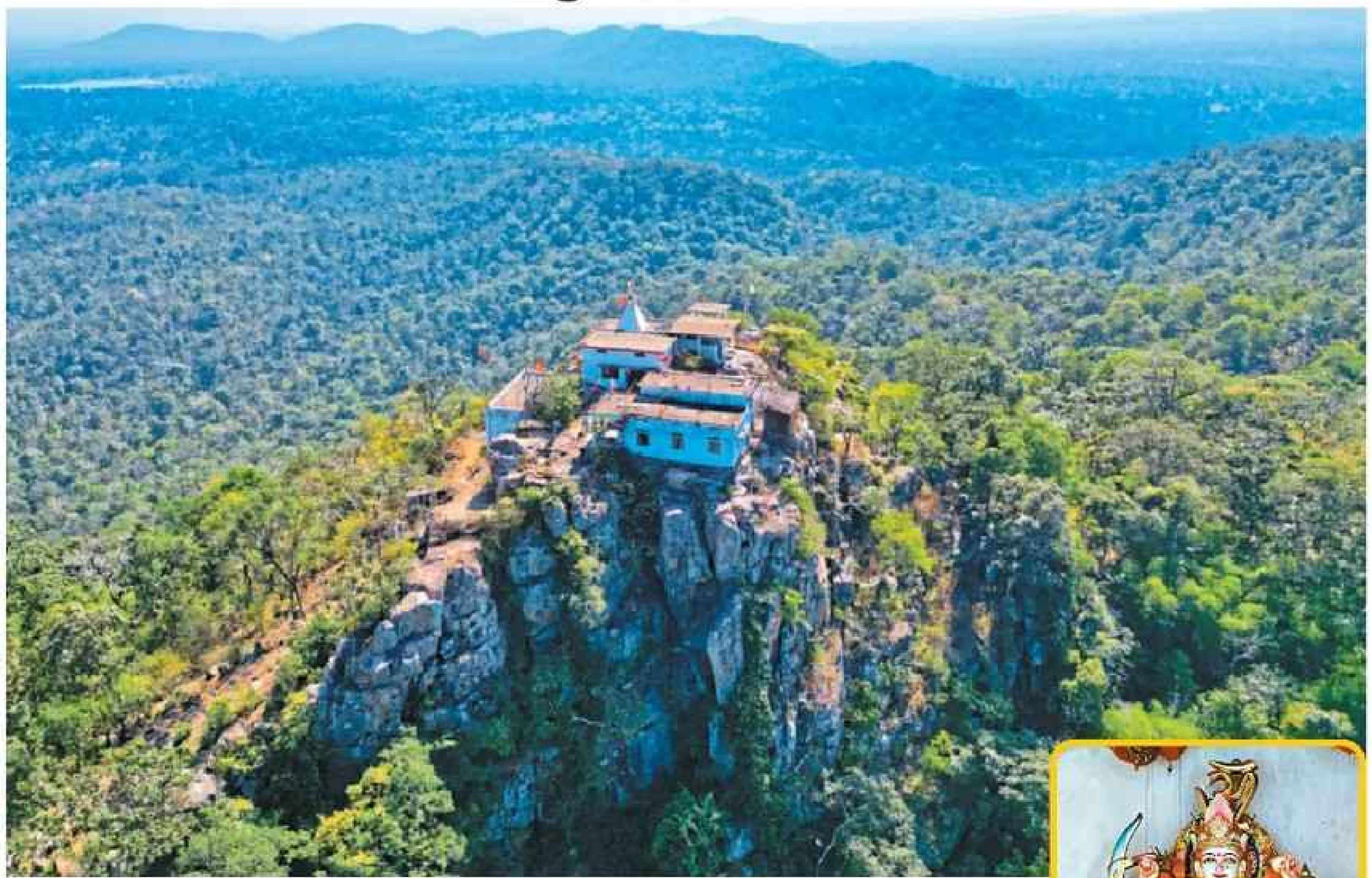

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बालोद . बालोद जिले में प्राकृतिक सौंदर्यता से परिपूर्ण स्थलों की कमी नहीं है। यहां कई ऐसे पर्यटक स्थल हैं, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। आपको घूमने के साथ एडवेंचर का शौक हो तो प्राकृतिक नजारों से परिपूर्ण दुर्गडोंगरी मां किल्लेवाली मंदिर में आप जरूर आ सकते हैं।

वनों के बीच ऊंचे पहाड़ पर स्थित है मंदिर

मंदिर प्राकृतिक वनों के बीच ऊंचे पहाड़ पर स्थित है, जहां पहुंचने पर दिखने वाला नजारा आपकी थकान को मिनटों में ही उत्साह में बदल देगा। यहां दिखने वाला नजारा, आपके सफर को रोमांचक और बेहद ही अविस्मरणीय बना देता है। यह स्थान प्रकृति की सुंदरता को करीब से निहारने का बेहतर ठिकाना बन गया है।

एडवेंचर पसंद लोगों के लिए भी बेहतर पर्यटन स्थल : डौंडी विकासखंड के ग्राम कोटागांव के समीप स्थित इस जगह ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता से पर्यटकों को अपने करीब आकर्षित किया है। यह स्थान प्राकृतिक सुंदरता, बोईरडीह जलाशय, दुर्गडोंगरी मां किल्लेवाली मंदिर सहित एडवेंचर पसंद लोगों के लिए एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध हो रहा है।

हाईकोर्ट : नगरपालिका के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर किया था स्थानांतरित

प्रतिनियुक्ति पर भेजने से पहले अधिकारी-कर्मचारी की सहमति लेना आवश्यक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि किसी कर्मचारी या अधिकारी को एक से दूसरे विभाग में प्रतिनियुक्ति पर भेजने से पहले उससे सहमति लेना आवश्यक है। बगैर सहमति किसी पर आदेश लागू नहीं किया जा सकता। जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच ने राज्य शासन के आदेश पर रोक लगाते हुए जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

कुम्हारी नगरपालिका में सीएमओ के पद पर पदस्थ एनआर चंद्राकर ने अधिवक्ता संदीप दुबे के माध्यम से याचिका दायर कर तबादला आदेश को चुनौती दी थी। दायर याचिका में कहा कि राज्य शासन ने एक आदेश जारी कर उनका तबादला रायपुर नगर निगम में उपायुक्त के पद पर कर दिया है। उनकी जगह पाटन में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक को प्रभारी सीएमओ कुम्हारी के पद पर स्थानांतरित किया है। याचिकाकर्ता ने नगरपालिका अधिनियम में दिए गए प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि सहायक उप निरीक्षक को सीएमओ के पद पर पदस्थ नहीं किया जा सकता। सहायक उपनिरीक्षक का पद सब आर्डिनेट कर्मचारी है। राज्य शासन ने नियमों के विपरीत रिप्लेसमेंट कर दिया है।

अधिनियमों का दिया हवाला

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता संदीप दुबे ने कहा कि इससे पहले याचिकाकर्ता को नगर पालिका परिषद रायपुर में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था, जहां उन्होंने पांच साल तक काम किया। जब उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त हो गई तो उन्हें 7 मार्च 2024 को उनके मूल पदस्थापना स्थान पर भेज दिया गया। आठ महीने बाद ही उन्हें फिर से उसी स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है जहां उन्हें पहले प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 86(4) के अनुसार राज्य सरकार किसी नगर पालिका परिषद के कर्मचारी को एक परिषद से दूसरी परिषद में स्थानांतरित कर सकती है, लेकिन वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता को नगर पालिका परिषद से नगर निगम में स्थानांतरित किया गया है, जो विधि सम्मत नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा- डॉक्टर को सुनवाई का अवसर नहीं दिया

अनवर ढेबर की मेडिकल जांच के मामले में बर्खास्त डॉक्टर को दी राहत, शासन का आदेश निरस्त

बिलासपुर@ पत्रिका. शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर का मेडिकल सही तरीके से न कराने के आरोपी डॉक्टर को हाईकोर्ट ने राहत दी है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने राज्य शासन द्वारा जारी बर्खास्तगी को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता को विभागीय जांच में शामिल कर उसकी सुनवाई की जानी आवश्यक है, जो वर्तमान मामले में नहीं की गई है।

उल्लेखनीय है कि शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर को इलाज कराने के लिए रायपुर सेंट्रल जेल से जिला अस्पताल लाया गया था। जिला अस्पताल में लोअर इंडोस्कोपी मशीन खराब होने के कारण डॉ प्रवेश शुक्ला ने उसे एम्स रेफर कर दिया था। सेवा में कमी और अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए राज्य शासन ने डॉक्टर की सेवा समाप्त करने के साथ ही गोलबाजार थाने में एफआईआर दर्ज करा दी। इस आरोप से आहत डॉ. शुक्ला ने वकील संदीप दुबे के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि बगैर विभागीय जांच कराए और सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिए बिना कलंकपूर्ण आदेश पारित कर उसकी सेवा समाप्त कर दी गई है। इस आदेश से उसका करियर चौपट हो जाएगा।

यह है मामला

8 जून 2024 को ओपीडी के दौरान विचाराधीन बंदी अनवर ढेबर जेल से अपना इलाज कराने आया था, जिसमें उसने उक्त मरीज को आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रायपुर रेफर कर दिया। शासन का कहना था कि रेफर करने की बजाय डॉक्टर को आरोपी की अन्य सरकारी अस्पताल में जांच करानी थी। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर है। प्राइवेट प्रैक्टिस के बजाय उसने सरकारी अस्पताल में काम करने को प्राथमिकता दी है। वह इस विभाग का छत्तीसगढ़ में एकमात्र डॉक्टर है जो डीकेएस अस्पताल में कार्यरत था। याचिकाकर्ता ने बताया कि इसके पहले वह जीबी पंत सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर रेजिडेंट के रूप में काम कर चुके हैं। उसके बाद वह एम्स भोपाल में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके। तकरीबन 2 साल काम करने के बाद वह चिकित्सा क्षेत्र में सेवा करने के लिए छत्तीसगढ़ वापस आ गए।

हाईकोर्ट ने निरस्त किए आय से अधिक संपत्ति के मामले

आईपीएस जीपी सिंह की पत्नी को भी मिली राहत

पत्रिका ब्यूरो @ बिलासपुर. आईपीएस जीपी सिंह की पत्नी मनप्रीत कौर के खिलाफ पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दर्ज किए आय से अधिक संपत्ति के मामले को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने इसे पूर्वाग्रह से ग्रस्त कार्रवाई माना है। बता दें कि जीपी सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति समेत राजद्रोह और एक्सटॉर्शन से संबंधित तीन अपराध पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में दर्ज करवाए गए थे, जो हाईकोर्ट द्वारा निरस्त किए जा चुके हैं। एडीजी जीपी सिंह की पत्नी मनप्रीत कौर के खिलाफ भी कांग्रेस सरकार में एसीबी ईओडब्ल्यू ने आय से अधिक संपत्ति मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट 12 और आपराधिक षडयंत्र की धारा 120 बी दर्ज किया था। मामले में एसीबी ने कथित तौर पर स्टेट बैंक के ब्रांच मैनेजर मणिभूषण से दो किलो सोना जब्त किया था। यह सोना पार्किंग में खड़ी स्कूटी से जब्त किया गया था। इस स्कूटी को मणिभूषण का बताया गया और दो किलो सोना को आईपीएस जीपी सिंह की अवैध कमाई का हिस्सा बताया गया, जिसे खपाने के लिए अपने परिचित में स्टेट बैंक के मैनेजर मणिभूषण को देने की कहानी एसीबी द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

जगतरा स्कूल का मामला : शिक्षा विभाग ने जांच शुरू की, एबीईओ कर रहे जांच

प्रधानपाठक की प्रताड़ना से तंग दो बच्चे स्कूल छोड़ भागे, 15 किमी दूर ठंड में ठिठुरते मिले

गुरुर @ पत्रिका शिक्षक ने बच्चों को इतना प्रताड़ित किया कि भयभीत दो बच्चे स्कूल से भाग गए। विधायक संगीता सिन्हा के प्रतिनिधि की सजगता से स्कूल से 15 किमी दूर ठंड में ठिठुरते हुए पैदल जा रहे बच्चे सुरक्षित मिले। मामले में शिक्षा विभाग की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

शाम को नाश्ता के समय नहीं मिले बच्चे, तो खोजने निकले: मामला विकासखंड के प्राथमिक शाला जगतरा का है। ग्राम में स्थित आश्रम के कक्षा तीसरी एवं पांचवीं के दो बच्चे 3 जनवरी को आश्रम से स्कूल जाने के बाद लापता हो गए। तीसरी में कुल दो व पांचवीं में कुल 9 बच्चे हैं। बेसुध शिक्षकों को शाम चार बजे तक बच्चों के लापता होने की जानकारी नहीं हुई। शाम को आश्रम में बच्चों को नाश्ता देने के समय दोनों बच्चों के लापता होने की जानकारी हुई। जानकारी पर आश्रम अधीक्षक नीतेश मरकाम व उनकी टीम बच्चों को खोजने निकली। इधर दोनों बच्चे स्कूल से निकलकर जंगल के रास्ते से 15 किमी दूर धानापुरी पहुंच गए। भूखे बच्चों ने ग्राम में चल रही भागवत कथा के भंडारा में दोपहर 2 बजे भोजन किया।

रफ्तार का कहर : राज्य में 2024 में 6752 की मौत, रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 595 लोग हुए शिकार

प्रदेश की सड़कें खून से लाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. प्रदेश में वाहनों के रफ्तार की कहर से सड़कें लगातार खून से लाल हो रही हैं। वहीं, हादसों में मौत के साथ ही घायल होने वालों की संख्या में 2023 की तुलना में 2024 के दौरान 10 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसमें 10.28 फीसदी हादसे, 9.50 फीसदी की मौत और घायलों की संख्या में 7.25 फीसदी बढ़े हैं।

राज्य पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2023 के दौरान 13468 हादसों में 6166 की मौत और 11723 लोग घायल हुए। इसी अवधि में 2024 के दौरान 14853 हादसों में 6752 की मौत और 12573 लोग घायल हुए हैं। इसमें रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 2069 हादसों में 595 की मौत और 1477 लोग घायल हुए। वहीं, दूसरे स्थान पर बिलासपुर तीसरे स्थान पर दुर्ग और सबसे कम नारायणपुर में 59 सड़क हादसों में 33 की मौत और 34 लोग घायल हुए। राज्य पुलिस के अफसरों का कहना है कि लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने की वजह से हादसे बढ़े हैं।

एक नजर में

जिला	हादसा	मौत	घायल
रायपुर	2069	595	1477
बिलासपुर	1390	359	1232
दुर्ग	1229	344	1068
कोरबा	838	380	710
रायगढ़	691	379	697

सबसे ज्यादा सरगुजा में ग्रोथ

प्रदेश के 33 जिलों में 2023 की अपेक्षा 2024 के दौरान जशपुर जिले में में सबसे ज्यादा 30.88 फीसदी सड़क हादसा हुआ। वहीं, बेमेतरा 33.20 फीसदी की मौत और सरगुजा (अंबिकापुर) जिले में 28.44 फीसदी हादसे हुए हैं। जबकि सबसे कम हादसे महासमुंद, गरियाबंद, सूरजपुर, कांकेर, सुकमा, सांरगगढ़-बिलाईगढ़, बीजापुर और सक्ती में हुए। इसी तरह बलौदाबाजार, महासमुंद, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सूरजपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और मानपुर-मोहला, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया और गरियाबंद शामिल है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र की सड़कों का निरीक्षण

सड़क हादसों पर ब्रेक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी अध्यक्ष एवं सेवानिवृत न्यायामूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग की सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राज्य पुलिस के अधिकारियों को मुख्य सड़क से जुड़ने वाले ग्रामीण क्षेत्र की ट्रायएंगल सड़कों को ठीक करने कहा। न्यायामूर्ति अभय मनोहर सप्रे भिलाई से रायपुर होते हुए धमतरी, कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर, दंतेवाड़ा और बचेली होते हुए बारसूर तक गए। इसके बाद इसी मार्ग से रायपुर वापस लौटे। इस दौरान लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आंबेडकर अस्पताल में 8 बजे नहीं पहुंच रहे मरीज

ठंड का असर, ओपीडी का समय आधा घंटा बढ़ा, अब डेढ़ बजे तक पंजीयन

रायपुर@ पत्रिका. आंबेडकर अस्पताल में ओपीडी पंजीयन का समय आधा घंटा बढ़ा दिया गया है। अब सुबह साढ़े 8 से दोपहर डेढ़ बजे तक ओपीडी के लिए पंजीयन किया जाएगा। पहले इसका समय सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक था। सुबह मरीज नहीं पहुंचने के कारण ऐसा निर्णय लिया गया है। नेहरू मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने सोमवार को आदेश जारी कर दिया है।

डीन के पत्र के मुताबिक, सुबह 8 बजे तक कोई भी मरीज नहीं पहुंच रहा है। दरअसल, प्रदेश में ठंड बढ़ने के कारण लोगों को अस्पताल पहुंचने में देरी हो रही है। कई स्थानों पर कोहरे के कारण सड़क यातायात भी प्रभावित हो रहा है। सुबह ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर में कर्मचारी तो पहुंच जाते हैं, लेकिन कोई मरीज नहीं रहने के कारण खाली बैठे रहते हैं। दोपहर डेढ़ बजे तक पंजीयन होने का मतलब ये है कि ओपीडी का भी समय दोपहर 2 से ढाई बजे तक हो जाएगा। यानी डॉक्टरों को आधा घंटा ज्यादा बैठना होगा। हालांकि सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर ओपीडी समय तक बैठते भी नहीं हैं। कुछ ही विभागों में सीनियर डॉक्टर ओपीडी में मरीजों का इलाज करते नजर आते हैं। डॉक्टरों का दावा है कि ओपीडी समय में भी कई बार मीटिंग रहने से वे समय से पहले उठकर चले जाते हैं। निजी प्रेक्टिस के कारण भी कुछ डॉक्टर ओपीडी समय में ही प्राइवेट अस्पताल में नजर आ जाते हैं।

कट ऑफ घटाने के बाद च्वॉइस फिलिंग स्थगित

पीजी में जनरल और ईडब्ल्यूएस में 15, एसटी-एससी में 10 परसेंटाइल वालों का एडमिशन

रायपुर@ पत्रिका. एनएमसी की मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने मेडिकल कॉलेजों में संचालित पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए कट ऑफ मार्क्स घटा दिया है। अब जनरल और ईडब्ल्यूएस कोटे में 15, एसटी, एससी व ओबीसी कैटेगरी में 10 परसेंटाइल वालों का एडमिशन होगा। कट ऑफ घटाने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सोमवार को थर्ड राउंड के लिए च्वॉइस फिलिंग स्थगित कर दी है। 6 जनवरी से नीट पीजी क्वालिफाइड छात्रों को च्वॉइस फिलिंग करनी थी।

कट ऑफ घटाने के बाद 10 से 15 परसेंटाइल या इससे अधिक अंक वाले प्रवेश ले सकेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, देशभर के मेडिकल कॉलेजों में सीटें नहीं भरने के कारण ऐसा निर्णय लिया गया है। प्रदेश में भी काफी सीटें खाली हैं। दूसरे राउंड के बाद नेहरू मेडिकल कॉलेज में आवंटित 41 में 23, बालाजी में 10 में 7 तथा रिम्स में 15 में 10 छात्रों ने प्रवेश लिया है। नेहरू कॉलेज में आल इंडिया की 74 में 54 सीटों पर एडमिशन हो चुका है। जबकि स्टेट कोटे की सीटें खाली हैं। डीएमई कार्यालय स्टेट, मैनेजमेंट व एनआरआई कोटे की सीटों के लिए काउंसलिंग कर रहा है। प्रदेश में पीजी की कुल 497 सीटें हैं। इनमें स्टेट कोटे के लिए 316, आल इंडिया के लिए 155 व एनआरआई के लिए 26 सीटें हैं। इनमें 6 सरकारी कॉलेजों में कुल 311 जबकि तीन निजी कॉलेजों में 186 सीटें हैं। सरकारी में स्टेट की 156 व ऑल इंडिया की 155, वहीं निजी में 186 में 160 स्टेट व मैनेजमेंट कोटे की सीटों पर प्रवेश दिया जाना है।

कांग्रेस ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि, सरकार पर साधा निशाना

रायपुर@पत्रिका. बस्तर के बीजापुर में 9 जवानों की शहादत बेहद दुखद है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस पार्टी शहीद जवानों के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है। शहीद जवानों के परिजनों के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित करती है तथा घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। देश को इन जवानों की वीरता पर गर्व है। सरकार के नक्सल मोर्चे पर असमंजस नीति के कारण इतनी बड़ी क्षति उठानी पड़ी। हमारे जवान शहीद हुए। हमारी सरकार से मांग है कि सरकार अपनी नक्सलवादी नीति स्पष्ट करें। सरकार के अनिर्णय वाली स्थिति के कारण जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है नक्सली गतिविधियां बढ़ी हैं। भाजपा की सरकार को तत्काल निर्णय लेने की आवश्यकता है।

2 करोड़ से ज्यादा का फर्जीवाड़ा पकड़ा गया

पत्रकार की हत्या के आरोपी की फर्म पर जीएसटी का छापा

रायपुर @पत्रिका वाणिज्य कर विभाग ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या करने वाले आरोपी सड़क ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के बीजापुर स्थित फर्म में छापा मारा। छापे की यह कार्रवाई 27 दिसंबर 2024 को हुई। इस दौरान तलाशी में उसके फर्म में 2 करोड़ रुपए की गड़बड़ी पकड़ी गई है। ठेकेदार द्वारा बोगस बिलिंग कर फर्जी तरीके से आईटीसी का लाभ लिया जा रहा था।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि राज्य वाणिज्यिक कर विभाग के अमले को जांच के दौरान गड़बड़ी मिली है। ठेकेदार द्वारा पिछले काफी समय से फर्जी तरीके से आईटीसी का लाभ लिया जा रहा था। नियमों को ताक पर रखकर वाहनों और कपड़ों जैसे अपात्र वस्तुओं पर आईटीसी का दावा किया गया था। वहीं, फर्म में थोक के हिसाब से रेकॉर्ड और चालान अधूरे मिले हैं। सीमेंट और सरिया की खरीदी दिखाकर बड़ी राशि का इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया है। जबकि उस अनुपात में बिटूमीन की खरीदी नहीं दिखाई गई है। ठेकेदार द्वारा सीएसटी चोरी करना स्वीकार कर 30 दिसंबर 2024 को 30 लाख रुपए का टैक्स जमा कराया गया है। वहीं, ठेकेदार के ठिकानों से जब्त किए गए दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद वास्तविक टैक्स चोरी का निर्धारण किया जाएगा। बता दें कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के आरोप में पुलिस ने सड़क ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से वह फरार था।

धान खरीदी : 20 लाख किसानों को 22864 करोड़ का भुगतान

रायपुर@पत्रिका. राज्य में धान खरीदी का सिलसिला जारी है। अब तक लगभग 102 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में 20 लाख किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 22 हजार 864 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 6 जनवरी को 69 हजार 922 किसानों से 3.53 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 81 हजार 556 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 75 हजार 907 टोकन जारी किया गया है। धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी तेजी से हो रहा है।

ईओडब्ल्यू एवं एसीबी ने 36 अधिकारियों व कर्मचारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

रिश्वत लेने में राजस्व विभाग आगे!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पिछले साल प्रदेशभर के विभिन्न विभागों के 53 अधिकारी-कर्मचारी पकड़े गए

रायपुर@ पत्रिका. ईओडब्ल्यू और एंटी करप्शन विभाग ने 2024 में कार्रवाई करते हुए 56 अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ा। इसमें सबसे ज्यादा राजस्व विभाग के 36 अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। सभी लोगों को एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। साथ ही रिश्वत की रकम बरामद कर विशेष न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

रिश्वत लेते हुए पकड़े गए शासकीय विभाग में बैठे अधिकारी-कर्मचारी बिना लेनदेन के लोगों के काम नहीं करते। बहाना बनाकर लोगों को चक्कर लगवाते थे। साथ ही रिश्वत की रकम देने पर तत्काल काम कराने का आश्वासन देते थे। इसकी शिकायत मिलने पर एसीबी की टीम ने वेरिफिकेशन करने के बाद उन भ्रष्ट लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। बता दें कि एसीबी साल राजस्व विभाग के साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग के 14, नगरीय प्रशासन के 6 और कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग 8 लोगों को पकड़ा। इसमें एसडीएम, डिप्टी डायरेक्टर और टीआई से लेकर पटवारी स्तर के कर्मचारी और अधिकारियों के नाम शामिल हैं।

एसीबी ने इनको पकड़ा

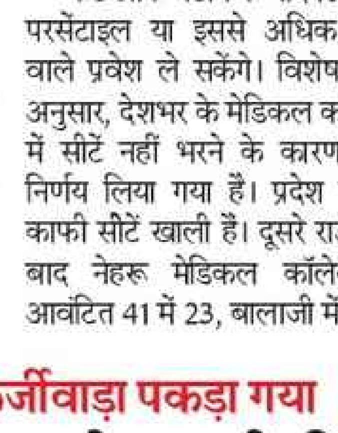

एसीबी की टीम ने मई 2024 को बिलासपुर के राजस्व निरीक्षक संतोष कुमार देवांगन, मई 2024 में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर टीआर मेश्राम, राजस्व विभाग के सहायक संचालक बालकृष्ण चौहान और सहायक मानचित्रकार निलेश्वर कुमार धुर्वे, राजस्व निरीक्षक अश्वनी राठौर और पटवारी धीरेंद्र लाटा, रायगढ़ के ग्राम छाल के पटवारी हरिशंकर राठिया, धमतरी के तहसीलदार क्षीरसागर बघेल, रायपुर के खरोरा स्थित ग्राम डोमा ग्राम पंचायत के सचिव धर्मेंद्र साहू, पटवारी बृजेश मिश्रा नगर निवेश कार्यालय के सहायक संचालक (बालकऋण) चौहान, सरगुजा के मानचित्रकार लक्ष्मण कुमार धुर्वे और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया।

रिश्वत लेते पकड़ाए

मत्स्य पालन विभाग संयुक्त संचालक देव कुमार सिंह, किरोड़ीमल नगर पंचायत के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) रामायण पाण्डेय, स्वास्थ्य विभाग के सूरज नाग, रायपुर की महिला थाना प्रभारी वेदवती दरियो, स्वास्थ्य विभाग अधिकारी देवसिंह बघेल, दुर्ग के प्रधान आरक्षक रामकृष्ण सिन्हा, दंतेवाड़ा के चिकित्सक डॉ. वेणुगोपाल सहित अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

बता दें कि एंटीकरप्शन ब्यूरो द्वारा पिछले 5 साल में 124 अधिकारी और कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इसमें 2019 में 17 लोग, 2020 में 22 लोग, 2021 में 14 लोग, 2022 में 18 लोग और 2023 के दौरान रिश्वतखोरी के एक भी प्रकरण दर्ज नहीं किए गए थे।

कॉन्क्लेव 16 को

शहडोल को ऊर्जा, खनिज व पर्यटन उद्योगों के लिए प्रोजेक्ट करेगी सरकार

भोपाल. प्रदेश की सातवीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 16 जनवरी को शहडोल में होने जा रही है। राज्य सरकार शहडोल को ऊर्जा, खनिज और पर्यटन आधारित उद्योगों के लिए एक प्रमुख निवेश स्थल के रूप में प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहडोल जिले में समृद्ध खनिज संपदा, सांस्कृतिक विरासत और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के चलते औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। कॉन्क्लेव से इस क्षेत्र में अब औद्योगिक निवेश के नए द्वार खुलेंगे। अफसरों के अनुसार खनिज संपदा से भरपूर शहडोल जिला देश के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों में से है। भूमि फायर क्ले, मीथेन गैस और अन्य अहम खनिजों से समृद्ध है। सोहागपुर कोलफील्ड, जो एशिया के सबसे बड़े कोयला भंडारों में से एक है, ऊर्जा उत्पादन और खनन उद्योगों के लिए शहडोल को रणनीतिक महत्व प्रदान करता है। यहां की वन संपदा, जैव विविधता और जैविक उत्पाद इसे वन आधारित उद्योगों और औषधीय उत्पादों के लिए एक प्रमुख स्थान बनाती है।

एचएमपीवी अलर्ट

अब प्रदेश में भी बढ़ेगी निगरानी

भोपाल. चीन में फैल रहे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की भारत में दस्तक होने के बाद प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने केंद्र के निर्देशों के अनुरूप सतत निगरानी रखने और आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन संबंधी प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट अनुमोदन के लिए जल्द प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में पीएस संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी और संचालक नर्सिंग एवं पैरामेडिकल मनोज सरियाम मौजूद रहे।

हरियाणा की समिति

₹5 में भोजन की योजना पसंद

भोपाल. मध्यप्रदेश एवं हरियाणा विधानसभा की स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाएं समिति की संयुक्त बैठक विधानसभा भवन में हुई। राज्यों ने निकायों के काम-काज एवं सदन समिति कार्यों, योजनाओं को सांझा किया। हरियाणा को मध्यप्रदेश के नवाचार पसंद आए। स्थानीय निकायों द्वारा पांच रुपए में भरपेट भोजन की योजना बेहद पसंद आई। बैठक में मप्र विधानसभा के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष किशन लाल, मप्र विधानसभा सभा की स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाएं समिति के सभापति रमेश मेंदोला, प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह, विधानसभा सचिव अरविंद शर्मा मौजूद रहे। समितियों ने जानकारियों का आदान-प्रदान किया। संयुक्त बैठक में हरियाणा विधानसभा के अधिकारियों के साथ ही नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल भी उपस्थित रहे।

21 जिलों के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाएंगी मोबाइल मेडिकल यूनिट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश के 21 जिलों के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के नागरिकों को अब 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को पीएम जनमन अभियान के तहत यूनिट्स को हरी झंडी दिखाई। सीएम ने कहा कि दुर्गम और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में पहुंचकर यह यूनिट ओपीडी, रोग निदान, उपचार और दवाइयों जैसी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी। स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण के लिए संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, पीएस संदीप कुमार यादव और एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम-जनमन अभियान: मुख्यमंत्री ने किया 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ

ये जिले शामिल **अनूपपुर,** अशोकनगर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, दतिया, डिंडोरी, गुना, ग्वालियर, कटनी, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, शहडोल, श्योपुर, सीधी, शिवपुरी, जबलपुर, रायसेन, उमरिया और विदिशा।

यह सेवाएं मिलेंगी: संचारी रोगों और मूलभूत ओपीडी सेवाएं, टीबी, कुष्ठ, मलेरिया, फाइलेरिया की पहचान-इलाज। प्रसव पूर्व-बाद देखभाल, उच्च जोखिम गर्भवती का चिह्नांकन, मधुमेह, हाई बीपी, गुर्दा रोगों की पहचान, शिशुओं में जन्मजात विकृतियों की जांच-इलाज, वृद्धजनों की देखभाल व आकस्मिक चिकित्सा सेवा आदि।

- **87** ब्लॉक के 1268 गांव कवर
- **3,12,246** आबादी को सुविधा
- **24** दिन प्रति माह गांवों में भ्रमण करेगी यूनिट
- **14** प्रकार की जांच सुविधाएं प्रत्येक यूनिट में रहेंगी
- **50** मरीजों की स्वास्थ्य जांच होगी दो गांव में एक दिन में
- **65** तरह की दवाएं रहेंगी यूनिट में
- **29** प्रकार की स्वास्थ्य सामग्री भी उपलब्ध रहेगी

यूनिट में 1-1 डॉक्टर, नर्स, एएनएम/एमपीडब्ल्यू, लैब टेकनीशियत और फिजियोथेरेपिस्ट रहेंगे।

आठ साल बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई सरकार

नौकरशाहों के प्रमोशन बार-बार, राज्य के कर्मचारी कर रहे इंतजार

पत्रिका न्यूज पंच

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. एक जनवरी से नौकरशाहों के थोक में प्रमोशन हो गए। ओहदा बढ़ गया। इनमें आइएएस, आइपीएस और आइएफएस अफसर शामिल हैं। दूसरी ओर राज्य के कर्मचारी आठ साल से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं। इस इंतजार में एक लाख से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी रिटायर हो गए। राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमोशन का भरोसा दिलाया जा रहा है। प्रदेश के इतिहास में यह पहला मौका है जब राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों के प्रमोशन नहीं हो रहे, जबकि नौकरशाहों के मामले में कोई अड़चन नहीं। एक ही प्रदेश में दो प्रकार की नीति होने से कर्मचारियों में नाराजगी है।

इसलिए उलझा मामला

2002 में तत्कालीन सरकार ने पदोन्नति नियम बनाते हुए प्रमोशन में आरक्षण का प्रावधान कर दिया। ऐसे में आरक्षित वर्ग के कर्मचारी प्रमोशन पाते गए, लेकिन सामान्य वर्ग के कर्मचारी पिछड़ गए। विवाद बढ़ा तो कर्मचारी कोर्ट पहुंचे। प्रमोशन में आरक्षण समाप्त करने का आग्रह किया। तर्क दिया कि प्रमोशन का लाभ सिर्फ एक बार मिलना चाहिए। मप्र हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2016 को मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002 खारिज कर दिया। सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष कोर्ट ने यथास्थिति रखने का आदेश दिया। यानी तब से राज्य में अधिकारी-कर्मचारियों के प्रमोशन बंद हैं।

कर्मचारियों को मिल रहा सिर्फ आश्वासन, नाराजगी बढ़ी

नौकरशाह इसलिए फायदे में

हाईकोर्ट ने 2002 के पदोन्नति नियम खारिज किए हैं, जबकि नौकरशाहों ने बीच का रास्ता निकाल लिया। इन्हें प्रमोशन के बजाय वरिष्ठ वेतनमान दिया जाता है। वरिष्ठ वेतनमान मिलने से ओहदा भी बढ़ रहा है। कर्मचारियों के मामले में सरकार तर्क देती है कि मामला कोर्ट में है। आदेश का इंतजार किया जा रहा है। राज्य के अधिकारी-कर्मचारी भी इंतजार ही कर रहे हैं।

प्रमोशन रोकने के पक्ष में नहीं कोर्ट

प्रमोशन न होने के कारण राज्य के कर्मचारी समय-समय पर कोर्ट गए। हाईकोर्ट भी अलग-अलग मामलों में अपना मत स्पष्ट कर चुका है कि प्रमोशन नहीं रोके जा सकते। 15 दिसंबर 2022 को वेटरनरी डॉक्टरों के मामले में ग्वालियर हाईकोर्ट ने सरकार को पदोन्नति के लिए निर्देशित किया था। 21 मार्च 2024 को जबलपुर हाईकोर्ट ने नगरीय निकायों में कार्यरत असिस्टेंट इंजीनियर्स की याचिका पर सुनवाई कर दो महीने में प्रमोशन का आदेश दिया। 22 मार्च 2024 को हाईकोर्ट ने रिट पिटीशन में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रामबहादुर सिंह समेत अन्य कर्मचारियों के प्रमोशन किए जाने के निर्देश दिए।

कमेटी की बैठक ही नहीं हो सकी

कमलनाथ सरकार के समय मामला सदन में उठा। तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति ने आसंदी से यहां तक कहा कि जब तक राज्य कर्मचारियों के प्रमोशन शुरू नहीं होते, तब तक नौकरशाहों के भी प्रमोशन न किए जाएं। राज्य कर्मचारियों के प्रमोशन का रास्ता निकालने हाईपावर कमेटी बनाई गइ। कमेटी कागजों तक सीमित रही। बैठक नहीं हो पाई और कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई। शिवराज सरकार में भी कैबिनेट कमेटी गठित हुई, लेकिन कोई निर्णय नहीं हो सका। तभी से मामला फाइलों में कैद है। हालांकि अधिकारी, कर्मचारियों की नाराजगी दूर करने के लिए सरकार ने उच्च पद का प्रभार देने का रास्ता निकाला है। कर्मचारियों और अधिकारियों को कार्यवाहक का प्रभार सौंपकर संतुष्ट किया जा रहा है। पुलिस, जेल और वन विभाग के वर्दी वाले पदों पर यह व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन कर्मचारी इससे संतुष्ट नहीं हैं।

कांग्रेस विधायकों ने लगाए आरोप

भारती बोले- सौरभ और नरोत्तम के कनेक्शन का खुलासा जरूरी

पत्रिका मालदार परिवहन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में दतिया से कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती ने कहा हैं कि सौरभ और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के कनेक्शन का खुलासा होना चाहिए। सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि सौरभ को स्वास्थ्य विभाग में अनुकंपा नियुक्ति मिलनी चाहिए थी, लेकिन उसे परिवहन में नियुक्ति मिली। अनुशंसा तत्कालीन मंत्री नरोत्तम ने की थी। यह जांच भी होना चाहिए कि आखिर क्या परिस्थितियां थीं कि सौरभ को स्वास्थ्य में नियुक्ति नहीं दी गई, उस दौरान विभाग में कितने पद खाली थे।

भारती ने दतिया के पूर्व विधायक शम्भू तिवारी, कोमल मिश्रा की संदिग्ध मौत का जिक्र कर कहा कि यह राज उनके साथ ही दफन हो गए। भारती ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा में जाने पर सभी के भ्रष्टाचार साफ हो जाते हैं कि भाजपा के पास ऐसी कोई वॉशिंग मशीन नहीं है जो नरोत्तम के भ्रष्टाचारों को धो सके। विधायक ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

...तो संरक्षण देने वालों की कमाई कितनी?

विधायक भारती ने आरोप लगाया कि सौरभ को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने और उसके बाद दतिया की चूरूला बैरियर पर पोस्टिंग कराने में नरोत्तम मिश्रा की प्रत्यक्ष भूमिका रही। यहीं से सौरभ ने करोड़ों की उगाही की। उन्होंने कहा कि जब मामूली आरक्षक के पास इतना पैसा और संपत्ति है तो सोचिए उसे संरक्षण देने वालों की कमाई कितनी होगी।

इस भ्रष्टाचार में कई : पंकज

मुरैना@पत्रिका. जौरा से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा है कि सौरभ तो छोटी मछली है। इस भ्रष्टाचार में कई आइएएस, मंत्री लिप्त हैं। जांच ईमानदारी से होनी चाहिए। सोमवार को पत्रकारों से चर्चा में कहा कि पूर्व में कई बार मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखे थे। विस में सवाल लगाया, किंतु प्रदेश सरकार ने ध्यान नहीं दिया। सरकार को लिखा था कि ग्वालियर-चंबल संभाग में परिवहन चेकपोस्ट व हाइवे पर वाहनों से अवैध वसूली हो रही है।

आरटीओ के गुर्गे कर रहे लूट

पंकज ने कहा कि किसी न किसी मंत्री के साथ सौरभ का नाम और फोटो सामने आ रहा है। हाईवे पर आरटीओ के गुर्गे वाहन चालकों से खुली लूट कर रहे हैं। अभी ये भ्रष्टाचार बहुत छोटा खुला है। तह तक जाएं तो मुरैना में भी सौरभ जैसे दस-बीस लोग मिल जाएंगे।

सिंगरौली, गोरखपुर, लखनऊ तक बनाई प्रॉपर्टी

एनसीएल अफसर के पास वेतन से चार गुना ज्यादा मिली संपत्ति

जबलपुर @ पत्रिका. सीबीआइ के छापे से चर्चा में आए नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड(एनसीएल) सिंगरौली के सीएमडी के सचिव सुबेदार ओझा के पास वेतन से हुई आय से चार गुना अधिक की संपत्ति मिली है। सीबीआइ जांच में सिंगरौली जिले से लेकर उत्तरप्रदेश के गोरखपुर और लखनऊ तक ओझा और उसके परिवार ने प्रॉपर्टी बनाई थी। उसके खिलाफ अनुपातहीन संपत्ति जुटाने का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

ओझा के साथ ही एनसीएल के अन्य अधिकारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर सीबीआइ ने अगस्त 2024 में छापेमारी की थी। ओझा के घर पर मिले दस्तावेजों से पता चला कि उसने चार साल में चार गुना अधिक की संपत्ति अर्जित कर ली थी। सीबीआइ की रिपोर्ट के अनुसार प्रॉपर्टी का बड़ा हिस्सा ओझा की पत्नी के नाम पर है, जिसकी आय के बारे में कुछ नहीं बताया। लखनऊ की 63 लाख की प्रॉपर्टी के रेकॉर्ड तो बाद में बने।

भाजपा जिला अध्यक्ष चुनाव: सहमति बनाने को तीन दिन में दूसरी बार हुई सत्ता-संगठन की बैठक

दिल्ली भेजी 40 नामों की सूची में महत्त्वपूर्ण जिले गायब

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. संगठन पर्व में उम्दा प्रदर्शन करने वाला मप्र भाजपा संगठन अब जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में पिछड़ता नजर आ रहा है। तय समय सीमा पांच जनवरी तक अध्यक्षों की घोषणा नहीं हो पाई। वजह नामों पर सहमति नहीं बन पाना है।

सूत्रों के मुताबिक दो जनवरी को रायशुमारी में 40 से ज्यादा जिलों पर सहमति बन गई थी। अब उसमें से भी कुछ जिलों में फिर विवाद शुरू हो गया है। इससे सूची अटक गई है। वहीं कई महत्त्वपूर्ण भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, छिंदवाड़ा, सीहोर, टीकमगढ़, सतना और नर्मदापुरम जैसे जिले भी गायब हैं। बता दें छत्तीसगढ़ ने अध्यक्षों की नियुक्ति में बाजी मार ली है।

जिला अध्यक्षों को लेकर तीन दिन के भीतर दूसरी बार सत्ता और संगठन के बीच मंथन हुआ। इस दौरान सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद मौजूद रहे। इस दौरान 10 सबसे ज्यादा विवादित जिलों को लेकर चर्चा हुई। और सिंगल नाम तय किए गए।

देरी से सूची आई तो हंगामे के आसार

प्रदेश के हजारों कार्यकर्ता दो दिन से भोपाल में डेरा डाले हैं। संभावना थी कि छह की शाम तक तो सूची सामने आ ही जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सूत्रों के मुताबिक कई कार्यकर्ता इससे नाराज हैं। माना जा रहा है कि सूची में और देर हुई और पसंद के नेताओं को जिला अध्यक्ष नहीं बनाया गया तो कई कार्यकर्ता हंगामा खड़ा कर सकते हैं।

सहमति का दबाव

2 जनवरी को करीब 40 नामों पर सहमति बनाकर सिंगल नाम तय कर दिल्ली भेजे गए। बताया जाता है कि 40 नामों में से भोपाल, इंदौर, जबलपुर जैसे जिले गायब हैं। इसके बाद से उन जिलों पर जल्द सहमति बनाने के लिए दबाव पड़ा है और फिर सत्ता और संगठन के बीच मंथन का दौर शुरू हो गया है।

'माफिया नहीं होना चाहिए'

पांढुर्ना. जिलाध्यक्ष वैशाली महाले ने कहा है कि जो भी अध्यक्ष बने, वह माफिया नहीं होना चाहिए। महाले ने संकेत दिया कि भाजपा जिलाध्यक्ष पद पर बदलाव संभव है। उनका कहना है कि पार्टी की प्रतिष्ठा और जिले की कमान जिम्मेदार और सम्मानित व्यक्ति के हाथ में होनी चाहिए।

ट्रेंडिंग न्यूज

उच्च शिक्षा

संस्थानों में नामांकन बढ़ाया जाए

भोपाल. उच्च शिक्षा संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात यानी 12वीं पास विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने कलेक्टर के जरिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। बैठक में अपर मुख्य अनुपम राजन ने विभागों को कार्ययोजना बनाकर सकल नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए 14वें सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा की गई।

प्रवेश-पत्र जारी

सीपीसीटी परीक्षा 11 और 12 जनवरी को

भोपाल. सीपीसीटी (कम्प्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट) परीक्षा 11 और 12 जनवरी को आयोजित की जाएगी। इसमें वही शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने 29, 30 नवंबर और एक दिसंबर 2024 की परीक्षा के लिए आवेदन किया था। परीक्षार्थी अपने प्रवेश-पत्र पोर्टल www.cpct.mp.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। ज्ञात रहे कि पूर्व में परीक्षा तकनीकी कारणों से रद्द कर दी गई थी।

राज्य पुलिस सेवा

चार अधिकारियों को आइपीएस अवॉर्ड

भोपाल. राज्य पुलिस सेवा के चार अधिकारियों का आइपीएस अवॉर्ड हुआ है। आदेश सोमवार को जारी हुए। 1995 बैच के प्रकाश चंद परिहार, 1997 बैच के दिलीप कुमार सोनी, अवधेश प्रताप सिंह और राजेंद्र कुमार वर्मा आइपीएस बने हैं। 12 नामों के पैनल में वरिष्ठता क्रम में शीर्ष चार का चयन किया गया। बता दें कि डीपीसी 16 दिसंबर को दिल्ली में हुई थी।

ऐसा पहली बार लोकायुक्त संगठन को भ्रष्टाचारियों के खिलाफ रोजाना 20 से ज्यादा शिकायतें

सर... सालभर से काम अटका है, अफसर पैसे मांग रहा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों से जुड़ी शिकायतें आम जनता आसानी से लोकायुक्त को कर सके, इसके लिए लोकायुक्त पुलिस संगठन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया था। असर भी दिखने लगा है। लोकायुक्त मुख्यालय से संचालित नंबर अब प्रदेशभर से रोजाना 20 से ज्यादा शिकायतें पहुंच रही हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब सिर्फ फोन के जरिए भ्रष्टाचारियों के खिलाफ इतनी शिकायतें पहुंच रही हैं। लोकायुक्त पुलिस अब भ्रष्टाचारियों की कुंडली भी तैयार कर रही है।

2024 में लोकायुक्त द्वारा की गई कार्रवाई

- **197 :** ट्रैप
- **15 :** अनुपातहीन संपत्ति छापा
- **26 :** पद का दुरुपयोग
- **238 :** कुल

इस नंबर पर सकते हैं शिकायत

लोकायुक्त मुख्यालय की ओर से नवंबर में सेंट्रलाइज हेल्पलाइन नंबर **9407293446** जारी किया गया है। भ्रष्टाचारियों को कैसे ट्रैप करवाना है। क्या सावधानियां बरतनी है। किससे संपर्क करना है... जैसी जानकारी दी जाती है। उक्त नंबर पर फोन कर भ्रष्टाचार की शिकायत की जा सकती है।

तथ्यों की पड़ताल कर होती है कार्रवाई

भोपाल लोकायुक्त एसपी दुर्गेश राठौड़ ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर जारी करने का आम जनता पर काफी प्रभाव पड़ा है। रोजाना करीब 20 शिकायतें आ रही है। शिकायतों के तथ्यों की पहले पड़ताल की जाती है। उसके बाद आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जाता है। राठौड़ ने बताया कि कई बार लोग ऐसी शिकायतें करते हैं जो लोकायुक्त से संबंधित नहीं होता है तो ऐसे लोगों की शिकायतों को संबंधित विभाग में भेजा जाता है।

अभियान में सकारात्मक परिणाम

भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में लोगों को जागरूक करने के लिए ये प्रयास किया गया था। जिसका काफी सकारात्मक परिणाम मिल रहा है। प्रतिदिन करीब 20 शिकायतें प्रदेशभर से आ रही है। उसी का नतीजा है कि पिछले एक माह में कई बड़ी कार्रवाई लोकायुक्त द्वारा की गई है।

जयदीप प्रसाद, लोकायुक्त, डीजी

गरीब वृद्धजनों को नहीं मिल पा रहे जरूरी सहायक उपकरण

प्रदेश के नाममात्र बुजुर्गों को ही मिल पाया राष्ट्रीय वयोश्री योजना का लाभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. आयु जनित दिव्यांगता और कमजोरी से पीड़ित गरीब वरिष्ठ नागरिकों को उनका जीवन सरल बनाने वाले उपकरण देने के लिए चलाई जा रही राष्ट्रीय वयोश्री योजना का लाभ मप्र के बुजुर्गों को नहीं मिल पा रहा है। पिछले एक साल में केवल 4392 वृद्धजनों को ही लाभ मिला है, जबकि ऐसे बुजुर्गों की संख्या दो लाख से अधिक है। अधिकांश बुजुर्गों को इसकी जानकारी नहीं है। नियमित शिविरों का भी आयोजन नहीं हो पा रहा है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा उम्र संबंधी दिव्यांगता या अन्य कमजोरी से पीडित बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को शारीरिक सहायता यंत्र और जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध कराने योजना का संचालन किया जा रहा है। जिलों में शिविरों का आयोजन करना जरूरी है। आयोजन आर्टिफिशियल लिंब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलिम्को) के सहयोग से किया जाता है। शिविरों में गरीब बुजुर्गों का मूल्यांकन, परीक्षण, चिन्हांकन किया जाता है। इसके बाद उन्हें सहायक उपकरणों का वितरण किया जाता है, लेकिन अभी तक शिविर आयोजित नहीं हुए हैं। विधानसभा सत्र में विभागीय मंत्री ने भी स्वीकारा है कि योजना का लाभ मप्र में न्यूनतम मिल पाया है। विभाग की पीएस सोनाली वायंगणकर के अनुसार शिविर आयोजन के लिए केंद्रीय मंत्रालय को पत्र लिखा गया है।

कार्रवाई

पान-मसाला और तंबाकू डीलरों से 9.22 करोड़ कर चोरी उजागर

गांधीनगर @ पत्रिका. राज्य जीएसटी विभाग ने अहमदाबाद के चांगोदर और एस.जी. हाइवे समेत 10 स्थानों पर पान मसाला और तंबाकू डीलरों के यहां दबिश देकर 9.22 करोड़ रुपए की कर चोरी उजागर की। स्टेट जीएसटी की टीम ने जांच के दौरान कैश ट्रांजेक्शन के जरिए बगैर हिसाब के बिक्री, स्टॉक और बगैर पंजीकरण वाले डीलरों जैसी कई अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पंजीकृत करदाताओं और बगैर पंजीकरण वाले डीलरों से करीब 9.22 करोड़ रुपए की कर चोरी का पता चला। यह राशि आरोपियों ने स्वीकार की है और उन्हें चुका दी गई है। राज्य जीएसटी विभाग ने सरकारी राजस्व की सुरक्षा और वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है।

चार उच्च अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपे

गांधीनगर @ पत्रिका. गुजरात सरकार ने चार अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपे हैं। इनमें तीन आईएएस और एक जीएएस अधिकारी हैं। राजकोट क्षेत्रीय नगरपालिका आयुक्त -राजकोट को महानगरपालिका के उपायुक्त, सूरत महानगरपालिका के उपायुक्त डॉ. राजेन्द्र पटेल को क्षेत्रीय नगरपालिका आयुक्त-सूरत। वहीं क्षेत्रीय नगर पालिका आयुक्त भावनगर के डी.एम. सोलंकी को भावनगर जिला विकास अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। आणंद के ग्रामीण विकास निदेशक जेवी देसाई को जिला विकास अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

विधानसभा की समिति का वडोदरा-सूरत दौरा आज से

गांधीनगर @ पत्रिका. गुजरात विधानसभा की अनुसूचित जनजातियों के कल्याण की समिति मंगलवार से 10 जनवरी तक वडोदरा और सूरत जिलों के दौरे पर जाएगी। ये समिति नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, नवसारी और वलसाड जिलों के अध्ययन दौरे पर जाएगी। यह समिति 7 और 8 जनवरी को केवड़िया, करजण डैम, काकरापार प्रोजेक्ट, उकाई डैम व मांडवी का दौरा करेगी।

राजकोट में महिला कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

राजकोट @ पत्रिका. गुजरात भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राजकोट शहर के गांधीग्राम दो यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन की महिला कांस्टेबल अनीता वाघेला को एक हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा है। एसीबी ने सोमवार को गांधीग्राम-2 यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन में ही जाल बिछाकर कार्रवाई की। एसीबी के तहत उन्हें महिला कांस्टेबल विरुद्ध शिकायत मिली है।

अहमदाबाद में दो माह का बच्चा पॉजिटिव, स्वास्थ्य विभाग गंभीर

गुजरात में मिला एचएमपीवी वायरस का पहला मामला

राजस्थान के डूंगरपुर से उपचार के लिए आए बच्चे की हालत स्थिर, स्वास्थ्य मंत्री का दावा विभाग सचेत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. अहमदाबाद. चीन में इन दिनों ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के फैलने के बीच गुजरात में सोमवार को भी इस वायरस का पहला मामले सामने आया। अहमदाबाद के चांदखेड़ा इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती 2 महीने के बच्चे की एचएमपीवी सैंपल रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। यह बच्चा राजस्थान के डूंगरपुर से इलाज के लिए अहमदाबाद लाया गया था जो यहां एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन है और उसकी हालत स्थिर बताई जाती है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग सचेत है। मामले की निगरानी जारी है। उपचार और जनजागृति सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां चल रही हैं। यह वायरस सर्दी के मौसम के दौरान विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों में दिखता है। इसके लक्षणों में सामान्य सर्दी व फ्लू शामिल हैं।

जिलों के सीडीएचओ को निर्देश: सवास्थ्य विभाग ने सतर्कता के तहत गत दिनों बैठक कर राज्य के प्रत्येक जिलों के सीडीएचऔ, सिविल सर्जन, एसडीएच सुप्रिटेंडेंट को इस वायरस के संक्रमण के संबंधित मुद्दों को लेकर पूरा ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

अगले सप्ताह से केस का निदान: एचएमपीवी वायरस से संबंधित मामलों के निदान के लिए राज्य के जिला अस्पताल से लेकर मेडिकल कॉलेज संलग्न अस्पताल व सिविल अस्पताल में भी व्यवस्था की जाएगी। अगले सप्ताह से राज्य में भी इस केस का निदान हो सकेगा।

यह कोई नया वायरस नहीं, इसकी पहचान वर्ष 2001 में हो चुकी

एचएमपीवी से घबराने की जरूरत नहीं, सतर्कता बरतें: स्वास्थ्य मंत्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि एचएमपीवी वायरस से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। यह वायरस भी अन्य वायरसों की तरह सांस से फैलता है। उन्होंने कहा कि यह कोई नया वायरस नहीं है। इसकी पहचान वर्ष 2001 में हो गई थी। इस वायरस का पहला केस आने पर राज्य में स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। केसों का निरीक्षण, निदान और जागरूकता फैलाने की तैयारियां की जाएंगी। वायरस का संक्रमण न फैले इसके लिए लक्षण को समझना जरूरी है, साथ ही क्या करना चाहिए उसके बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

कोरोना संक्रमण से बचाव जैसे कदम उठाएं: वायरस प्रभावित शंकास्पद व्यक्ति को खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को कपड़े से ढंक लेना चाहिए जिससे दूसरे व्यक्ति तक संक्रमण नहीं फैले। जिस तरह से कोरोना से बचने के लिए लोग सतर्कता बरतते हैं, ठीक उसी तरह से इस वायरस से भी सुरक्षा बरतनी चाहिए। बुखार, खांसी, छींक से परेशान व्यक्ति को भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए। अधिक पानी पीने और पौष्टिक भोजन करने की सलाह दी गई है। साथ ही पर्याप्त नींद लेनी चाहिए।

सांस संबंधित बीमारियां होने पर मरीज को तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। साथ ही ऐसे व्यक्ति को दूसरे के संपर्क में आने से बचे रहना चाहिए ताकि दूसरों को संक्रमण न लगे। उचित वेंटिलेशन वाली जगह में रहने से रोग को फैलने से रोका जा सकता है। समय -समय पर हाथ धोने चाहिए।

सर्दी, खांसी, छींक का रहना प्रारंभिक लक्षण

इस वायरस संक्रमित के लक्षण में प्राथमिक तौर पर सर्दी और फ्लू का असर होता है। जिस तरह से आम सर्दी के मरीज को खांसी, छींक आती है ठीक उसी प्रकार से इस वायरस से संक्रमित होने के प्राथमिक लक्षण भी यही हैं।

अन्य वायरस की तरह फैलने में सक्षम

__एचएमपीवी__ सांस से सांस के मार्फत फैलने में सक्षम है। गले से होकर जाने वाले इस वायरस से फेफड़े संक्रमित होते हैं।

ऑरेंज अस्पताल को नोटिस

महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग ने शहर के चांदखेड़ा स्थित ऑरेंज नियोनेटल एंड पीडियाट्रिक हॉस्पिटल को ह्यूमन मेटा न्यूमोवायरस (एचएमपीवी) की समय रहते जानकारी नहीं दिए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस हॉस्पिटल में भर्ती की गई दो माह के बच्चे को 11 दिन पहले ही एचएमपीवी के संक्रमण की पुष्टि हो गई थी। इसके बाद सोमवार को मनपा के स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए गए फोन पर अस्पताल ने यह जानकारी साझा की।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में बना विशेष वार्ड

शहर में एचएमपीवी के दस्तक देने के बाद हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग ने अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में विशेष वार्ड बना दिया है। इस वार्ड में फिलहाल 15 बेड की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने बंगाल लौटे मछुआरों को सागरद्वीप में

ममता ने बांग्लादेश से लौटे 94 मछुआरों को सौंपे 10-10 हजार

कहा, बांग्लादेश में भारतीय मछुआरों को डंडे से पीटा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को बांग्लादेश की जेल से रिहा हुए 95 भारतीय मछुआरों का सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बंगाल सरकार ने 94 भारतीय मछुआरों को 10-10 हजार रुपए दिए और ट्रॉलर से कूदकर जान गंवाने वाले मछुआरे के परिवार को दो लाख रुपए दिए। भारत-बांग्लादेश के बीच कैदियों की अदला-बदली के तहत इन्हें छोड़ा गया। सभी पश्चिम बंगाल के हैं। गंगासागर में आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में कुछ भारतीय मछुआरों को डंडों से पीटा गया।

मैंने देखा कि बांग्लादेश से लौटे मछुआरे क्यों तकलीफ में हैं। पूछने पर पता चला कि कुछ के हाथ रस्सियों से बंधे हुए थे और पैरों पर डंडों से मारा गया। उन्हें कमर से नीचे तक चोटें लगी हैं। उन लोगों ने मुझे रोते हुए आपबीती बताया। मैं कलक्टर से उनकी उचित चिकित्सा मुहैया कराने को कहा है। प्रत्येक वर्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और अन्य के माध्यम से हमें पता चला कि गलती से बांग्लादेश सीमा में जाने के बाद मछुआरे लापता हो गए। बाद में उनकी गिरफ्तारी की खबर मिली। दोनों देश एक दूसरे के संपर्क में थे और कानून की मदद से उन्हें जेल में रखने की व्यवस्था की गई। आज वे परिवार के साथ हैं और उनके परिवार मुस्कुरा रहे हैं लेकिन, पिछले दो महीनों से इनको लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।

मृतक के परिवार को दो लाख

मकर संक्रांति के अवसर पर दक्षिण 24 परगना जिले के सागर में लगने वाले विश्व प्रसिद्ध गंगासार मेले की तैयारी देखने सागरद्वीप पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने ट्रॉलर से कूदकर जान गंवाने वाले मछुआरे के परिवार को दो लाख रुपए दिए गए। उन्होंने कहा कि कभी-कभी बांग्लादेश के ट्रॉलर भी रास्ता भूलकर भारतीय सीमा में चले आते हैं। पिछले दिनों एक बांग्लादेशी ट्रॉलर भारतीय सीमा में आ गया था। उस पर सवार कुछ मछुआरे अस्वस्थ थे। हमने उनका इलाज करवाया और उन्हें अच्छी तरह से रखा ताकि हमारे देश और बंगाल का नाम खराब नहीं हो। अंत में, दोनों देशों ने एक-दूसरे के नागरिकों को सौंप दिया।

अदला-बदली के तहत छोड़े गए

रविवार को भारत और बांग्लादेश के बीच बंगाल की खाड़ी में समुद्री सीमा के बीचोबीच कैदियों की अदला-बदली हुई। बांग्लादेश तटरक्षक बल ने बंगाल के मछुआरों और ट्रॉलर सौंप दिया। भारतीय तट रक्षक जहाजों वरद और अमृत कौर ने 95 भारतीय मछुआरों और चार नौकाओं को स्वदेश भेज दिया। भारतीय तटरक्षक बल ने डूबे हुए ट्रॉलर कौशिक से बचाए गए 12 मछुआरे सहित 90 बांग्लादेशी मछुआरों को बांग्लादेश तट रक्षक को सौंप दिया। पिछले वर्ष अक्टूबर में, मछली पकड़ने के दौरान बंगाल के छह ट्रॉलर बांग्लादेश के समुद्री सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे। बांग्लादेश नौसेना ने ट्रॉलरों पर सवार 95 भारतीय मछुआरों को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

बाइक की टक्कर से जख्मी हुआ बंदर

बैरकपुर @ पत्रिका. उत्तर 24 परगना जिले के बारासात-बैरकपुर लिंक रोड पर मातरंगी में नतूनपाड़ा में रास्ते में एक बंदर को बाइक से धक्का लगने के बाद जख्मी हो गया। इसके बाद स्थानीय युवक विधान रॉय ने हैम रेडियो को जानकारी दी। इसके बाद हैम रेडियो के लोग पहुंचे और उस बंदर के इलाज के लिए सारे इंतजाम किए। उसे गरम कपड़े में रखा गया।

कॉल सेंटर पर एसएमसी की दबिश, पांच को पकड़ा

अहमदाबाद @ पत्रिका. स्टेट मॉनीटरिंग सेल (एसएमसी) की टीम ने अहमदाबाद ग्रामीण के चांगोदर थाना इलाके में मोरैया गांव में स्थित स्पेन विला सोसायटी में दबिश देकर फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। मौके से पांच आरोपियों को पकड़ा है। उनके पास से 55हजार की नकदी, 19 मोबाइल फोन, सहित 31 लाख का मुद्दामाल बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों में कॉल सेंटर को चलाने वाला मुख्य आरोपी संजय ठाकोर (25), कॉलर दिलीप ठाकोर, लक्ष्मणजी ठाकोर, विपुलजी ठाकोर और राहुलजी ठाकोर शामिल हैं। सभी महेसाणा जिले के रहने वाले हैं। आरोपी खुद को शेयर ब्रोकर बताते हुए लोगों से बात करते और उन्हें शेयर में निवेश के लिए प्रेरित करते थे।

आयुष्मान कार्ड योजना में जल्द अप्रूवल नहीं मिलने से कई ऑपरेशन अटके

ख्याति अस्पताल की गड़बड़ी से परेशानी

अस्पतालों में आपात स्थिति में भर्ती कई मरीजों को हैं मंजूरी का इंतजार

सूरत. अहमदाबाद की ख्याति अस्पताल में आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का दुरुपयोग कर मरीजों के उपचार के बहाने बड़ा घोटाला सामने आया है। हालांकि इसका खामियाजा अब मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। घोटाले के बाद से सख्त हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयुष्मान योजना के तहत जिन मरीजों का उपचार किया जाना है, उन्हें जल्द मंजूरी नहीं मिलने से मरीज और मरीजों के परिजन परेशान हो रहे हैं।

राज्य सरकार की ओर से आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य योजना के तहत नागरिकों मुफ्त में उपचार दिया जाता है। निजी अस्पतालों में भी मरीज अपना उपचार करवा सकते हैं। नागरिकों के लिए बड़ी राहत वाली यह योजना घपलेबाजों का शिकार हो गई। अहमदाबाद की ख्याति अस्पताल में योजना का दुरुपयोग कर मरीजों के जरूरत बिना ही ऑपरेशन कर लाखों रुपए योजना से पास करवाए गए।

घोटाला सामने आने के बाद नींद से जागी सरकार ने अब नई एजेंसी को कार्य सौंपा है और नई एसओपी भी जारी की गई है। हालांकि दूसरी ओर मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत जो लोग उपचार करवाना चाह रहे हैं, उन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से जल्द मंजूरी नहीं मिल रही होने की शिकायतें मिल रही हैं। कई मरीज तो आपात स्थिति में अस्पतालों में भर्ती हुए हैं, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने से उनका उपचार अटका पड़ा हुआ है।

सूरत से विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य योजना के तहत मरीजों को जल्द मंजूरी नहीं मिलने से मरीज और मरीजों के परिजन परेशान होने की शिकायतें मिलने के बाद वराछा से विधायक कुमार कानाणी सक्रिय हुए हैं। उन्होंने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को पत्र लिखकर उचित मामलों में जल्द मंजूरी देने की व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ख्याति

अस्पताल ने घोटाला किया और भुगतना जनता को पड़ रहा है, यह ठीक नहीं है।

‘स्टैंडर्ड कार्निवल’ के विजेताओं को किया सम्मानित

सरकारी खरीदी में बीआईएस उत्पादों को प्राथमिकता: सीएम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट’ लक्ष्य के साथ मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड की ब्रांड इंडिया इमेज खड़ी करने के आह्वान को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और सेवाओं के साथ ही साकार किया जा सकता है। ऐसे में खरीद नीति 2024 में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की ओर से प्रमाणित उत्पादों को प्राथमिकता देने की राज्य सरकार की मंशा है। उन्होंने सोमवार को गांधीनगर में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 78वें स्थापना दिवस पर आयोजित क्वालिटी कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते समय यह बात कही।

बीआईएस अहमदाबाद, गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) के सहयोग से आयोजित इस कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने गुजराती कॉमिक बुक का विमोचन और ‘स्टैंडर्ड कार्निवल’ क्विज स्पर्धा के विजेता को सम्मानित भी किया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में क्वालिटी और सस्टेनेबिलिटी को दिए गए महत्व के चलते आज भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और स्टैंडर्ड की इमेज में 360 डिग्री का बदलाव आया है।

गुणवत्ता के लिए सीएमओ को आईएसओ प्रमाण पत्र

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने 2024 से 2026 की अवधि के लिए क्वालिटी पब्लिक डिलिवरी सिस्टम के लिए आईएसओ 9001-2015 सर्टिफिकेशन प्राप्त किया है। राज्य सरकार ने गुणवत्ता और मानक को महत्व देते हुए प्रोक्योरमेंट पॉलिसी (खरीद नीति) 2024 के अंतर्गत भी बीआईएस सर्टिफिकेशन वाले उत्पादों-वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता दी है। बीआईएस-अहमदाबाद के निदेशक सुमित सेंगर ने बीआईएस और गुजरात सरकार की राज्य में क्वालिटी और स्टैंडर्ड के लिए साथ मिलकर की गई पहलों की जानकारी दी। जीसीसीआई के अध्यक्ष संदीप इंजीनियर ने आभार ज्ञापित किया।

विस की दीर्घकालिक परंपरा का अनादर कर रहे गवर्नर: वामदल

चेन्नई @ पत्रिका. सीपीएम और सीपीआई ने मंगलवार को राज्यपाल आरएन रवि की राज्य विधानसभा से अपना पारंपरिक भाषण दिए बिना बाहर चले जाने के लिए कड़ी आलोचना की। सीपीएम के राज्य सचिव पी षणमुगम ने एक बयान में कहा कि तमिलनाडु विधानसभा में राष्ट्रगान बजाने से पहले ''तमिल थाई वाझथु'' का पाठ करने की लंबे समय से परंपरा रही है। तमिलनाडु विधानसभा ने कई वर्षों से इस परंपरा को कायम रखा है। राज्यपाल आरएन रवि ने भाजपा सरकार की इच्छा के अनुसार काम करने, इन परंपराओं का अनादर करने और अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने की आदत बना ली है। षणमुगम ने मांग की कि रवि, जिन्होंने बार-बार विधानसभा छोड़ी है, उनको राज्यपाल के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

डीएमके ने राज्यपाल का भाषण रोकने को ऐसा किया: ईपीएस

चेन्नई @ पत्रिका. विपक्ष के नेता एडपाडी के पलनीस्वामी ने सोमवार को कहा कि राज्यपाल आर एन रवि ने विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार नहीं किया और डीएमके सरकार पर राज्यपाल को साल के पहले सत्र में अपना पारंपरिक भाषण देने से रोकने के लिए ‘जानबूझकर काम’ करने का आरोप लगाया। तमिलनाडु विधानसभा ने लगातार इस परंपरा का पालन किया है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि पलनीस्वामी ने राज्य विधानसभा के बाहर मीडिया को बताया कि सत्तारूढ़ सरकार ने राज्यपाल को साल के सत्र की शुरुआत के अवसर पर सदन में अपना भाषण देने से रोकने के लिए जानबूझकर कार्रवाई की है।

अध्यक्ष का अभिभाषण

डीएमके के सत्ता में आने के बाद से राज्यपाल का पारंपरिक अभिभाषण प्रभावी रूप से ‘अध्यक्ष के अभिभाषण’ में बदल गया है। तीन वर्षों से यही स्थिति है। राज्यपाल के भाषण पर टिप्पणी करते हुए पलनीस्वामी ने बताया कि इस साल के लिए कोई नई योजना या परियोजना की घोषणा नहीं की गई है।

राज्य के विकास के लिए कोई घोषणा नहीं: रामदास

चेन्नई @ पत्रिका. पीएमके संस्थापक एस रामदास ने कहा कि विधानसभा में दर्ज राज्यपाल के अभिभाषण में तमिलनाडु के विकास को गति देने के लिए कोई नई घोषणा नहीं की गई है। वरिष्ठ नेता ने एक बयान में यह भी कहा कि यह अस्वीकार्य है कि राज्यपाल ने सोमवार को अभिभाषण पढ़े बिना विधानसभा से 'अस्वीकार्य' कारण बताते हुए वॉकआउट कर दिया। लेकिन यह निराशाजनक है कि राज्य के विकास के लिए कोई घोषणा नहीं की गई। पीएमके 69 प्रतिशत आरक्षण की रक्षा के लिए जाति आधारित जनगणना की मांग कर रही है। राज्यपाल के अभिभाषण में जनगणना के बारे में घोषणा की उम्मीद थी। इसके बजाय केंद्र को जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित जनगणना के लिए कहा गया है। यह विश्वासघात और सामाजिक अन्याय है। डीएमके सरकार ने पिछले 4 सालों में नए मेडिकल कॉलेज नहीं बनाए हैं। सरकारी नौकरियों में रिक्त पदों को भरने के लिए कोई घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने मांग की कि अगर 'डीएमके प्रचार मॉडल' सरकार को लोगों के कल्याण की कोई चिंता है, तो सरकार को धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान ऐसी घोषणाएं करनी चाहिए।

राज्यपाल का अभिभाषण पढ़े बिना विधानसभा छोड़ना ‘बचकाना’ है: सीएम स्टालिन

चेन्नई @ पत्रिका. मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को विधानसभा में अपना पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना राज्यपाल आरएन रवि के चले जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे बचकाना बताया। उन्होंने राज्यपाल पर राज्य के लोगों का लगातार अपमान करने का आरोप लगाया।

रवि द्वारा इस साल के विधानसभा सत्र के पहले दिन सदन से बाहर चले जाने और विधायकों को अपना संबोधन देने से परहेज करने पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने कहा कि यह संविधान और राष्ट्रगान का 'अनादर' है। उन्होंने कहा, संविधान के अनुसार, राज्यपाल के लिए विधानसभा में वर्ष की शुरुआत में सरकार का अभिभाषण पढ़ना लोकतांत्रिक परंपरा है। उन्होंने परंपरा का उल्लंघन करना अपनी आदत बना ली है।

बड़ा सवाल बताया

स्टालिन ने आलोचना करते हुए कहा, ''तमिलनाडु के लोगों, उनके द्वारा चुनी गई सरकार और तमिलनाडु विधानसभा का लगातार अपमान करना उनके पद के लिए अनुचित है। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के पद पर बने रहने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कोई व्यक्ति जो अपने संवैधानिक कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए तैयार नहीं है, वह पद पर क्यों बना रहेगा... यह एक ऐसा सवाल है जो हर किसी के दिमाग में घूम रहा है।''

चुनाव आयोग की रिपोर्ट | राज्य में 2.58 करोड़ पुरूष और 2.44 करोड़ महिला मतदाता

गुजरात में अब 5.3 करोड़ मतदाता, 3.95 लाख बढ़े

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची के मुताबिक एक जनवरी 2025 तक प्रदेश में 5.03 करोड़ मतदाता पंजीकृत हुए हैं। इसमें 2.58 करोड़ पुरुष और 2.44 करोड़ महिला मतदाता हैं। इसके अलावा 1,569 थर्ड जेंडर हैं। राज्य में मतदाताओं की संख्या में 3.95 लाख का इजाफा हुआ है।

चुनाव आयोग के मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान, चुनाव प्रशासन ने कार्रवाई की। इसके चलते अंतिम मतदाता सूची में 01 जनवरी 2025 तक, 1,72,776 पुरुष, 2,23,023 महिलाएं और 20 थर्ड जेंडर मतदाताओं सहित कुल 3,95,819 मतदाता बढ़े हैं। मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम हुआ। इसमें 20 अगस्त से 18 नवंबर तक घर-घर सर्वेक्षण कर मतदाता सूची की जांच की गई। वहीं 29 अक्टूबर से 28 नवंबर तक मतदाता सूची में दर्ज नामों में संशोधन, कमी और नए नाम जोड़ने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए।

29 अक्टूबर को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में 2,56,56,321 पुरुष, 2,42,61,567 महिलाएं और 1,569 थर्ड जेंडर मतदाता सहित 4,99,19,441 मतदाता पंजीकृत थे। 06 जनवरी 2025 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार 2,58,28,987 पुरुष, 2,44,84,704 महिलाएं और 1,569 थर्ड जेंडर मतदाता सहित कुल 5,03,15,260 मतदाता पंजीकृत हुए हैं।

एप-वेबसाइट के जरिए दर्ज करा सकेंगे नाम

अभी भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने या कमी करने के लिए वोटर हेल्पलाइन एप और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित मतदाता पंजीकरण अधिकारी-कलक्टर कार्यालय या अपने क्षेत्र के मतदाता सूची अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क करके भी आवेदन किया जा सकता है।

डाक से भेजे नए मतदाता पहचान पत्र, डाउनलोड भी कर सकेंगे

मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) की वितरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पोस्ट के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र मतदाताओं के घर भेजे जाएंगे। नए नाम जोड़ने और संशोधन स्वीकृत होने के बाद, e- EPIC डाउनलोड करने की सुविधा भी चुनाव आयोग की ओर से प्रदान की गई है।

शेयर बाजार		सोना		चांदी		बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
सेंसेक्स	निफ्टी	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)							
77,965 (-1258.12)	23,616 (-388.70)	₹79,000 (प्रति 10 ग्राम)(-50)	₹77,419 (प्रति 10 ग्राम)(+102)	₹89,800 (प्रति किग्रा)(+550)	₹91,200 (प्रति किग्रा)(+1979)	$ 99,208 (+1.66)	$ 3,653 (+1.13)	$ 717.8 (+1.52%)	₹85.70 (प्रति 1 डॉलर)	₹89.26 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85

मांग : निर्मला सीतारमण की बजट-पूर्व बैठकें पूरी...

टैक्स से लेकर नौकरी तक, ये हैं आम बजट से उम्मीदें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. वित्त मंत्रालय ने कई स्टेकहोल्डर्स के साथ बजट से पहले चर्चा के 9 चरणों को पूरा कर लिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की किसान संगठनों से लेकर उद्योग जगत के साथ हुई चर्चा में खपत और रोजगार बढ़ाने, लोगों और एमएसएमई को इनकम टैक्स में रियायत देने के साथ व्यापक सुधारों को लेकर सुझाव दिए गए। यह बजट इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सितंबर तिमाही में अपेक्षा से कम आर्थिक वृद्धि और दुनिया में जारी अनिश्चितताओं के बीच पेश किया जाएगा। वित्त मंत्री जिन अर्थशास्त्रियों, व्यवसायियों, व्यापारियों और किसानों से मिली उन्होंने निवेश, महंगाई, और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मुद्दे उठाए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार की भी मांग की गई है। मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी को लेकर चर्चा की गई जो आर्थिक वृद्धि और रोजगार के लिए महत्वपूर्ण है। स्थानीय स्तर पर कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं विकसित करने के सुझाव दिए गए ताकि खाद्य महंगाई नियंत्रित हो सके।

ये सुझाव दिए गए...

- औद्योगिक और आर्थिक विशेषज्ञों ने मांग बढ़ाने और लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ाने के लिए टैक्स छूट की वकालत की है। ***उद्योग संगठन सीआइआइ ने 20 लाख तक की इनकम पर टैक्स छूट की मांग की है।***
- सीआइआइ ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने का सुझाव दिया है, ***ताकि उपभोक्ताओं और व्यवसायों का वित्तीय बोझ घटे।***
- 750 करोड़ का यूएस-फोकस्ड मार्केटिंग स्कीम का सुझाव दिया गया, ***जो अगले तीन सालों में 25 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात उत्पन्न कर सकता है।***
- किसानों ने पीएम किसान योजना के तहत सहायता राशि को दोगुना करके 12,000 रुपए करने और ***इनपुट लागत जैसे बीज, खाद, और कीटनाशकों पर जीएसटी हटाने का अनुरोध किया है।***

शेयर बाजार : विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपए में गिरावट से सेंसेक्स 1258 अंक लुढ़का

एचएमपीवी आउटब्रेक से दहला बाजार, निवेशकों को ₹11 लाख करोड़ की चपत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. शेयर बाजार सोमवार को तेजी में खुले, पर बेंगलुरु में एचएमपीवी का केस आने के बाद हालात बदल गए। इससे निवेशकों के हाथ-पांव फूल गए और देखते ही देखते सेंसेक्स 1400 अंक तक गिर गया। सेंसेक्स 1258 अंक यानी 1.59% की गिरावट के साथ 77,965 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 389 अंक यानी 1.61% गिरावट के साथ 23,616 अंक पर बंद हुआ। सबसे अधिक मार छोटी-मझोली कंपनियों पर पड़ी। इससे एक दिन में ही निवेशकों के 11 लाख करोड़ रुपए डूब गए।

बीएसई मिडकैप 2.44%, स्मॉल कैप इंडेक्स 3.17%, निफ्टी माइक्रो कैप इंडेक्स 3.72% लुढ़क गया। सरकारी बैंकों के डिपॉजिट के साथ लोन ग्रोथ की रफ्तार सुस्त रहने और खराब दिसंबर तिमाही नतीजों की आशंका से पीएसयू बैंक इंडेक्स 4% गिरा। डॉलर के मुकाबले रुपए के अब तक के न्यूनतम स्तर 85.83 पर आने के साथ विदेशी निवेशकों (एफआइआइ) की बिकवाली से भी बाजार का मूड बिगड़ गया।

छोटी-मझोली कंपनियों पर पड़ी अधिक मार...

इंडेक्स	गिरावट
सेंसेक्स	-1.59%
निफ्टी 50	-1.61%
निफ्टी नेक्स्ट 50	-3.17%
बीएसई मिडकैप	-2.44%
बीएसई स्मॉलकैप	-3.17%
बीएसई 500	-2.10%
निफ्टी माइक्रो.	-3.72%

क्या करें निवेशक: कोटक सिक्योरिटीज के श्रीकांत चौहान ने कहा, केवल उन कंपनियों के शेयर खरीदें जिनका फंडामेंटल मजबूत है और जिनकी अर्निंग ग्रोथ बेहतर है। बाजार में अभी और गिरावट की आशंका है, पर एचएमपीवी वायरस के कारण पैनिक सेलिंग से बचना चाहिए।

इन सेक्टर्स में सबसे अधिक गिरावट

सेक्टोरल इंडेक्स	गिरावट
पीएसयू बैंक	-4.0%
निफ्टी रियल्टी	-3.16%
निफ्टी मेटल	-3.14%
ऑयल एंड गैस	-2.89%
निफ्टी ऑटो	-2.18%
निफ्टी बैंक	-2.09%
बीएसई पीएसयू	-3.56%

पर्सनल फाइनेंस@पत्रिका

बीमा: पॉलिसी लेते समय क्लेम सेटलमेंट, आइसीआर, सब-लिमिट जरूर देखें

मेडिक्लेम पॉलिसी में यदि ये सुविधाएं नहीं हैं, तो वह स्वास्थ्य बीमा नहीं खरीदें

नई दिल्ली @ पत्रिका. महंगाई के दौर में स्वास्थ्य सेवाएं सबसे अधिक तेजी से महंगी हो रही हैं, जिसकी वजह से बीमारियों का इलाज काफी खर्चीला हो गया है। लाइफ स्टाइल में बदलाव, तनाव और अन्य वजहों से लोग कम उम्र में ही कई तरह की गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आपके पास अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस हो। यह न सिर्फ आपकी मेहनत की कमाई को खर्च होने से बचा सकता है, बल्कि खुद को और प्रियजनों को बेहतर जगह इलाज मुहैया कराने में भी मददगार होता है।

पॉलिसी में ये एड-ऑन्स जरूरी

- **नॉन-कंज्यूमेबल्स:** अस्पताल में भर्ती होने के दौरान, दस्ताने, सीरिंज, मास्क जैसी कई वस्तुएं आमतौर पर पॉलिसी के अंतर्गत कवर नहीं होती हैं। इन्हें नॉन-कंज्यूमेबल्स कहा जाता है। ये आपके कुल बिल का 10-15% होते हैं। पॉलिसी में यह एड-ऑन नहीं होने पर इनका भुगतान आपको अपनी जेब से करना होगा।
- **नो क्लेम बोनस:** यह आपको स्वस्थ रहने और पॉलिसी वर्ष में कोई दावा नहीं करने के लिए मिलता है। इससे सम इंश्योर्ड राशि हर साल बिना अतिरिक्त प्रीमियम के बढ़ती है।
- **तत्काल कवर:** अधिकांश स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियां प्रतीक्षा अवधि (सामान्य बीमारियों के लिए 30 दिन, पहले से मौजूद बीमारियों के लिए 3 वर्ष) के साथ आती हैं। तत्काल कवर ऐड-ऑन के साथ आपको बिना प्रतीक्षा किए तत्काल कवरेज मिलता है।

बीमा लेने से पहले इनका ध्यान रखें

1 बेहतर हो सीएसआर: बीमा कंपनी का 3 साल का एवरेज क्लेम सेटलमेंट रेश्यो (सीएसआर) 90% से अधिक होना चाहिए। क्लेम सेटलमेंट रेश्यो का मतलब है कितने लोगों ने क्लेम किया और उनमें से कितनों का क्लेम पास हुआ।

क्लेम सेटलमेंट रेश्यो

90% से ज्यादा	अच्छा
80% से 90%	ठीक-ठाक
80% से कम	पॉलिसी नहीं लें

(3 साल का औसत सीएसआर)

2 हॉस्पिटल नेटवर्क: ज्यादा से ज्यादा हॉस्पिटल्स को कवर करने वाली कंपनियों का हेल्थ इंश्योरेंस लेना बेहतर होता है। इससे ज्यादा बड़े नेटवर्क में आपको इलाज करवाने की सुविधा मिलती है और आसानी से कैशलेस ट्रांजैक्शंस की तरफ बढ़ा जा सकता है।

हॉस्पिटल नेटवर्क

8000 से ज्यादा	अच्छा
5000-8000	ठीक-ठाक
5000 से कम	पॉलिसी नहीं लें

3 अच्छा आइसीआर जरूरी: इंश्योरेंस कंपनी की ओर से कुल कलेक्ट किए गए प्रीमियम के अनुपात में जितना पैसा क्लेम के तहत दिया गया' है, उसे कंपनी का इंकर्ड क्लेम रेश्यो यानी आइसीआर कहते हैं। किसी इंश्योरेंस कंपनी का आइसीआर यदि 55%-75% या इससे ज्यादा है तो उस कंपनी का बीमा खरीद सकते हैं। अधिक क्लेम देने के साथ कंपनी को भी मुनाफा होना लॉन्ग टर्म के लिए अच्छा होता है।

पॉलिसी में कैसे फीचर्स होने चाहिए?

- ***कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस:*** इससे बीमाधारक को मेडिकल बिल का भुगतान नहीं करना पड़ता। बीमा कंपनी सीधे अस्पताल के बिलों का भुगतान करती है।
- ***नो रूम रेंट लिमिट:*** अच्छी पॉलिसी वह है जिसमें हैं, जिनमें रूम रेंट की कैपिंग यानी लिमिट नहीं हो। या फिर लिमिट जितना ज्यादा होगा, उतना बेहतर।
- ***को-पे न हो:*** कुछ खास बीमारियों में इंश्योरेंस कंपनियां लिमिट लगाती है। बेहतर पॉलिसी वह है जिनमें सब लिमिट ना हो। साथ ही को-पे भी नहीं होना चाहिए।
- ***डे केयर*** पॉलिसी में डे केयर उन बीमारियों को लिए होता हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत होती है। जिन पॉलिसीज में यह है, वे बेहतर हैं।

टेलीकॉम : ट्राई इसी महीने एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा, जिससे लोगों को व्यावसायिक और विज्ञापन वाले एसएमएस से पूरी तरह छुटकारा मिलेगा

ग्राहक सिर्फ जरूरी एसएमएस रिसीव करने का विकल्प चुन सकेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दूरसंचार नियामक ट्राइ इस माह पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत ग्राहकों को अनचाहे एसएमएस (व्यावसायिक और विज्ञापन वाले संदेशों) से पूरी तरह छुटकारा मिलेगा। ट्राई ने सभी दूरसंचार कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे ग्राहकों को अधिक प्रभावी डू-नॉट-डिस्टर्ब (डीएनडी) सेवा प्रदान करें। इस सुविधा के तहत लोगों को अपनी पसंद के अनुसार केवल आवश्यक एसएमएस प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। ट्राइ अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा, स्पैम संदेश पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम और टेलीमार्केटर्स के लिए नई जांच प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

निर्देश: अधिक प्रभावी डू-नॉट-डिस्टर्ब सेवा दे कंपनियां

ग्राहक सहमति वापस ले सकेंगे

वर्तमान में यदि उपभोक्ता को किसी विशेष सेवा प्रदाता या विक्रेता से एसएमएस या कॉल प्राप्त होता है और ग्राहक यह शिकायत करते हैं कि यह स्पैम है तो इस पर कंपनियों का तर्क होता है कि उनके पास कागज पर इस विशेष ग्राहक की सहमति है। यह रिकॉर्ड केवल कागज पर है, ऑनलाइन सिस्टम में नहीं। इसलिए हमने ऐसी प्रणाली बनाई है, जहां ग्राहक की पिछली सहमतियां डीएलटी मंच पर आ जाएं। इसके बाद लोग चाहें तो पुरानी सहमति वापस ले सकते हैं।

डीएलटी प्लेटफॉर्म शुरू

अनिल कुमार लाहोटी ने बताया कि डिजिटल वितरण लेजर तकनीक (डीएलटी) प्लेटफॉर्म शुरू किया गया, जहां सभी प्रमुख संस्थाओं (पीई) जैसे बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, कारोबारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ उनके टेलीमार्केटर्स (टीएम) को जोड़ा गया है। इनके लिए डीएलटी पर पंजीकरण आवश्यक है। मोबाइल उपभोक्ताओं को संदेश भेजने के लिए उनकी डिजिटल या कागजी सहमति भी जरूरी है। हालांकि इसमें चुनौती यह है कि ग्राहकों की कागजी सहमति को डीएलटी पर कैसे लाया जाए, क्योंकि आप इसे पूरी तरह त्याग नहीं सकते।

अमान्य संदेश ब्लॉक होंगे

ट्राइ ने कहा कि डीएलटी मंच ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है, जहां सभी कंपनियों को एसएमएस भेजने वाले संचरण प्रक्रिया की घोषणा करनी होगी। इससे हर संदेश को आसानी से ट्रैक कर पाना संभव हो सकेगा। इससे डेटा सुरक्षा से समझौता या एसएमएस वितरण में देरी किए बिना पता लगाया जा सकेगा कि संदेश कहां से भेजा गया है और किसे डिलीवर हुआ है। इसके साथ ही इस तकनीक से हर संदेश की वैधता जांची जाएगी और जो संदेश मान्य नहीं होंगे, उन्हें डिलीवर होने से पहले ही ब्लॉक कर दिया जाएगा।

कॉलिंग पैक का नियम नहीं बदलेगा

वहीं, ट्राइ ने हाल ही में लागू किए गए उस नियम पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है, जिसमें टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं को वॉयस कॉल और एसएमएस के लिए अलग विशेष टैरिफ वाउचर पेश करने का निर्देश दिया गया है। लाहोटी ने कहा कि उपभोक्ताओं को डेटा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, लेकिन मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ट्राइ का ध्यान उद्योग के साथ लोगों के हितों की सुरक्षा पर भी है।

चार महीने की ऊंचाई पर आर्थिक गतिविधियां

दिसंबर में सर्विस सेक्टर का पीएमआइ 59.3 पर पहुंचा

नई दिल्ली. सर्विस सेक्टर के लिए दिसंबर, 2024 शानदार साबित हुआ। पिछले महीने सर्विस सेक्टर का परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआइ) बढ़कर 59.3 अंक पर पहुंच गया, जो नवंबर में 58.4 था। यह पिछले 4 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। मांग में उछाल ने व्यापार को बढ़ाने में मदद की, जिसने उत्पादन बढ़ा और फर्मों ने अधिक से लोगों को काम दिया। उत्पादन में बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण लगातार 41वें महीने नए ऑर्डर बढ़ना है। वित्त और बीमा क्षेत्रों ने नए ऑर्डर और व्यावसायिक गतिविधि में सबसे अधिक वृद्धि देखी। हालांकि दिसंबर में एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 12 महीने के निचले स्तर 56.4 पर आ गया, जिससे कंपोजिट पीएमआइ दिसंबर में 59.2 पर रहा। नवंबर में कंपोजिट पीएमआइ 58.6 पर था।

कंपनियों पर लागत का बोझ कम हुआ

एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, नए व्यवसाय और भविष्य की गतिविधि जैसे दूरदर्शी संकेतकों के मुताबिक भारतीय सर्विस सेक्टर में निकट भविष्य में और भी मजबूत प्रदर्शन जारी रहने की संभावना है। खाद्य, श्रम और सामग्री पर खर्च में वृद्धि के बावजूद दिसंबर 2024 में कंपनियों के लागत में कम वृद्धि देखने को मिली। सर्विस सेक्टर की कंपनियों ने दिसंबर में अपने व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि देखी, लेकिन नवंबर के 15 महीने के उच्चतम स्तर से मुद्रास्फीति की दर में नरमी आई। इससे कंपनियों पर लागत का बोझ कम हुआ।

क्रिसिल रिपोर्ट : महंगाई ने मचाया बवाल, वेज और नॉज वेज थाली की कीमतों में उबाल

वेज थाली 6%, नॉन-वेज 12% महंगी हुई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. आलू-प्याज-टमाटर जैसी सब्जियों के महंगा होने से दिसंबर में घर का बना खाना महंगा हो गया। क्रिसिल रिसर्च की 'राइस रोटी रेट' रिपोर्ट के मुताबिक, शाकाहारी (वेज) थाली तैयार करने की औसत लागत दिसंबर में 6% बढ़कर 31.6 रुपए प्रति प्लेट हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 29.7 रुपए प्लेट थी। हालांकि, यह कीमत नवंबर महीने की 32.7 रुपए की दर से कम है क्योंकि नवंबर के मुकाबले दिसंबर में सब्जियों के दाम घटे हैं। हालांकि सालाना आधार पर सब्जियों के साथ कादय तेल और चिकन की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे नॉन-वेज थाली दिसंबर में 12% महंगी हो गई। चिकन की कीमतें 20% बढ़ने से घर पर नॉनवेज थाली तैयार करने की लागत बढ़कर 63.30 रुपए हो गए जो नवंबर में 61.5 रुपए थी।

3% घटी वेज थाली की कीमत नवंबर की तुलना में ***मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से टमाटर की सप्लाई बढ़ने से***

घर पर थाली बनाने की लागत

	वेज थाली	नॉन-वेज थाली
जून	29.4	58
जुलाई	32.6	61.4
अगस्त	31.2	59.3
सितंबर	31.3	59.3
अक्टूबर	33.3	60.5
नवंबर	32.7	61.5
दिसंबर	31.6	63.3

एक थाली तैयार करने की लागत रुपए में

12% घटी प्याज की कीमतें दिसंबर में नवंबर के मुकाबले, ***पर ब्रॉयलर की कीमत 11% बढ़ गई***

इनकी कीमतें बढ़ने से महंगी हुई थाली

खाद्य पदार्थ	इजाफा
आलू	50%
प्याज	33%
टमाटर	24%
चिकल	20%
खाद्य तेल	16%
दाल	03%

(एक साल में बढ़ी कीमतें)

इसलिए बढ़ी परेशानी: क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर में टमाटर की औसत खुदरा कीमतें सालाना आधार पर 24% बढ़कर 47 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि आलू 50% बढ़कर 36 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया। सरकार की ओर से आयात शुल्क में बढ़ोतरी के कारण वनस्पति तेल की कीमत में 16% की वृद्धि हुई है, जिससे आम आदमी की परेशानी बढ़ गई। हालांकि एलपीजी की दरों में 11% की गिरावट से कुछ राहत मिली।

सत्र अदालत ने पूर्व मंत्री पार्थ को बताया मुख्य साजिशकर्ता

कोलकाता @ पत्रिका. प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के ईडी मामले में नगर की सत्र अदालत ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, प्राथमिक शिक्षा पर्षद के पूर्व अध्यक्ष मानिक भट्टाचार्य, सुजय कृष्ण भद्र, शांतनु बनर्जी, अयन शील और संतु गांगुली पर आरोप तय कर दिया। सोमवार को सत्र अदालत के जज शुभेन्दु साहा ने शिक्षक घोटाले में पीएम एलए की धारा-4 के तहत इन 6 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया। अदालत ने पूर्व मंत्री पार्थ को शिक्षक भर्ती घोटाले का मुख्य साजिशकर्ता बताया।

अमरीका

खराब लिखावट से टली बैंक डकैती

वाशिंगटन @ पत्रिका. अमरीका के कोलोराडो के लवलैंड में एक चोर द्वारा बैंक लूटने की कोशिश तब नाकाम हो गई जब कैशियर खराब हस्तलिपि में लिखी उसकी मांगे पढ़ नहीं पाया। स्थानीय मीडिया के अनुसार व्यक्ति एक स्थानीय बैंक में गया, अपने हाथ में थमा पुर्जा कैशियर को पकड़ाया। लिखावट इतनी खराब थी कि कैशियर को समझ में नहीं आ रही थी। जब चोर को एहसास हुआ कि कैशियर उसके लिखे के अनुसार काम नहीं कर रहा है तो वह हताश हो गया और थोड़ी देर बाद भाग गया। पुलिस अभी भी उसकी तलाश कर रही है।

पेज दो का शेष..

क्राइम ब्रांच...

प्रारंभिक जांच में पुलिस की मेल के जंक बॉक्स में 229, स्पैम में 194, डिलीट बाक्स में 144 और इनबॉक्स में पांच मेल मिले। आश्चर्य की बात है कि इस हकीकत से राजस्थान-मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों की पुलिस भी वाकिफ है, मगर अपनी किरकिरी के चलते एजेंसियों पर नकेल डालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। नौ माह बाद भी पुलिस तय नहीं कर पाई कि किस राज्य की पुलिस के कितने ई-मेल हैक कर लोगों की निजी जानकारियां मंगवाई गईं।

यों पकड़ में आया मामला: मार्च 2024 में राजस्थान पुलिस क्राइम ब्रांच की इमेल को डिटेक्टिव एजेंसी से जुड़े शातिरों ने हैक कर चूरू जिले के सालासर थाने में दर्ज एक मामले का हवाला देकर एक बैंक खाता फ्रीज करवा दिया। पीड़ित ने सीकर रेंज आइजी से गुहार लगाई तब क्राइम ब्रांच की जांच में पूरा खेल पकड़ में आया। पुलिस ने गिरोह से जुड़े लोगों को गिरफ्तार कर कंप्यूटर व अन्य सामान भी जब्त किए।

जासूसी एजेंसियों से 10 हजार चैट: बिहार के आरोपी समरेश की वाट्सऐप जांच में देश की 30 डिटेक्टिव एजेंसियों से किए गए 10 हजार 560 चैट पाए गए। इनमें मोबाइल नंबरों की सीडीआर, बैंक खातों की डिटेल, जीएसटी डिटेल आदि निकलवाने और इनकी एवज में प्राप्त भुगतान का हिसाब है। भुगतान प्राप्त करने की 250 रसीदें मोबाइल की गैलेरी में पाई गईं। इसके बदले उसके खाते में 76 लाख छह हजार रुपए जमा हुए हैं।

गिरोह पकड़ा... एजेंसियों पर कार्रवाई नहीं: जांच में पता चला कि दिल्ली और बिहार में सक्रिय एक गिरोह ने पुलिस की मेल हैक की है। बिहार में दरभंगा जिले के गांव जाले पश्चिमी निवासी संजय कुमार झा, पाकटोला निवासी समरेश कुमार, दिल्ली के भजनपुरा के महेन्द्र सिंह, पंचशील गार्डन निवासी रिषभ बदौरिया और गिरोह के सरगना सौरभ साहू को गाजियाबाद (यूपी) से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों का देशभर की 30 डिटेक्टिव एजेंसियों से संपर्क पाया गया। इसके बावजूद भी खुफिया एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गहराई से हो रही है जांच

पुलिस की इमेल हैक करने के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। डिटेक्टिव एजेंसियों को सीडीआर बेचने की बात सामने आई है। मामले की गहराई से जांच हो रही है। कितने लोगों की सीडीआर निकलवाई गई, इसका पता किया जा रहा है।

- दिनेश एमएन, एडीजीपी क्राइम, जयपुर

डिजिटल...

ठगों ने रेशमा से कानूनी परेशानी से बचने के लिए 50 हजार रुपए मांगे। डर से रेशमा ने 22 हजार रुपए ट्रांसफर भी कर दिए। बावजूद इसके बदमाशों ने उन्हें गिरफ्तार कर रखा और पूरी रकम देने का दबाव बनाते रहे। रेशमा के पास और पैसे नहीं थे। धमकियों से घबराकर उन्होंने घर में रखा कीटनाशक पी लिया।

एशिया का सबसे बड़ा शैलो वेव बेसिन अनुसंधान केंद्र शुरू

चेन्नई @ पत्रिका. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आइआइटी मद्रास) में एशिया का सबसे बड़ा शैलो वेव बेसिन अनुसंधान केंद्र खुला है। यह केंद्र आइआइटी मद्रास से लगभग 36 किलोमीटर दूर थाईयूर स्थित 'डिस्कवरी' सैटेलाइट कैंपस में है। यह केंद्र भारतीय बंदरगाहों, जलमार्गों और तटीय इंजीनियरिंग की चुनौतियों का समाधान देने में सक्षम है। यह एक मल्टी-डायरेक्शनल शैलो वेव बेसिन है जो जटिल तरंग और धारा के बीच परस्पर प्रतिक्रियाओं पर काम कर सकता है।

इटली

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित

मिलान@ पत्रिका. फैशन व स्टाइल हब के रूप में दुनियाभर में मशहूर इटली के शहर मिलान में सड़कों, पार्कों व बाहरी क्षेत्रों सहित सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करते हुए पकड़े जाने पर 40 से 240 यूरो (लगभग 3,500 रुपए से 21,000 रुपए) तक का जुर्माना लगा दिया गया है। वायु प्रदूषण से जूझ रहा मिलान इटली का पहला शहर है जिसने इस तरह के व्यापक आउटडोर प्रतिबंध लागू किए हैं। हालांकि, इस प्रतिबंध में वेप्स और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट को शामिल नहीं किया गया है।

पेज एक का शेष..

खालिस्तान समर्थन...

भारत विरोध के बाद अपने देश में ही घिरे

पिछले साल ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। निज्जर को कनाडा में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मार दी गई थी। भारत ने इन आरोपों को निराधार बताया था, क्योंकि कनाडा कोई सबूत भी नहीं दे पाया था। इसके बाद भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और ओटावा में अपने राजदूत को वापस बुला लिया। इसके बाद ट्रूडो इस मुद्दे पर अपने देश में ही घिर गए थे।

आगे क्या:

अंतरिम नेता का चुनाव संभव... ट्रूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी अब प्रधानमंत्री के पद पर कार्यभार संभालने के लिए एक अंतरिम नेता का चयन करेगी। इसके साथ ही पार्टी एक विशेष नेतृत्व सम्मेलन भी आयोजित करेगी, लेकिन यह प्रक्रिया आमतौर पर काफी समय लेती है। यदि चुनाव इससे पहले होते हैं, तो पार्टी को ऐसे प्रधानमंत्री के अधीन काम करना पड़ेगा, जिन्हें पार्टी सदस्य नहीं चुनेंगे। यह कनाडा के इतिहास में पहली बार होगा।

क्या है वजह...

- हालांकि ट्रूडो के इस्तीफे का सबसे बड़ी वजह सर्वेक्षणों में उनका लगातार पिछड़ते जाना है। 31 दिसंबर को प्रकाशित एक सर्वे में हिस्सा लेने वाले 50 फीसदी से ज्यादा लोग कंजर्वेटिव पार्टी के साथ दिखे और प्रधानमंत्री के लिए पियर पॉलिवेयर को पहली पसंद बताया। सिर्फ 17.4 फीसदी ने ही ट्रूडो को पसंद किया।
- सर्वे के मुताबिक, कनाडा की कंजर्वेटिव पार्टी ताजा सर्वे में लिबरल से 26 अंकों से आगे चल रही है जो कि अब तक कि सबसे बड़ी बढ़त है। यह ट्रूडो के पद छोड़ने की मांग के साथ हुआ है। नौकरियों और अर्थव्यवस्था पर चिंता भी चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।
- हाल ही में हुए इप्सोस पोल में भी ट्रूडो की लोकप्रियता में गिरावट देखी गई है। 73 फीसदी लोग मान रहे थे कि ट्रूडो को इस्तीफा देना चाहिए और लिबरल को नया नेता चुनना चाहिए। सिर्फ 27 फीसदी लोग ट्रूडो के साथ दिखे। एक अन्य सर्वे में लिबरल पार्टी का समर्थन ऐतिहासिक रूप मात्र 16 फीसदी रह गया था।
- सितंबर 2024 में कनाडा में हुए उपचुनाव में टोरंटो की सीट पर विपक्षी पार्टी की जीत हुई। मॉन्ट्रियाल, जो लिबरल का मजबूत गढ़ माना जाता है, वहां भी उनकी हार लिए बड़ा झटका था।

उड़ान से पूर्व ...

जोधपुर एयरपोर्ट पर स्ट्रेचिंग शुरू हो चुकी है। प्रतिदिन बोर्डिंग गेट पर यात्रियों से छह प्रकार की स्ट्रेचिंग करवाई जा रही हैं। यात्रियों का फीडबैक भी अच्छा रहा है। जोधपुर के अलावा उदयपुर, श्रीनगर, देहरादून, ग्वालियर और भुंतर एयरपोर्ट पर भी यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। शेष एयरपोर्ट पर धीरे-धीरे शुरू किया जा रहा है। सीआइएसएफ ने स्पष्ट किया कि यह स्ट्रेचिंग केवल उन यात्रियों के लिए है, जिन्हें कोई गंभीर चिकित्सा समस्या नहीं है।

लिवर के...

मुकेश का लिवर 4 टुकड़ों में मिला। पांच पसलियां टूटीं हुई थीं, सिर पर 15 फ्रैक्चर हैं।

हार्ट फटा हुआ और गर्दन टूटी हुई मिली। एक कॉलर बोन भी बुरी तरह टूटी हुई थी। डॉक्टरों ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में इतनी बुरी हालत में कोई शव नहीं देखा। आरोपियों ने पहले पीछे से वार किया और जब वह गिर गया तो उस पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

उसके शरीर का ऐसा कोई हिस्सा नहीं था, जहां आरोपियों ने चोट न पहुंचाई हो। बाईं कलाई पर चोट के निशान मिले हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के अमाड डिएलो गोल करने के बाद।

इंग्लिश प्रीमियर लीग: टॉप पर स्थित लिवरपूल को 2-2 से बराबरी पर रोका

डिएलो के गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को लगातार चौथी हार से बचाया

19 मैच में लिवरपूल ने *14 जीते, एक हारा, 4 ड्रॉ खेले*

20 मैच में यूनाइटेड ने *06 जीते, 09 हारे व 05 ड्रॉ खेले*

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल के बीच रविवार रात यहां खेला गया इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का डर्बी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और आखिर में 2-2 के स्कोर संग ड्रॉ हो गया।

लिवरपूल टीम का विजय अभियान थमा: लिवरपूल की टीम ने तीन जीत के बाद ड्रॉ खेला। हालांकि 79वें मिनट तक शीर्ष पर काबिज लिवरपूल 2-1 से आगे थी लेकिन अमाड डिएलो के 80वें मिनट में किए गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड को लगातार चौथी हार से बचा लिया। 13वें स्थान पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पहला गोल 52वें मिनट में लियाड्रो मार्टिनेज ने दागा। लिवरपूल के लिए कोडी गाकपो और मोहम्मद सालाह ने एक-एक गोल किया।

जीत का सपना टूटा

मैनचेस्टर यूनाइटेड का लिवरपूल को उसके घर में हराने का सपना फिर टूट गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम पिछले 10 मैचों में लिवरपूल को उसके घरेलू मैदान पर हरा नहीं सकी है। इस दौरान मैनचेस्टर यूनाइटेड को पांच मैचों में हार मिली और पांच ड्रॉ रहे।

दमदार प्रदर्शन: मेजबान टीम ने दूसरा टेस्ट मुकाबला 10 विकेट से जीता, दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

द. अफ्रीका ने किया पाकिस्तान का क्लीन स्वीप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

केपटाउन. मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को यहां खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट से शिकस्त दी। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 615 रन बनाने के बाद पाकिस्तान को 194 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। पाकिस्तान ने हालांकि दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी की और 478 रन बनाए। लेकिन पाक टीम दक्षिण अफ्रीका को 58 रन का लक्ष्य ही दे सकी। दक्षिण अफ्रीका ने बिना कोई विकेट गंवाए 61 रन बनाकर दो टेस्ट की सीरीज 2-0 से जीत ली। दूसरी पारी में द. अफ्रीका के लिए केगिसो रबाडा और केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट झटके।

259 रन की पारी खेलने वाले रेयान ***प्लेयर ऑफ द मैच बने***

10 विकेट सीरीज में लेने वाले ***मार्को जेंसन बने प्लेयर ऑफ द सीरीज***

12 टेस्ट में 8 जीत से दक्षिण अफ्रीकी टीम ***विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शीर्ष पर***

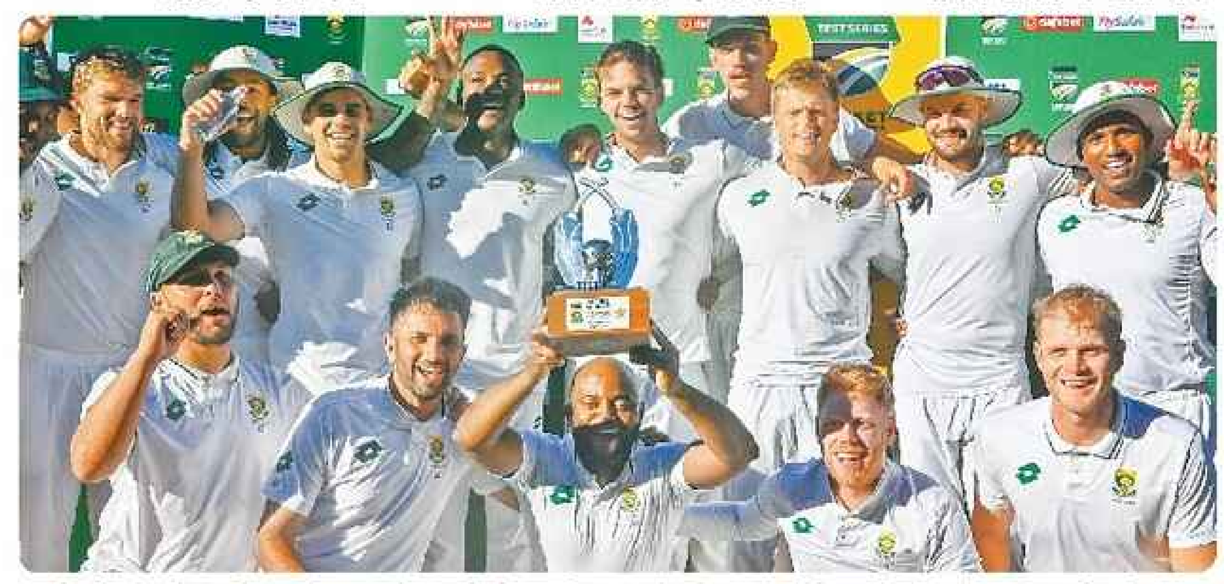

ट्रॉफी जीतने की खुशी : दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने पर जश्न मनाती हुई।

आज का पोल

क्या यशस्वी जायसवाल को वनडे टीम में शामिल किया जाना चाहिए?

YES NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

सोमवार का जवाब

हां 95% नहीं 05%

पिछला सवाल: क्या भारतीय टीम की सीरीज में हार के लिए बल्लेबाज जिम्मेदार हैं?

नई शुरुआत

प्रेमिका विक्टोरिया के साथ परिणय सूत्र में बंधे कार्लसन

ओस्लो (नॉर्वे) @ पत्रिका. नॉर्वे के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन अपनी प्रेमिका एला विक्टोरिया मलोन के साथ परिणय सूत्र में बंध गए हैं। उन्होंने चार जनवरी को शादी की। उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कार्लसन ने हाल में विश्व ब्लिट्ज में स्वर्ण पदक जीता।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट

अभिषेक बच्चन बने यूरोपीय प्रीमियर लीग के सह-मालिक

नई दिल्ली @ पत्रिका. अभिनेता अभिषेक बच्चन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) से मान्यता प्राप्त यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग के सह-मालिक बन गए हैं। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स की साझेदारी में होगी। अभिषेक ने इसमें निवेश किया है। इस लीग के मैच 15 जुलाई से 3 अगस्त तक डबलिन और रॉटर्डम में खेले जाएंगे। इसमें छह टीमों डबलिन, बेलफास्ट, एम्स्टर्डम, रोटर्डम, एडिनबर्ग और ग्लास्गो के बीच टक्कर होगी।

बदलाव: आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जसप्रीत बुमराह को रोहित शर्मा का डिप्टी बनाने की तैयारी

गिल से छिन सकती है वनडे टीम की उपकप्तानी, टीम में जगह पर भी संकट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. वक्त कितनी तेजी से बदलता है, इसका बड़ा उदाहरण शुभमन गिल हैं। एक साल पहले तक गिल को तीनों प्रारूपों में भारत का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज माना जा जाता था और उन्हें भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा था। गिल के कारण अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को ना सिर्फ भारतीय टीम से जगह गंवानी पड़ी बल्कि कुछ समय बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने को मजबूर होना पड़ा। लेकिन अब हालात यह हैं कि गिल ना सिर्फ कप्तानी की होड़ से बाहर हो गए हैं बल्कि भारतीय टीम में उनकी जगह भी मुश्किल में पड़ गई है।

रिपोर्ट के तहत, 19 फरवरी से शुरू होने वाली वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में गिल भारतीय टीम के उपकप्तान नहीं होंगे। गिल श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2024 में खेली गई तीन वनडे की सीरीज में उपकप्तान थे। चयनकर्ताओं का मानना है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपकप्तान बुमराह को होना चाहिए। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में दो टेस्ट में कप्तानी की थी और एक में जीत दिलाई थी।

शुभमन गिल

गिल का निराशाजनक प्रदर्शन...

03 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में खेले, ***93 रन बनाए***

03 पिछले वनडे मुकाबलों में ***57 रन ही बना सके***

वनडे के लिए यशस्वी ने ठोका दावा...

शानदार प्रदर्शन

05 टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले और **391 रन बनाए**

23 टी-20 मैचों में यशस्वी ने **एक शतक से 723 रन ठोके**

यशस्वी जायसवाल

गिल के लिए वनडे में सबसे बड़ी चुनौती यशस्वी जायसवाल बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यशस्वी ने पांच टेस्ट में सर्वाधिक 391 रन ठोके। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता है और वह लंबी पारी खेलने के लिए जाने जाते हैं।

पदार्पण का इंतजार

यशस्वी को वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने का इंतजार है। उन्हें टी-20 में भारत की ओर से खेलने का मौका मिल चुका है। इसमें उन्होंने 23 टी-20 में एक शतक और पांच अर्धशतक से 723 रन ठोके हैं। माना जा रहा है कि यशस्वी को चैंपियंस ट्रॉफी में जगह मिल सकती है।

गिल को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता रहा

मेरा मानना है कि शुभमन गिल को हमेशा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है लेकिन किसी ने मेरी बात पर भरोसा नहीं किया। अब चयनकर्ताओं को साई सुदर्शन और रुतुराज गायकवाड जैसे खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए।
-श्रीकांत, पूर्व बल्लेबाज।

जसप्रीत बुमराह का पलड़ा इसलिए भारी

शुभमन गिल से पहले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान रहे हैं। इसमें 2023 का वनडे विश्व कप भी शामिल है, लेकिन अब बीसीसीआइ और चयनकर्ताओं की पहली पसंद बुमराह बन गए हैं। माना जा रहा है कि रोहित चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास ले सकते हैं।

चोट बन सकती है रुकावट: बुमराह को ना सिर्फ वनडे टीम का उपकप्तान बल्कि भविष्य के टेस्ट कप्तान के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी में उपकप्तान बनना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में ऐंठन से पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके थे।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 व वनडे सीरीज से रहेंगे बाहर

रिपोर्ट के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह के पास मैदान पर वापसी करने के लिए अभी एक महीना है। इस दौरान वह चोट से उबर जाएंगे। लेकिन इसके लिए उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 और वनडे सीरीज से आराम दिया जाएगा। चयनकर्ता चाहते हैं कि वह चैंपियंस ट्रॉफी तक पूरी तरह से फिट हो जाएं।

उपलब्धि: दूसरे टेस्ट में मेजबान को 72 रन से हराया

अफगानिस्तान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज जीती

सीरीज जीतने के बाद सथियों संग खुशी मनाते राशिद खान (बीच में)।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बुलावायो. तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले स्पिनर राशिद खान की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से मात दी। इसके साथ ही अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज 1-0 से जीत ली। यह अफगानिस्तान की चार टेस्ट मैचों में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरी जीत है। सोमवार को 278 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम दूसरी पारी में 205 रन पर ऑलआउट हो गई।

प्लेयर ऑफ द मैच

राशिद खान ने चटकाए कुल 11 विकेट: राशिद खान ने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में सात विकेट लेकर जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने बल्ले से योगदान देते हुए कुल 48 रन भी बनाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

प्लेयर ऑफ द सीरीज

रहमत शाह ने 392 रन ठोके: अफगानिस्तान टीम के बल्लेबाज रहमत शाह ने इस सीरीज में कुल दो शतक लगाए। इसमें एक दोहरा शतक भी शामिल था। उन्होंने 130.66 की औसत से कुल 392 रन ठोके।

महिला क्रिकेट: आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

स्मृति मंधाना को मिली कमान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. स्मृति मंधाना को आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में 10 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान सौंपी गई है, वहीं नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर और रेणुका सिंह को आराम दिया गया है। दीप्ति शर्मा को उपकप्तान बनाया गया है।

स्मृति मंधाना

भारतीय टीम: स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री, ऋचा घोष, तेजल हसब्निस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तितास साधु, साइमा ठाकोर और सयाली सतघरे।

स्क्वैश

अनाहत ने ब्रिटिश जूनियर ओपन जीता

बर्मिंघम @ पत्रिका. भारत की उभरती हुई स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने यहां मिस्र की मलिका अल काराक्सी को हराकर ब्रिटिश जूनियर ओपन अंडर-17 खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की 16 साल की अनाहत ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलिका को 4-11, 11-9, 6-11, 11-5, 11-3 से हराया। अनाहत पूर्व में टूर्नामेंट का अंडर-11 और अंडर-15 वर्ग का खिताब भी जीत चुकी हैं। वह पीएसए विश्व रैंकिंग में फिलहाल 82वें स्थान पर हैं।

हांगकांग ओपन टेनिस: केई निशिकोरी को दी मात

फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर ने करियर का पहला खिताब जीता

कॉजवे बे @ पत्रिका. फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर ने जापान के केई निशिकोरी को हराकर हांगकांग ओपन का खिताब अपने नाम किया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने एक घंटे 43 मिनट तक चले फाइनल में निशिकोरी को 2-6, 6-1, 6-3 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही मुलर ने अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता। मुलर ने पहला सेट 6-2 से गंवाने के बाद वापसी करते हुए अगले दो सेट जीते और मैच अपने नाम कर लिया।

फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर।

खो-खो विश्व कप // आयोजन समिति ने अपने खर्चे पर किया नियुक्त ताकि टूर्नामेंट से पहले तकनीकी रूप से दक्ष हो सकें खिलाड़ी

अमरीका, ऑस्ट्रेलिया समेत 13 टीमों को ट्रेनिंग दे रहे हैं भारतीय कोच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण को लेकर विश्व कप की आयोजन समिति कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती इसके लिए उसने अपने खर्चे पर विदेशी टीमों की ट्रेनिंग के लिए भारतीय कोच नियुक्त किए हैं। इन भारतीय कोचों को विदेशी खिलाड़ियों को इस देसी खेल के गुर सिखाने की जिम्मेदारी दी गई है। खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी विदेशी टीमों को भारतीय कोच ट्रेनिंग दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन कोचों के विभिन्न देशों में रहने और खाने का खर्च आयोजन समिति वहन कर रही है, जबकि कुछ देशों ने अपने खर्चे पर कोच बुलाए हैं।

ये भी जानें...

24 देश लेंगे हिस्सा, ***21 पुरुष व 20 महिला टीम शामिल***

13 से 19 जनवरी तक होगा खो-खो ***विश्व कप का आयोजन***

इन देशों को प्रशिक्षित कर रहे ये भारतीय कोच विदेशी खिलाड़ियों को तकनीकी रूप से दक्ष करने का काम कर रहे हैं। अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अर्जेंटीना, दक्षिण कोरिया, पोलैंड, नीदरलैंड्स, पेरू, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, मलेशिया, भूटान और नेपाल देशों में भारतीय कोच नियुक्त किए गए हैं।

पहले ही तैयार कर लिया था बजट

अध्यक्ष मित्तल ने बताया कि, अंतरराष्ट्रीय खो-खो फेडरेशन ने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के प्रशिक्षण के लिए पहले ही बजट तैयार कर लिया था। इसके तहत क्वालीफाइड प्रशिक्षकों को नवीनतम अंतरराष्ट्रीय खेल नियमों, स्पोर्ट्स रेगुलेशन, तकनीक आदि के बारे में नियमित रूप से वर्कशॉप व शिविर का आयोजन किया जाता रहा है।

ओडिशा सरकार होगी भारतीय टीम की प्रायोजक

भुवनेश्वर @ पत्रिका. ओडिशा सरकार ने देश में स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय खो-खो टीम के साथ तीन साल के प्रायोजन की घोषणा की। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि राज्य जनवरी 2025 से दिसंबर 2027 तक सालाना पांच करोड़ रुपए का निवेश करेगा। ओडिशा खनन निगम के माध्यम से वित्त पोषण प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री माझी ने कहा, 'यह भारत में खो-खो के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7218...

बाएं से दाएं... 1. आधारहीन, बेबुनियाद (4), 4. समिति आदि के रूप में आया हुआ (4), 8. गाड़ी (3), 10. दृष्टि, निगाह (3), 11. लीन, तन्मय (2), 12. आंख के ऊपर का पतला आवरण (3), 14. बांग्लादेश की मुद्रा (2), 16. दशा, स्थिति, अवस्था (3), 18. उथल-पुथल, हड़कंप (4), 20. खुदा, ईश्वर (2), 22. असि, खड्ग, शमशेर (4), 23. कामयाबी (4), 25. प्रस्तान, गमन (3), 26. सांस का रोग, अस्थमा (2), 28. क्रेता (4), 30. गुमशुदा, खोया हुआ (3), 31. मित्र, दोस्त (2), 32. स्वाद, आनंद (2)

ऊपर से नीचे... 1. समाधान करने वाला, दूर हटाने वाला (4), 2. आराम, सहायता, चैन (3), 3. छिलका सहित चावल (2), 5. जगह (2), 6. राजपत्र (3), 7. शाक, सब्जी (4), 9. वर्तमान स्थिति में, अभी, इसी समय (4), 13. आने वाला व बीता हुआ दिन (2), 15. शराब बनाने व बेचने का काम करने वाली जाति (4), 17. पक्षपात (5), 18. समाधान, निवारण (2), 19. पशु चराने वाला (4), 21. शक्ति, ताकत (2), 22. स्थानान्तरण, बदली (4), 24. कमल, अरविंद (4), 27. परिमाण, नाप (2), 28. पत्र (2), 29. पत्नी, भार्या (2)

हल 7217

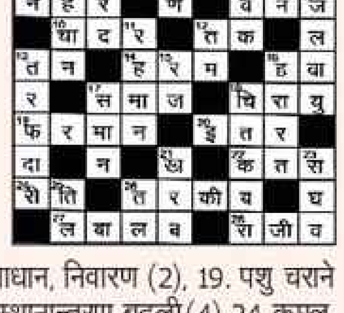

SUDOKU 6953...

	5			8	7		1	4
		2			6			7
	1					3		
		1		3				
	6		2				8	
	7		5		1			
				7				
	3		6		9		7	
		9			2	8		

हल 6952

2	4	3	1	8	9	6	7	5
6	8	1	7	4	5	9	2	3
9	7	5	6	2	3	8	4	1
4	5	2	3	7	6	1	9	8
1	6	8	4	9	2	5	3	7
7	3	9	5	1	8	2	6	4
3	2	7	9	5	1	4	8	6
5	9	6	8	3	4	7	1	2
8	1	4	2	6	7	3	5	9

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

सरकार की रिपोर्ट: निजी स्कूलों में तेजी से बढ़ रहीं महिला शिक्षक, सरकारी स्कूल और उच्च शिक्षा में अब भी पुरुषों का वर्चस्व कायम

स्कूली शिक्षा में अब महिला राज, यहां पुरुषों से 6% ज्यादा नारी शक्ति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत में पहली बार सभी प्रकार के स्कूली शिक्षकों में महिला शिक्षकों की संख्या बढ़कर पुरुषों से अधिक 53.3 प्रतिशत तक हो चुकी है। 2023-24 के लिए जारी यूडीआईएसई प्लस (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉरमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) रिपोर्ट अनुसार भारत में महिला शिक्षकों का यह अब तक का सबसे अधिक अनुपात है। 2018-19 में स्कूल में पुरुष शिक्षक आधे से ज्यादा थे। तब 94.3 लाख शिक्षकों में 47.16 लाख (50.01%) पुरुष थे।

विस्तृत खबर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

राजस्थान में मात्र 41 फीसदी महिला शिक्षक

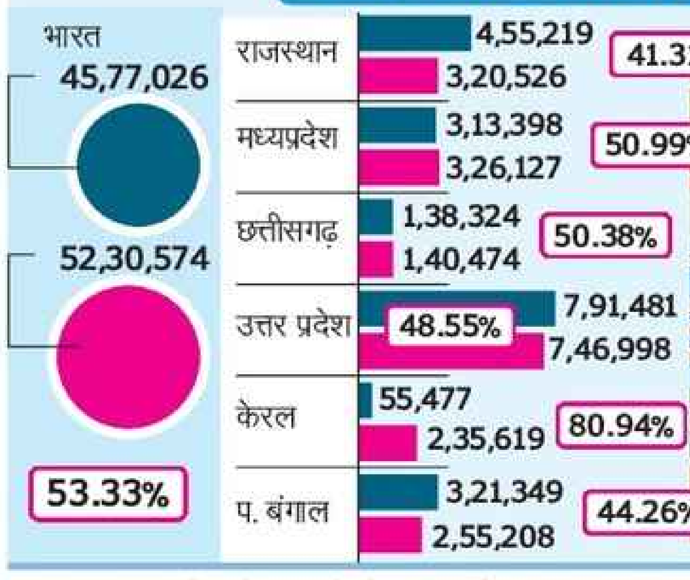

केरल में 80 फीसदी स्कूली शिक्षक महिलाएं... इसमें भी गौर करने की बात यह है कि केरल, पंजाब और हरियाणा में जहां महिला शिक्षकों की संख्या क्रमशः 80 फीसदी, 76 फीसदी और 64.73 तक है, वहीं राजस्थान जैसे राज्यों में अब भी पुरुष शिक्षक ही स्पष्ट तौर पर अधिक हैं, जिनकी संख्या करीब 60 फीसदी है। केरल में सरकारी स्कूलों में 78 फीसदी महिलाएं शिक्षक हैं, जबकि तमिलनाडु (67%), और दिल्ली (61%) में भी शिक्षण भूमिकाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व ज्यादा है।

उच्च शिक्षा में पुरुषों का दबदबा जारी...

महिलाओं की यह बढ़त स्कूली शिक्षा तक ही सीमित है। उच्च शिक्षा में पुरुषों का दबदबा बना हुआ है। 2021-22 के उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण ने बताया था कि महिला शिक्षकों की संख्या केवल 43% है, जबकि पुरुषों की संख्या 57% है। 2018-19 में भी यह अनुपात 58 और 42 था।

20% बढ़ी निजी स्कूलों में महिला भागीदारी

विशेषकर, निजी स्कूलों ने महिला स्कूल शिक्षकों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। 2018-19 में 49.47 लाख सरकारी स्कूल शिक्षकों में से 28.18 लाख (57%) पुरुष और 21.29 लाख (43%) महिलाएं थीं। 2023-24 में महिलाओं की संख्या में लगभग 6% की वृद्धि देखी गई - 22.65 लाख महिलाएं सरकारी स्कूलों में पढ़ा रही थीं, जबकि 27.72 लाख पुरुष थे। इसके विपरीत, निजी स्कूलों में पढ़ाने वाली महिलाओं की संख्या में लगभग 20% की वृद्धि देखी गई। 2018-19 से लेकर 2023-24 तक के सभी वर्षों में निजी स्कूलों में महिला शिक्षकों की संख्या अधिक थी।

दिल्ली: कर्नाटक की योजनाएं बनेंगी मॉडल

कांग्रेस की 'प्यारी दीदी योजना', हर महीने 2500 रुपए देने की गारंटी

दिल्ली पीसीसी में कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार व अन्य कांग्रेसी नेता 'प्यारी दीदी योजना' का पोस्टर जारी करते हुए।

विधानसभा चुनाव 2025

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव पूरी तैयारी के साथ लड़ने जा रही है। इसके तहत कांग्रेस ने सोमवार को मतदाताओं के लिए पहली गारंटी की घोषणा की। कांग्रेस ने दिल्ली में सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने की गारंटी के लिए 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की। यह योजना कर्नाटक में कांग्रेस नीत सरकार द्वारा अपनाए गए मॉडल की तर्ज पर शुरू की जाएगी। कांग्रेस की रणनीति है कि उसके शासन के दौरान राज्यों में सफल हुई योजनाओं की गारंटी दिल्ली में दी जाएगी। इसके लिए संबंधित राज्यों के नेताओं को दिल्ली की जनता से रूबरू कराया जाएगा।

दरअसल, विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है। अधिकांश सीटों पर उम्मीदवार घोषित करने के बाद अब कांग्रेस अपनी गारंटी कार्यक्रमों का खुलासा कर रही है। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्यारी दीदी योजना की घोषणा की। उन्होंने

महिलाओं को सशक्त बनाएंगे

शिवकुमार ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस मौके पर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस का एक इतिहास और परंपरा है, जिसकी विश्वसनीयता जनता के बीच में है। कर्नाटक में हमारी सरकार गृहलक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए दे रही है। इसके अलावा, कर्नाटक में गृह ज्योति योजना, अन्न भाग्य योजना और युवा निधि योजना भी जारी है। इन योजनाओं के चलते राज्य के परिवारों का हजारों रुपया बच रहा है। इसी तरह, हम तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी कई जनहित की योजनाएं चलाकर लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं। इस घोषणा के दौरान दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा, रागिनी नायक समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

कहा कि उन्हें विश्वास है कि कांग्रेस दिल्ली में सरकार बनाएगी और महिलाओं को 2,500 रुपए देंगे। इसका फैसला सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में ही किया जाएगा। यह उसी मॉडल पर है जो हमने कर्नाटक में लागू किया था।

इंडिया @ शॉर्ट रीड

मध्य प्रदेश: ट्रक की टक्कर से चार मरे

सागर@पत्रिका. सागर जिले में सोमवार को ट्रक और कार के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शाहगढ़ थाना क्षेत्र में आमने-सामने की टक्कर में कार में सवार अगरा निवासी सुखदीन, हल्ले, परमानन्द यादव और बहेरिया निवासी आनंद पटेल की मौके पर ही मौत हो गई।

महाराष्ट्र: बर्ड फ्लू से 3 बाघ, 1 तेंदुआ मरा

नागपुर@ पत्रिका. पशु बचाव केंद्र में एवियन इन्फ्लूएंजा से तीन बाघ और एक तेंदुए की मौत हो गई। चिड़ियाघरों को अलर्ट पर रखा गया है। गोरेवाड़ा प्रोजेक्ट प्रभारीय प्रबंधक ने कहा कि मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं के बाद पशुओं को चंद्रपुर से गोरेवाड़ा बचाव केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया है।

दिल्ली: कैप्टन देवी शरण सेवानिवृत्त

नई दिल्ली @ पत्रिका. दिसंबर 1999 में कंधार में अपहृत इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट के कमांडर कैप्टन देवी शरण एविएशन में चार दशक के करियर के बाद सेवानिवृत्त हो गए हैं। 65 वर्षीय शरण ने 4 दिसंबर को मेलबर्न से दिल्ली के लिए एयर इंडिया ड्रीमलाइनर से अपनी अंतिम उड़ान भरी।

पाकिस्तान: 2024 में 65 फीसदी बढ़े अलगावादी हमले

बलूचों का सबसे बड़ा हमला, 47 पाक जवानों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इस्लामाबाद. बलूचिस्तान के तुर्बत के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की फिदायीं यूनिट मजीद ब्रिगेड के आत्मघाती हमले में 47 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 30 से अधिक अन्य घायल हो गए।

बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने एक बयान में कहा कि हमला लगभग शाम 5:45 बजे (स्थानीय समय) बेहमान इलाके में हुआ, जो तुर्बत शहर से लगभग आठ किलोमीटर दूर स्थित है। हमले का टारगेट 13 वाहनों का काफिला था, जिसमें पांच बसें और सात सैन्य वाहन शामिल थे, जो कराची से तुर्बत में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय की ओर जा रहे थे।

अफगानिस्तान में पाक एयरस्ट्राइक, काबुल के साथ आया भारत... अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी आर्मी द्वारा पिछले दिनों किए गए हवाई हमले की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में पाक ने यह स्ट्राइक की थी।

तुर्बत शहर के निकट बलूच विद्रोहियों का हमला, ध्वस्त पाक सेना के वाहन।

आजादी मांगते बलूचों के हमलों में 2024 में 1002 लोग मारे गए

वर्ष	2023	2024
प्रॉपर्टी क्षति	340	546

पीपीपी की सरकार गिराने की धमकी... उधर, बिलावल भुट्टो की पार्टी ने शहबाज सरकार गिराने की धमकी दी है। मामला समुद्री सीमा और बंदरगाह प्राधिकरण स्थापना में पीपीपी से विमर्श नहीं करना का है।

2024 में इन समूहों ने उठाया बगावत का झंडा

	बीएलए	बीएलएफ	बीआरएएस	अन्य समूह
हमले	302	284	204	148
मौत	580	280	41	101

स्रोत: द ब्लूचिस्तान पोस्ट

बीएलए: ब्लूचिस्तान लिबरेशन आर्मी
बीएलएफ: ब्लूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट
बीआरएएस: बलोच राजी आजोई सांगर
अन्य समूह: बीआरजी, बीआरए, यूबीए

बांग्लादेश: पूर्व पीएम को 12 फरवरी को पेश करने के निर्देश

कोर्ट ने हसीना समेत 11 के खिलाफ वारंट किए जारी

ढाका @ पत्रिका. बांग्लादेश स्थित इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके पूर्व रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक बेनजीर अहमद सहित 11 व्यक्तियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ये वारंट पिछले 15 वर्षों में न्यायेतर हत्याओं और लोगों को जबरन गायब किए जाने के आरोपों के संबंध में जारी किए गए हैं। आईसीटी ने पुलिस को इन्हें 12 फरवरी को पेश करने का निर्देश दिया है।

न्यायाधिकरण ने यह भी आदेश दिया कि अन्य मामलों में जेल में बंद मेजर जनरल (बर्खास्त) जियाउल अहसन को गिरफ्तार दिखाया जाए तथा उसी तारीख को पेश किया जाए। ढाका स्थित आईसीटी का गठन शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी की पहल पर 2009 में किया गया था। इस घरेलू न्यायालय का उद्देश्य 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाक सेना द्वारा किए गए नरसंहार और उसके दोषियों को सजा देने के लिए किया गया था।

तुर्की से टैंक खरीदेगा बांग्लादेश

भारत से तनाव के बीच बांग्लादेश ने तुर्की से टैंक खरीदने की योजना सामने आई है। इस योजना का खुलासा तब हुआ है, जब बांग्लादेश ने कुछ दिनों पहले ही भारतीय सीमा पर तुर्की से खरीदे गए ड्रोन तैनात किए। बांग्लादेश के उत्तर, पश्चिम और पूर्व में भारत है। दक्षिण में बंगाल की खाड़ी है। बांग्लादेश की सीमा म्यांमार से लगती है, और यह सीमा मुश्किल से 270 किलोमीटर है। ऐसे में इन टैंकों को भारत और म्यांमार से लगी सीमा पर तैनात किया जा सकता है।

जुलाई-अगस्त क्रांति: शहीदों और घायलों को 637 करोड़

सूचना एवं प्रसारण सलाहकार नाहिद इस्लाम ने सोमवार को कहा कि सरकार ने जुलाई-अगस्त के विद्रोह में शहीदों और घायलों के परिवारों के लिए 637.8 करोड़ टका आवंटित किए हैं। सरकार प्रत्येक शहीद के परिवार को 30 लाख टका का बचत प्रमाणपत्र प्रदान करेगी, जबकि घायलों को 1 लाख टका से 5 लाख टका तक की राशि दी जाएगी।

सौगात: कई रेल परियोजनाओं का उद्घाटन

विकसित भारत के लिए रेलवे का विकास महत्त्वपूर्ण: मोदी

नई दिल्ली @ पत्रिका. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आज देश 'विकसित भारत' की संकल्प सिद्धि में जुटा है। इसके लिए, भारतीय रेलवे का विकास महत्त्वपूर्ण है। हमने देखा है कि पिछला दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक ट्रांसफॉर्मेशन का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक विजिबल चेंज आया है। इससे देश की छवि बदली है।

पीएम कई रेलवे प्रोजेक्ट के सोमवार को वर्चुअली उद्घाटन व शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने जम्मू रेलवे डिवीजन, तेलंगाना में चेरलापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। वहीं, ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला भी रखी। पीएम ने कहा कि रविवार को मैंने दिल्ली-एनसीआर में 'नमो भारत ट्रेन' का शानदार अनुभव लिया। रविवार को भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किमी से ज्यादा का हो गया है।

साथ बढ़ रहा देश...

पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर में जम्मू-कश्मीर, पूर्व में ओडिशा और दक्षिण में तेलंगाना, आज देश के बड़े हिस्से के लिए कनेक्टिविटी के लिहाज से बड़ा दिन है। पूरा देश अब एक साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि ये नए डिवीजन, नए रेल टर्मिनल भारतीय रेलवे को इक्कीसवीं सदी की आधुनिक रेलवे बनाने में अहम योगदान देंगे। इससे देश में आर्थिक समृद्धि का इकोसिस्टम डेवलप करने में मदद मिलेगी, रेलवे के संचालन में मदद मिलेगी, निवेश के ज्यादा मौके बनेंगे।

पत्रिका पोल

Q क्या चीन में फैल रहा ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) दुनिया के लिए बड़ी चिंता बन सकता है?

कल का सवाल था
विश्व बैंक की 20 अरब डॉलर की सहायता से क्या पाकिस्तान गरीबी की समस्या से निजात पा सकेगा?

जवाब
24% हां 76% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

प्रशांत किशोर को थप्पड़ मारा-टीम ने सुबह फैलाया, पीके ने शाम को कहा-बेबुनियाद खबर चला रहा मीडिया

बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

द्वारिकाधीश मंदिर में बदले नियम, भक्त अब नहीं चढ़ा पाएंगे प्रसाद!

उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

अतुल सुभाष मामला

हाईकोर्ट में निकिता की याचिका खारिज

बेंगलूरु @ पत्रिका. कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में पत्नी निकिता सिंघानिया के खिलाफ दर्ज एफआइआर रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। बेंगलूरु के टेकी सुभाष ने अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया और ससुराल वालों पर प्रताड़ना और झूठे मामलों में फंसाने का आरोप लगाते हुए पिछले महीने आत्महत्या कर ली थी। न्यायाधीश एस.आर. कृष्ण कुमार की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने मौखिक रूप से आदेश पारित किया। सुभाष की पत्नी की मांग को अस्वीकार करते हुए पीठ ने कहा कि एफआइआर में आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत मामला दर्ज करने के लिए सभी सबूत मौजूद हैं।

प्रयागराज महाकुंभ: धर्म की ध्वजा लिए साधु-संतों का आगमन

प्रयागराज @ पत्रिका. नागा साधुओं के साथ आचार्यों, महंतों और महामंडलेश्वरों का महाकुंभ मेले के लिए प्रवेश करना जारी है, सोमवार को एक पेशवाई का दृश्य।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

अमरीका भारतीय की हत्या में पांच गिरफ्तार

न्यूयॉर्क @ पत्रिका. न्यू जर्सी के एक जंगल में गोलियों से छलनी एक भारतीय कुलदीप कुमार की हत्या के आरोप में पांच भारतीय मूल के लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उसका शव 14 दिसंबर को न्यू जर्सी के एक प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र ग्रीनवुड वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्र में गोलियां लगने के निशानों के साथ मिला था। हत्या 22 अक्टूबर के आसपास हुई थी। मामले में इंडियाना के ग्रीनवुड से सौरभ कुमार, गौरव सिंह, निर्मल सिंह और गुरदीप सिंह तथा न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क से संदीप कुमार की पहचान कथित अपराधियों के रूप में की गई है।

मेक्सिको बार में गोलीबारी, पांच की मौत

मेक्सिको सिटी @ पत्रिका. दक्षिण-पूर्वी मेक्सिको के एक बार में हुई गोलीबारी में पांच लोग मारे गए और सात घायल हो गए, यह हिंसा से ग्रस्त देश में इसी तरह के हमलों की श्रृंखला में यह नवीनतम घटना है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अज्ञात बंदूकधारियों ने तबास्को के ला कैसेटा अजुल बार में घुसकर ग्राहकों पर गोलियां चलाईं, जिससे खून से लथपथ शव फर्श पर बिखर गए। नवंबर में, विलेहरमोसा में एक बार पर एक अन्य सशस्त्र हमले में छह लोग मारे गए और 10 घायल हो गए थे।

ट्रेंडिंग न्यूज

सुनक अब ब्रिटेन के सबसे अमीर नेता

पद जाने के बाद भी ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अब देश के सबसे धनी राजनेता बन गए हैं, पत्नी अक्षता मूर्ति समेत उनकी संयुक्त संपत्ति 812 मिलियन डॉलर (69 अरब रुपए) आंकी गई है।

'नागरिक परमाणु सहयोग करेंगे प्रशस्त'

अमरीका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन ने सोमवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ से पहले दिल्ली पहुंचे सुलीवन ने कहा दोनों देशों में नागरिक परमाणु सहयोग में आ रही बाधाएं हटाएंगे।

मुइज्जू से मिले भारत के उच्चायुक्त

मालदीव में भारत के नवनियुक्त उच्चायुक्त जी बालासुब्रमण्यम ने सोमवार को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की। दोनों ने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और लोगों के बीच संबंध मजबूती पर चर्चा हुई।

वायरल पहले बच्चे के बाद होने लगे शारीरिक बदलाव

दो प्रजनन तंत्र वाली चीनी महिला बनी मां और फिर पिता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीजिंग. दो प्रजनन प्रणालियों वाली एक चीनी महिला की कहानी वायरल हो रही है। महिला के दो बेटे हैं, जिनमें से पहला उसे मां कहता है और दूसरा पापा। लियू ने किसी सामान्य महिला की तरह शादी की और एक बेटे को जन्म दिया। इसके बाद घटनाओं ने मोड़ ले लिया, आगे चलकर लियू के शरीर में बदलाव होने लगे और एंड्रोजनिक हार्मोन तेजी से बढ़ने लगा। दाढ़ी बढ़ने लगी और पुरुष प्रजनन अंगों का विकास होने लगा। इन बदलावों के बाद लियू के पति ने उसे तलाक दे दिया।

दक्षिण-पश्चिमी चीन की 59 वर्षीय महिला के दो बेटे हैं, एक का जन्म पुरुष से और दूसरे का जन्म महिला से हुआ था।

पति से तलाक के बाद दूसरी शादी से बनी पिता

तलाक के बाद लियू बेटे-पति को छोड़ काउंटी चली गई और पुरुष की तरह जीने लगी। लियू को झोउ महिला से प्यार हो गया। लियू के पहचान पत्र में वह एक महिला थी और चीन में समलैंगिक शादी को मान्यता नहीं है। ऐसे में लियू ने अपने पहले पति तांग से मदद मांगी और कहा कि वह कागजों में झोउ से शादी कर ले।

एक बच्चा पुकारता है 'मम्मी', दूसरा 'पापा'

तांग के कागजों में झोउ से शादी रचा ली जबकि झोउ असल में लियू के साथ ही रहती थी। कुछ वर्षों के बाद झोउ गर्भवती हो गई और 2000 के दशक की शुरुआत में उसने लियू के एक बेटे को जन्म दिया। इसके बाद अब लियू के दो बेटे हो गए हैं, जिसमें से पहला उन्हें मां कहता है और दूसरा पापा। अब 59 साल की हो चुकी लियू ने अभी तक ट्रांसजेंडर सर्जरी नहीं करवाई है। लियू की यह कहानी प्रकाश में आने के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

शर्मनाक! पैर में कपड़ा बांधकर घसीट ले गए शव

झांसी@ पत्रिका. मानवता को तार-तार करता उत्तर प्रदेश का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दो लोग एक शव के पैरों से बंधे कपड़े से उसे घसीटते हुए पोस्टमार्टम सेंटर ले जाते दिख रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वीडियो झांसी पोस्टमार्टम हाउस के बाहर का है और शव को खींचते लोग एंबुलेंस संचालक हैं।

जिजीविषा: पांच दिन बाद सुरक्षित मिला

40 शेरों से भरे जंगल में खो गया 8 साल का नन्हा बच्चा

हरारे @ पत्रिका. जिम्बाब्वे में एक आठ साल के बच्चे के पांच दिनों तक शेरों से भरे जंगल में भटकने के बाद जीवित बाहर आने की कहानी वायरल हो रही है। पुडु नामक यह बच्चा अपने गांव से भटककर मातुसदोना नेशनल पार्क में प्रवेश कर गया था। अफ्रीका में सबसे ज्यादा शेरों वाला पार्क माने जाने वाले इस पार्क में 40 शेर समेत अन्य कई जंगली जानवर रहते हैं। लड़के की तलाश कर रहे वन रक्षकों ने पांच दिन बाद उसे खोज कर पार्क से सुरक्षित बाहर निकाला।

पानी के लिए खोदे गड्ढे.. जंगल में पुडु ने जीवित रहने के लिए जंगली फल खाए और गड्ढे खोद कर पानी पिया। स्थानीय लोगों ने भी पुडु को खोजने में वन रक्षकों की मदद की। लोग रात-रात भर ड्रम बजाते थे ताकि जानवर पुडु से दूर रहें।

"स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।